सत्यमेव जयते

# सूचना और प्रसारण मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट 1996–1997

वार्षिक रिपोर्ट 1996–1997

# विषय सूची


| | | |
|---|---|---|
| 1. | एक नजर | 1 |
| 2. | आकाशवाणी | 3 |
| 3. | दूरदर्शन | 22 |
| 4. | फिल्म | 34 |
| 5. | प्रेस प्रचार | 46 |
| 6. | समाचारपत्रों का पंजीकरण | 50 |
| 7. | प्रकाशन | 51 |
| 8. | क्षेत्रीय प्रचार | 54 |
| 9. | विज्ञापन और दृश्य प्रचार | 62 |
| 10. | फोटो प्रचार | 69 |
| 11. | गीत और नाटक | 71 |
| 12. | गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण | 75 |
| 13. | योजना निष्पादन | 78 |
| 14. | अंतर्राष्ट्रीय सहयोग | 83 |
| 15. | प्रशासन | 85 |

**परिशिष्ट**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मंत्रालय का सांगठनिक ढांचा | 90 |
| 2. | वर्ष 1996-97 और 1997-98 के लिए योजना तथा गैर-योजना बजट का विवरण | 92 |

# 1

# एक नजर

1.1 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जनतंत्र के सर्वाधिक महत्वपूर्ण मूल्यों में से एक है। संविधान द्वारा प्रत्याभूत यह स्वतंत्रता लोगों को समुचित जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और उन्हें विभिन्न स्थानीय, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय मुद्दों पर निर्णय करने के लिए विचारों और विकल्पों के चुनाव की व्यापक सुविधा उपलब्ध कर सामाजिक-आर्थिक विकास की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को सरल बनाता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय आकाशवाणी, दूरदर्शन, फिल्म, समाचार पत्रों, प्रकाशनों, लोक सेवा विज्ञापन, कलाकारों द्वारा कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों और संचार के अंतर-वैयक्तिक माध्यमों के जरिये शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में समाज के सभी वर्गों की सूचना, शिक्षा और मनोरंजन संबंधी जरूरतों की पूर्ति करता है। इस दिशा में अपनी सेवाएं उपलब्ध कराते समय यह सार्वजनिक हितों और व्यावसायिक आवश्यकताओं के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बनाए रखता है।

1.2 मंत्रालय की विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-93 से 1996-97) के तहत 3,634 करोड़ रुपये को संशोधित कर 3,672.42 का प्रावधान किया गया था। इन पांच वर्षों के दौरान जो वार्षिक योजना राशि आबंटित की गई, वह 2,074.49 करोड़ रुपये थी। आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान मुख्य जोर आधारभूत ढांचे के विकास, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे, ट्रांसमीटर लगाने, स्टूडियो और कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार लाने पर दिया गया। उपग्रह द्वारा प्रसारण की मदद से क्षेत्रीय और स्थानीय सुविधाओं को मजबूत बनाने की ओर विशेष ध्यान दिया गया। सॉफ्टवेयर के मामले में इलेक्ट्रॉनिक और गैर-

प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा 29 अक्तूबर, 1996 को नई दिल्ली में राज्यों के सूचना मंत्रियों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम इकाइयों ने राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्‌भाव, प्राथमिक/प्रारंभिक शिक्षा, निरक्षरता उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य रक्षा और परिवार कल्याण, कृषि तथा ग्रामीण विकास के साथ-साथ महिलाओं, बच्चों और समाज के अन्य कमजोर तबकों से संबंधित समस्याओं जैसे राष्ट्रीय महत्व के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया।

1.3 अतीत के विपरीत नौवीं योजना अवधि और उसके आगे इलेक्ट्रॉनिक और गैर-इलेक्ट्रॉनिक माध्यम इकाइयों को प्रबल प्रतियोगी माहौल में काम करना पड़ेगा। नौवीं योजना के दौरान सूचना इकट्ठा करने और उसका प्रसार करने, सार्वजनिक माध्यमों की पहुंच और उसकी कवरेज़ बढ़ाने, विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए नई तकनीक अपनाने, अर्थपूर्ण और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कार्यक्रम चलाने के लिए लोगों के लिए उचित सॉफ्टवेयर तैयार करने तथा लक्षित समूहों की रुचि बनाए रखने के लिए उपयुक्त कार्ययोजना बनाने सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुकूलतम निवेश पर विचार किया जा रहा है।

1.4 मंत्रालय की गतिविधियों को मोटे तौर पर तीन खंडों में बांटा जा सकता है—प्रसारण खंड, फिल्म खंड और सूचना खंड। इन तीनों खंडों के क्रिया-कलाप एक दूसरे के पूरक हैं और सच पूछिए तो उन्हें बांटा नहीं जा सकता। ये तीनों खंड विशेषज्ञ माध्यम इकाइयों और अन्य संगठनों के जरिए काम करते हैं जो अपने विभिन्न कार्यकलापों के जरिए यह सुनिश्चित करते हैं कि सूचना, शिक्षा और मनोरंजन का प्रसार पूरे देश में हो रहा है। ये माध्यम इकाइयां हैं—आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय, प्रकाशन विभाग, गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, फोटो प्रभाग, गीत और नाटक प्रभाग, फिल्म समारोह निदेशालय, फिल्म प्रभाग और राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार। मंत्रालय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म केंद्र, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे; सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता; भारतीय जनसंचार संस्थान, भारतीय प्रेस परिषद और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से भी संबद्ध है। अगले अध्यायों में 1996-97 के दौरान इन संगठनों की गतिविधियों का विस्तृत विवरण दिया गया है। रिपोर्ट के अंत में दिए गए परिशिष्टों में आंकड़ाबद्ध और तालिकाबद्ध रूप से सूचनाएं दी गई हैं।

# 2

# आकाशवाणी

## नेटवर्क

2.1.1 आकाशवाणी के इस समय (10.12.1996 तक) देश भर में 187 केंद्र कार्य कर रहे हैं। इनमें 179 पूर्ण केंद्र, 4 रिले केंद्र, 1 सहायक केंद्र और 3 विविध भारती विज्ञापन सेवा केन्द्र शामिल हैं। इस वर्ष पौड़ी गढ़वाल (उत्तर प्रदेश) और उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) के दो केन्द्र आकाशवाणी नेटवर्क में शामिल किए गए। आकाशवाणी के पास इस समय 297 ट्रांसमीटर हैं। इनमें 149 मीडियम वेव, 52 शार्ट वेव और 96 एफ.एम. ट्रांसमीटर शामिल हैं तथा इसके कार्यक्रम देश के 90.1 प्रतिशत क्षेत्र में 97.3 प्रतिशत आबादी द्वारा सुने जा सकते हैं। विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में इस नेटवर्क की प्रगति और क्षेत्र तथा जनसंख्या की कवरेज अगले पृष्ठ पर रेखाचित्र में दर्शाई गई है।

श्रीमती परवीन सुल्ताना 21 सितंबर, 1996 को नई दिल्ली में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में कार्यक्रम पेश करते हुए

2.1.2 स्थानीय रेडियो केन्द्र की धारणा आकाशवाणी नेटवर्क में छठी पंचवर्षीय योजना के दौरान अपनाई गई। उस समय अग्रणी परियोजनाओं के तौर पर ऐसे छह केंद्र खोले गए। अब देशभर में 73 स्थानीय केन्द्र हैं।

2.1.3 आकाशवाणी के कंप्यूटर प्रभाग ने कंप्यूटर संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संगठन के एम.आई.एस. बिलों आदि की प्रोसेसिंग और कार्यालय में स्वचालित प्रणालियों के क्षेत्र में कंप्यूटरीकरण शुरू किया है। यह एन.डी.—550 कंप्यूटर प्रणाली पर काम कर रहा है जिसके तहत कलाकार बुकिंग व्यवस्था, रॉयल्टी भुगतान, कंप्यूटर आधारित रूपरेखा, परियोजना प्रबंध प्रणाली (योजना बजट) आदि अनेक पैकेज हैं। इन पैकेजों को आवश्यकता के अनुरूप विकसित किया गया है। कलाकार बुकिंग प्रणाली और भुगतान रजिस्टर के लिए द्विभाषी सॉफ्टवेयर पैकेज भी विकसित किया गया है जिसे ई.डी.पी. कोष्ठ द्वारा लागू किया जाता है। इन पैकेजों का प्रयोग बताने के लिए आकाशवाणी के कर्मचारियों और क्षेत्रीय इकाइयों के लिए ई.डी.पी. कोष्ठ द्वारा पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

2.1.4 वर्ष के दौरान आकाशवाणी के अनेक केन्द्रों का आधुनिकीकरण किया गया। ये हैं : (1) गंगतोक (सिक्किम) में 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर को बढ़ाकर 20 किलोवाट का कर दिया गया; (2) सिक्किम में प्राथमिक मीडियम वेव ट्रांसमीटर को शार्टवेव का सहयोग उपलब्ध कराने के लिए गंगतोक में 10 किलोवाट के एक नए शार्टवेव ट्रांसमीटर की स्थापना की गई; (3) गंगतोक में एक अतिरिक्त प्रातःकालीन ट्रांसमिशन शुरू किया गया; (4) परभनी (महाराष्ट्र) में 10 किलोवाट के मीडियम वेव ट्रांसमीटर की शक्ति बढ़ाकर 20 किलोवाट कर दी गई; (5) तिरुअनंतपुरम में स्टूडियो का आधुनिकीकरण किया गया और इसमें आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

10.12.96 की स्थिति

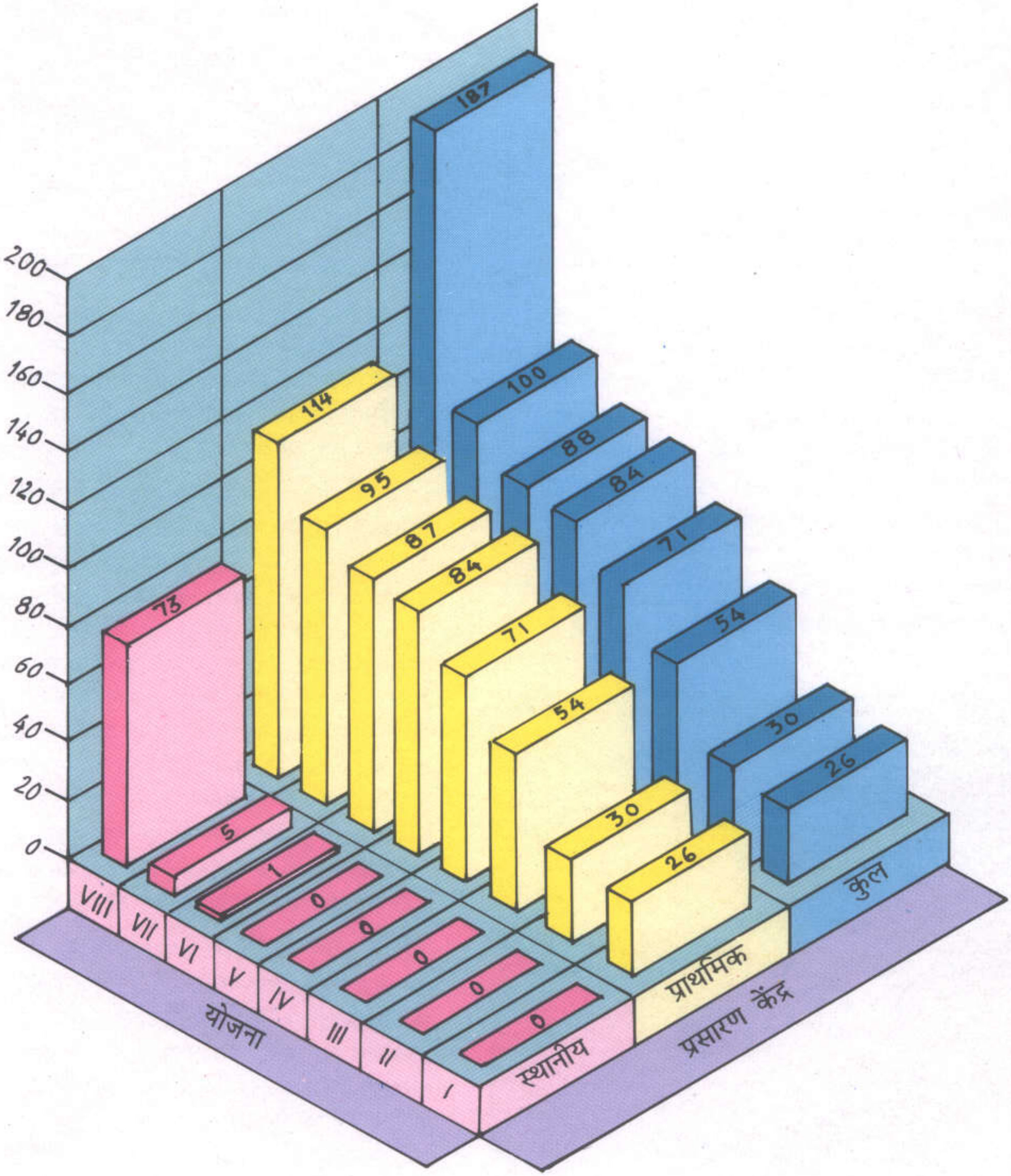


क्रमिक योजनाओं में रेडियो केन्द्रों की वृद्धि

2.1.5 आकाशवाणी के 7 केंद्र और 17 परियोजनाएं तकनीकी रूप से तैयार हैं। ये केंद्र हैं—कुल्लू, माउंट आबू, बीजापुर, किन्नौर, कारगिल, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ तथा परियोजनाएं हैं—कर्सियांग (एक किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर), कलकत्ता (दूसरा एफ.एम. स्टीरियो चैनल), तवांग (10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर), चंडीगढ़ (3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर), इलाहाबाद (2 × 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर), रांची (2 × 3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर) (सी.बी.एस.), अहमदाबाद (2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर) (वी.बी.), मुंबई (दूसरा एफ.एम. स्टीरियो चैनल), जबलपुर (2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर) (सी.बी.एस.), पणजी (वर्ग-III स्टूडियो), जगदलपुर (100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर), बंगलौर (2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर) (स्टीरियो), नागरकोइल (2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर), तिरुअनंतपुरम (2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर), (वी.बी.) तथा चेन्नई (दूसरा एफ.एम. चैनल)।

विदेशी सेवा प्रभाग

2.2.1 आकाशवाणी का विदेशी सेवा प्रभाग भारत और विश्व के बीच एक सेतु के तौर पर काम करता है। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के साथ यह एक महत्वपूर्ण संपर्क है। लगभग 70 घंटे तक 24 भाषाओं में प्रसारित होने वाले इसके कार्यक्रम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न मुद्दों पर भारतीय दृष्टिकोण विदेशों में प्रस्तुत करते हैं।

2.2.2 सामान्य विदेशी सेवा (अंग्रेजी), उर्दू सेवा और हिंदी सेवा इसकी तीन मुख्य सेवाएं हैं। इन प्रसारणों में एकरूपता रखी जाती है। उर्दू सेवा से लोकतंत्र, समाजवाद, अंतर्राष्ट्रीय शांति और सह-अस्तित्व के लिए प्रतिबद्ध आधुनिक प्रगतिशील भारत की छवि पेश की जाती है। इस बात के प्रयास किए गए हैं कि विशेष रूप से कश्मीर में उग्रवाद के बारे में पाकिस्तानी इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यमों द्वारा शुरू किए गए आधारहीन और झूठे प्रचारों का तोड़ किया जा सके। इस बात के भी प्रयास किए गए हैं कि उर्दू, सिंधी और पंजाबी सेवाओं में पाकिस्तान में मानवाधिकार उल्लंघन, सिंध की स्थिति और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने तथा नशीली दवाओं की तस्करी में पाकिस्तान की भूमिका को उजागर किया जाए। इसी तरह सामान्य विदेशी सेवा (अंग्रेजी) और हिंदी सेवा में उदारवाद की नई आर्थिक नीति को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया है जिसमें भारत में नए निवेश, खासतौर से अप्रवासी भारतीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहन के सभी विवरण शामिल हैं। विदेशी सेवा प्रभाग के ट्रांसमीटरों से रात नौ बजे का प्रमुख राष्ट्रीय अंग्रेजी बुलेटिन सार्क देशों, पश्चिम एशिया, खाड़ी और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में प्रसारित होती है।

2.2.3 प्रभाग स्वतंत्र रूप से अंग्रेजी में एक मासिक पत्रिका 'इंडिया कॉलिंग' भी निकालता है।

परिवार कल्याण

2.3 आकाशवाणी केंद्रों से देश की सभी भाषाओं/बोलियों में हर महीने 8,500 से अधिक कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में मुख्य जोर छोटे और सुखी परिवार की नीति पर होता है। एड्स, टी.बी., डेंगू, पानी से पैदा होने वाली बीमारियों, मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बाल विकास और सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम, बंध्याकरण, नसबंदी आदि पर महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रसारित किए गए। प्रत्येक केंद्र से सप्ताह में एक बार पंद्रह मिनट अवधि का 'हेल्थ फोरम' कार्यक्रम भी प्रसारित किया गया।

बाल कार्यक्रम

2.4.1 आकाशवाणी के सभी केंद्रों से 5 से 7 वर्ष और 8 से 14 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। ग्रामीण बच्चों के लिए भी विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों का प्रसारण साप्ताहिक होता है। इन प्रसारणों में एकांकी, लघु कथाएं, फीचर, गीत, साक्षात्कार, वीर कथाएं आदि शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में बच्चे अपने शैक्षिक और साक्षरता स्तर में कोई भेद किए बिना भाग ले सकते हैं।

2.4.2 बाल कार्यक्रम के निर्माण में लगे लोगों को संवेदनशील बनाने के लिए समय-समय पर अनेक कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। आकाशवाणी के सभी केंद्रों से अंतर्राष्ट्रीय बाल-दिवस के अवसर पर हर वर्ष कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इसमें विशेष फोन-इन कार्यक्रम की भी व्यवस्था की जाती है ताकि विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखने के लिए बच्चों को एक मंच मिल सके।

महिला कार्यक्रम

2.5.1 आकाशवाणी के सभी केंद्रों से ग्रामीण महिलाओं के साथ-साथ शहरी महिलाओं के लिए भी कार्यक्रम प्रसारित किए

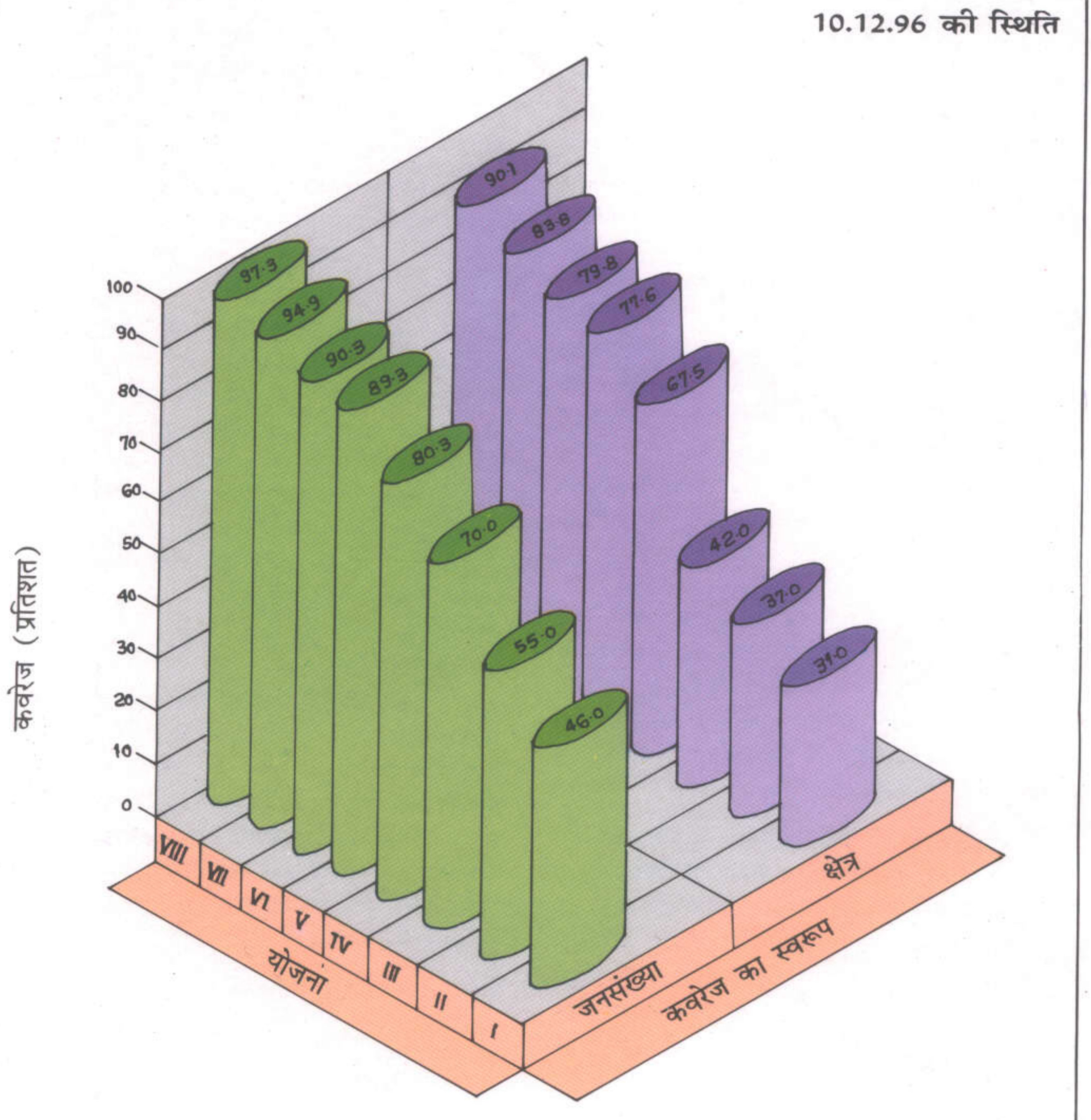


क्रमिक योजनाओं के बाद जनसंख्या व क्षेत्रफल की कवरेज

## आकाशवाणी की प्रगति

| | 1990-91 | 1996-97 | प्रगति (प्रतिशत) |
|---|---|---|---|
| केंद्रों की संख्या | 108 | 187 | 73.15 |
| ट्रांसमीटरों की संख्या | 197 | 297 | 50.76 |
| रेडियो कवरेज (क्षेत्र) (%) | 84.6 | 90.1 | 6.5 |
| रेडियो कवरेज (जनसंख्या) (%) | 95.4 | 97.3 | 02 |
| एफ.एम. मेट्रो चैनल पर प्रसारण की अवधि (घंटों में) | 05.5 | 24 | 336 |
| व्यावसायिक आय (करोड़ रुपये) | 39.30 | 48 (9/96 तक) | 144 (अनुमानित) |
| बजट (करोड़ रुपये) | 355.58 | 529.53 | 48.92 |

जाते हैं। इन कार्यक्रमों का प्रसारण ऐसे समय किया जाता है जिससे कि लक्षित श्रोताओं को इन्हें सुनने में असुविधा न हो। इनमें महिलाओं का सामाजिक-आर्थिक विकास, स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण, खाद्य और पौष्टिकता, वैज्ञानिक गृह प्रबंध, महिला उद्यमशीलता, शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, लिंग भेद के मुद्दे आदि विषयों पर कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कानूनी जानकारी के प्रसार के लिए महिलाओं के अधिकार और विशेषाधिकार के बारे में व्यापक सामाजिक जागरूकता पैदा करना भी है। अपने कार्यक्रमों के जरिये आकाशवाणी इस बात का प्रयास कर रहा है कि महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण के मामले में देश की सामाजिक अंतर्रात्मा को ऊपर उठाया जाए।

2.5.2 प्रसारण के क्षेत्र में नवीनतम विषयों और रुख के बारे में कार्यक्रमों को संवेदनशील बनाने के लिए कर्मचारी प्रशिक्षण द्वारा और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से भी लगातार कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। हाल ही में 'महिलाओं के लिए रेडियो' और 'नवयुवतियों की भागीदारी' विषय पर भी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

### एड्स जागरूकता पर कार्यक्रम

2.6 इस तथ्य पर जोर देते हुए कि समुचित सूचना और ज्ञान के बल पर घातक बीमारी एड्स से बचा जा सकता है, आकाशवाणी ने काव्य नाटिका, ओपेरा/फोन इन कार्यक्रम/एड्स से प्रभावित व्यक्तियों के अनुभव के बारे में साक्षात्कार/विचार गोष्ठी/नुक्कड़ नाटक और विशेष आमंत्रित श्रोता कार्यक्रम जैसे विशेष कार्यक्रम शुरू किए। कुछ केंद्रों से श्रोताओं के लिए 'एड्स पर रेडियो पाठ' कार्यक्रम शुरू किया गया। जागरूकता पैदा करने के लिए अनेक सीरियल बनाए गए। 15 सितंबर, 1996 से राष्ट्रीय चैनल पर एड्स जागरूकता पैदा करने के लिए साप्ताहिक सीरियल शुरू हुआ जो दो वर्षों तक चलेगा।

### पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान

2.7.1 आकाशवाणी ने इस अभियान को व्यापक संचार समर्थन प्रदान किया। इसके तहत (1) रेडियो स्पॉट, उद्घोषणाओं और महिलाओं तथा ग्रामीण श्रोताओं के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में सूचना सामग्री का लगातार प्रसारण किया गया, (2) चिकित्सा अधिकारियों, चिकित्सकों और विचारकों के साक्षात्कार और संदेश का प्रसारण तथा टीकाकरण कार्यक्रम के समर्थन में वार्ता/विचार-विमर्श/मत-सम्मत कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया, (3) स्थानीय अधिकारियों के परामर्श से इसका व्यापक प्रचार किया गया।

2.7.2 भीतरी और दूरदराज क्षेत्रों के सिलसिले में विशेष सावधानी बरती गई। दूरदराज के इलाकों में स्थित केंद्रों और भीतरी इलाकों के रेडियो केंद्रों ने स्थानीय नेताओं, विचारकों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य तथा उच्च अधिकारियों से समर्थन और प्रेरणा प्राप्त करने के लिए अपने ओ.बी.दल को पहले ही भेज दिया था।

### कृषि और गृह कार्यक्रम

2.8.1 आकाशवाणी के सभी केंद्रों के ग्रामीण श्रोताओं के लिए कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। ये कार्यक्रम रोजाना सुबह,

## आकाशवाणी

### 1997-98 में पूरी होने वाली एफ.एम. प्रसारण तथा अन्य परियोजनाएं

**एफ.एम. योजनाएं**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | भदरवाह | 2 × 3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर |
| 2. | हिसार | स्थानीय रेडियो केंद्र |
| 3. | जोधपुर (वि.बी.) | 2 × 3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर |
| 4. | लखनऊ | 2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (स्टीरियो) |
| 5. | धुबरी | 2 × 3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (रिले) |
| 6. | जमशेदपुर (सी.बी.एस.) | 2 × 3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर |
| 7. | सिलिगुड़ी (सी.बी.एस.) | 2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर |
| 8. | कोयम्बदूर (सी.बी.एस.) | 2 × 5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर |

**अन्य परियोजनाएं**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | दिल्ली (फेज 2) | स्टूडियो को सुव्यवस्थित करना |
| 2. | भुवनेश्वर | एस.टी.आई. (टी.) |
| 3. | मुंबई | स्टूडियो को सुव्यवस्थित करना (फेज-2) |
| 4. | मुंबई | वी. बी. की समेकित सेवाएं (फेज-1) |

दोपहर और शाम को प्रसारित किए जाते हैं। कृषि और घर कार्यक्रम का प्रसारण प्रतिदिन 60-100 मिनट तक होता है। प्रात:कालीन सेवा कार्यक्रम को किसानों के बुलेटिन के तौर पर जाना जाता है। इसमें खेती में दिन-प्रतिदिन के प्रयोगों, मौसम रिपोर्ट और बाजार भाव की जानकारी होती है। शाम और दोपहर के कार्यक्रमों में बैंकों और ग्रामीण उद्योगों सहित सभी कृषि और ग्रामीण विकास संगठनों के बारे में जानकारी होती है।

2.8.2 कृषि और गृह कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं और ग्रामीण बच्चों के लिए कार्यक्रम भी शामिल हैं। आकाशवाणी के कई केंद्रों ने यूनीसेफ और राज्य सरकारों के सहयोग से मां और बच्चे की देखभाल श्रृंखला का प्रसारण शुरू किया है। इन कार्यक्रमों में मुख्यत: बच्चों के अधिकार, लिंग भेद और बच्चों से दुर्व्यवहार जैसे मुद्दों पर जोर दिया गया है।

2.8.3 पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम पर और जोर दिया गया है। प्रत्येक केंद्र से प्रतिदिन पर्यावरण के बारे में कम-से-कम एक कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है।

2.8.4 कृषि और गृह कार्यक्रम का 40 प्रतिशत क्षेत्रोन्मुख होता है और इनकी रिकार्डिंग खेतों तथा गांवों में की जाती है। इन कार्यक्रमों में किसानों और विशेषज्ञों को स्थानीय कृषि समस्याओं से अवगत कराया जाता है।

2.8.5 सप्ताह में एक बार आकाशवाणी के सभी केंद्रों से किसानों से प्राप्त पत्रों के जवाब कोई विशेषज्ञ देता हैं या किसी विशेषज्ञ से परामर्श कर रेडियो के कर्मचारी देते हैं।

2.8.6 आकाशवाणी के कई केंद्रों ने खेती के बारे में दूरस्थ शिक्षा के लिए कृषि स्कूल योजना शुरू की है। इनमें राज्य कृषि विभाग और कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से विभिन्न महत्वपूर्ण कृषि तकनीकों पर पाठ प्रसारित किए जाते हैं।

2.8.7 ग्रामीण विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे विभिन्न आर्थिक उपायों के बारे में जैसे समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम, जवाहर रोजगार योजना, इंदिरा आवास योजना और महिला समृद्धि योजना आदि कार्यक्रमों पर जोर रहता है।

2.8.8 ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के बारे में आम लोगों को जागरूक बनाने के लिए विभिन्न राज्यों में सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा ग्रामीण विकास पर विभिन्न संचार माध्यमों का संयुक्त प्रचार अभियान शुरू किया गया। आकाशवाणी ने इस अभियान को व्यापक कवरेज दी।

केंद्रीय शिक्षा योजना एकांश

2.9.1 'चीयर' (रेडियो के जरिए बाल समृद्धि पर प्रयोग) कार्यक्रम सामाजिक रूप से पिछड़े तबके के 3 से 6 वर्ष की

आयु के स्कूल-पूर्व बच्चों के लिए है। यह आकाशवाणी, महिला और बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद का संयुक्त कार्यक्रम है। इस शृंखला ने अपने श्रोताओं और नीति-निर्माताओं को प्रभावित किया है। यही प्रयोग अन्य भाषाओं में भी किए जाने की मांग लगातार की जा रही है।

2.9.2 'दहलीज' के हिंदी रूपांतरण के सफल प्रसारण के बाद 2 अक्तूबर, 1995 से आकाशवाणी के अहमदाबाद, कलकत्ता, चेन्नई, कटक, हैदराबाद और मुंबई केंद्रों से इसी नाटक को क्षेत्रीय भाषा में प्रसारित किया गया। करीब 55,000 श्रोताओं ने इन क्षेत्रीय केंद्रों पर अपने नाम दर्ज कराए। आकाशवाणी का बंगलौर केंद्र जल्दी ही इसका कन्नड़ रूपांतरण प्रस्तुत करेगा।

2.9.3 राष्ट्रीय विज्ञान पत्रिका 'रेडियोस्कोप' का प्रसारण प्रत्येक महीने के दूसरे शुक्रवार को किया जा रहा है। विज्ञान और तकनीकी संचार परिषद (विज्ञान और तकनीकी विभाग) इस कार्यक्रम को समन्वित कर रहा है। परिषद कार्यक्रम के लिए नवीनतम वैज्ञानिक उपलब्धियां—विज्ञान समाचार/विकास आदि की खबरें भी उपलब्ध कराता है और श्रोताओं के बीच लोकप्रिय क्विज के तीन विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान करता है। जाने-माने वैज्ञानिकों और देश के विभिन्न भागों के श्रोताओं ने इस कार्यक्रम की काफी सराहना की है।

2.9.4 'तिनका-तिनका सुख' पारिवारिक जीवन पर शिक्षा देने वाला सीरियल है। इसमें आत्मनिर्भरता, पति-पत्नी के बीच संवाद, लिंग भेद और पारिवारिक सद्भाव पर बल दिया गया है। इसका प्रसारण सप्ताह में दो बार होता है। इस सीरियल का निर्माण न्यूयार्क (अमरीका) की संस्था पापुलेशन कम्युनिकेशन्स इंटरनेशनल की भागीदारी से किया जा रहा है। करीब 5,000 श्रोताओं ने केंद्रीय शिक्षा योजना एकांश में अपने नाम दर्ज कराए हैं और अनेक श्रोताओं ने अपने-अपने प्रसारण केंद्रों पर भी नाम दर्ज कराए हैं। 'तिनका-तिनका सुख' प्राथमिक चैनल पर तैयार पहला विकासात्मक सीरियल है। आकाशवाणी के इस प्रयोग ने विभिन्न सरकारी, गैर-सरकारी और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों को संवाद प्रसारण के क्षेत्र में आकाशवाणी के सहयोग से कार्यक्रम बनाने के लिए आकर्षित किया है।

## कर्मचारी प्रशिक्षण

2.10.1 आकाशवाणी का कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (तकनीकी) आकाशवाणी और दूरदर्शन के तकनीकी कर्मचारियों की प्रशिक्षण संबंधी जरूरतें पूरी करता है। वर्ष के दौरान संस्थान ने 101 पाठ्यक्रम आयोजित किए जिनके तहत आकाशवाणी और दूरदर्शन के 1,484 तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान ने 'आधुनिक प्रसारण तकनीक' और 'दूरसंचार के क्षेत्र में विकास' पर कार्यशालाएं आयोजित कीं। नया प्रशिक्षण संस्थान भुवनेश्वर में लगभग तैयार है।

2.10.2 आकाशवाणी का कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान (कार्यक्रम) प्रशासनिक कर्मचारियों सहित कार्यक्रम स्टाफ के विभिन्न संवर्गों के कर्मचारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण देता है। इसके अलावा, क्षेत्रीय आकाशवाणी केंद्रों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए कटक, हैदराबाद, शिलांग, अहमदाबाद, तिरुअनंतपुरम और लखनऊ में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र हैं। वर्ष 1995-96 के दौरान संस्थान ने 24 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए जिसके तहत कार्यक्रम और प्रसारण के 331 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। अप्रैल 1996 से नवंबर 1996 की अवधि में संस्थान ने 12 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनके तहत कार्यक्रम और प्रसारण के 222 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। इनमें जर्मनी के रेडियो प्रशिक्षण केंद्र के सहयोग से आयोजित एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शामिल है। संस्थान ने दिसंबर 1996 से मार्च 1997 की अवधि के लिए 10 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई है जिसके अंतर्गत पाठ्यक्रम लंदन स्थित कॉमनवेल्थ ब्रॉडकास्ट एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे। हैदराबाद, शिलांग, अहमदाबाद, तिरुनंतपुरम, लखनऊ और कटक के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों ने अप्रैल से नवंबर 1996 की अवधि में 32 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनके तहत कार्यक्रम और प्रसारण के करीब 500 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। दिसंबर 1996 से मार्च 1997 तक की अवधि में क्षेत्रीय केंद्रों की 21 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

## राष्ट्रीय चैनल

2.11 राष्ट्रीय चैनल की कल्पना आकाशवाणी के अन्य चैनलों से एक अलग चैनल के रूप में की गई थी ताकि पारखी श्रोताओं को स्थानीय/क्षेत्रीय और विविध भारती आदि में से चयन की सुविधा मिल सके। इस समय यह रात्रि सेवा के रूप में काम कर रहा है और देश की करीब 70 प्रतिशत आबादी इसके कार्यक्रम सुन सकती है जिसमें सूचना और मनोरंजन का संतुलित मिश्रण है। इसके कार्यक्रमों में अच्छी प्रतिभाएं आकर्षित

हो रही हैं। इस चैनल पर श्रोताओं के लिए प्रश्नकाल की रिकार्डिंग का प्रसारण भी किया जाता है। 'घटना' और 'हेल्थटिप्स' नामक दो नए कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

### ध्वनि प्रतिलिपि तथा कार्यक्रम विनिमय सेवा

2.12 1996 में अभिलेखागार में 331 टेप शामिल किए गए जिनमें संगीत और भाषणों की रिकार्डिंग शामिल है। ध्वनि अभिलेखागार समाज के विभिन्न वर्गों के प्रख्यात लोगों की रेडियो आत्मकथाओं की रिकार्डिंग प्राप्त कर रहा है। ध्वनि अभिलेखागारों में हमारे राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के भाषणों की रिकार्डिंग सुरक्षित रखी जाती है, जिनके अंशों की आपूर्ति यह विभिन्न विभागों और संगठनों को करता है।

### कार्यक्रम विनिमय एकांश

2.13 कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में इस समय 7,232 टेप हैं। लाइब्रेरी का मुख्य कार्य आकाशवाणी के लिए कार्यक्रम प्राप्त करना और इसकी गुणवत्ता की जांच करना तथा इसे आकाशवाणी के अन्य केंद्रों के बीच वितरित करना है। इस वर्ष आकाशवाणी के विभिन्न केंद्रों से विभिन्न प्रारूप में 325 लेख प्राप्त हुए जिनकी जांच की गई। चुनिंदा लेखों को कार्यक्रम विनिमय सेवा के द्विमासिक बुलेटिन 'विनिमय' में प्रकाशित किया गया। विभिन्न केंद्रों के आग्रह पर लगभग 1,000 कार्यक्रमों वाले 300 टेप प्रसारण के लिए दिए गए। उपग्रह ट्रांसमिशन के जरिए आकाशवाणी के केंद्रों को लगभग 305 घंटे की रिकार्डिंग भेजी गई। कार्यक्रम विनिमय लाइब्रेरी में जमा टेपों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नियमित जांच की जाती है। इस वर्ष इनमें से 200 टेप बाहर कर दिए गए। लाइब्रेरी ने अंग्रेजी, उड़िया, बंगला, तमिल, तेलुगु, गुजराती, मराठी, मलयालम, कन्नड़ और संस्कृत में भाषा पाठ हासिल किए हैं। इनके अलावा जीवन-वृत्रांत और बाल कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कारों के पुरस्कृत कार्यक्रम भी मूल आलेख के साथ लाइब्रेरी में सुरक्षित हैं। यहां एक पुस्तकालय भी है।

### ध्वनि-प्रतिलिपि एकांश

2.14 ध्वनि प्रतिलिपि एकांश राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के भाषणों की ध्वनि प्रतिलिपि की जरूरतों को पूरा करता है। देश के विभिन्न भागों और दुनिया भर में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए भाषणों के टेप नियमित रूप से आते हैं। इन रिकार्डिंगों और इनकी अनेक प्रतिलिपियों को अभिलेखागार में सुरक्षित रखा जाता है। अप्रैल 1996 से नवंबर 1996 तक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 231 भाषण और 225 ध्वनि प्रतिलिपि एकांश को प्राप्त हुए।

### केंद्रीय टेप बैंक

2.15 आकाशवाणी के 185 केंद्रों के बीच इस टेप बैंक के 75,000 टेप हैं ताकि केंद्र आपस में कार्यक्रमों का विनिमय कर सकें। नए और उभरते हुए केंद्रों को भी यह बैंक इस तरह के टेप उपलब्ध कराता है।

### विदेश कार्यक्रम लाइब्रेरी

2.16 ध्वनि प्रतिलिपि और कार्यक्रम विनिमय सेवा' का विदेश कार्यक्रम एकांश आकाशवाणी केंद्रों के लिए दुनिया के बेहतरीन कार्यक्रम सामग्री हासिल करता है। आकाशवाणी के विवेकी श्रोताओं को अंतर्राष्ट्रीय झलक मिलती है। वर्ष 1996 में एकांश में जर्मनी से 125, संयुक्त राष्ट्र से 302, आस्ट्रेलिया से 217, ए.बी.यू. देशों से 23, सार्क दृश्य श्रव्य विनिमय के तहत 12 तथा फ्रांस से 36 कार्यक्रम प्राप्त किए जिन्हें मिलाकर कुल 715 कार्यक्रम हो गए। इन कार्यक्रमों को जांच के बाद आडियो मैग्नेटिक स्पूल टेप पर, इन्सैट-1 डी के आर.एन. चैनल-1 तथा इन्सैट-2 ए.के.आर.एन. चैनल-1 के जरिए केंद्रों को वितरित किया गया।

### उपग्रह ट्रांसमिशन

2.17 ट्रांसमिशन और कार्यक्रम विनिमय सेवा इन्सैट-1 डी के आर.एन. चैनल-1 और इन्सैट-2 ए के आर.एन. चैनल-1 पर उपग्रह ट्रांसमिशन है जिसके जरिए 1996 में 480 कार्यक्रम भेजे गए।

### अभिलेखागार की सामग्री जारी करना

2.18 वर्ष के दौरान ध्वनि अभिलेखागार से सरोद वादक स्वर्गीय उस्ताद अलाउद्दीन खां की रिकार्डिंग जारी की गई। इस सिलसिले में कुल 4 घंटे और 5 मिनट की रिकार्डिंग जारी की गई। अप्रैल, 1996 से दिसंबर, 1996 की अवधि में कुल 2,62,767 रुपये की रॉयल्टी प्राप्त हुई।

### संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम परियोजना

2.19.1 नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन के ध्वनि अभिलेखागार में कार्यक्रमों के आडियो सिग्नल रिफर्बिशिंग और ऑप्टिकल स्टोरेज के लिए आधुनिकतम तकनीकी सुविधाएं

उपलब्ध हैं ताकि अभिलेखीय सामग्री की गुणवत्ता में सुधार आए और लंबे समय तक उसे सुरक्षित रखा जा सके। मई 1992 से मई 1995 तक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) की सहायता से चलाई गई परियोजना के अंतर्गत निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं :

ऑडियो सिगनल रिफर्बिशिंग लैब — 2

ऑप्टिकल डिस्क ट्रांसफर/रिकार्डिंग लैब — 1

2.19.2 आई.टी.यू. फेलोशिप के अंतर्गत विदेशों में प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से अब आकाशवाणी के लिए पुरानी और खराब रिकार्डिंग को साफ करना और उन्हें ऑप्टिकल डिस्क मीडियम (कम्पेक्ट डिस्क रिकार्डेबल्स) पर ट्रांसफर कर सकना संभव हो गया है। काम्पैक्ट डिस्क रिकार्डेबल्स को स्टैंडर्ड सी.डी. प्लेयर पर चलाया जा सकता है। अब तक 102 घंटे की पुरानी गुणवत्ता वाली सामग्री को रिफर्बिश किया गया और 102 काम्पैक्ट डिस्क बनाए गए।

### समाचार सेवा प्रभाग

2.20.1 लोकसभा और तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, असम, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा केंद्र शासित प्रदेश पांडिचेरी की विधानसभाओं के चुनाव, भारतीय जनता पार्टी की सरकार के इस्तीफे के बाद केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकार के सत्ता में आने, समाचार सेवा प्रभाग के 'स्टाइल बुक' के संशोधित द्वितीय संस्करण के संकलन और उसके जारी होने, इलेक्ट्रॉनिक न्यूज डिस्प्ले बोर्ड के उद्घाटन, हिंदी अनुश्रवण एकांश की स्थापना और वर्ष 1995-96 में सरकारी भाषा नीति को सराहनीय रूप से लागू करने के लिए प्रथम पुरस्कार पाने आदि जैसी घटनाएं समाचार सेवा प्रभाग की रिपोर्ट अवधि के दौरान की उपलब्धियां हैं। आम चुनाव और कुछ राज्य विधानसभाओं के चुनाव खासतौर से जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की कवरेज मुख्य चुनौती थी क्योंकि निजी मीडिया से रेडियो का बड़ा कड़ा मुकाबला था। समाचार सेवा प्रभाग ने चौबीसों घंटे देशभर से ताजा चुनाव परिणाम और मतगणना रुझान देने के विशेष प्रबंध किए। परिणामों की तुरंत घोषणा की व्यवस्था के लिए विशेष चुनाव सेल बनाया गया। समाचार सेवा प्रभाग ने अपने समाचार बुलेटिनों और अन्य कार्यक्रमों में जीवंत वायस कास्ट शामिल करने के लिए अपने दो उच्च तकनीक वाले स्टूडियो में उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं का भरपूर उपयोग

आकाशवाणी द्वारा संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की सहायता से लगाया गया नया ऑडियो रिस्टोरेशन सिस्टम

किया।

2.20.2 जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में विधानसभा चुनावों के सफलतापूर्वक पूरा होने और राज्य में निर्वाचित सरकार के गठन को समाचार बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों में व्यापक रूप से कवर किया गया। दिल्ली से प्रसारित होने वाले डोगरी और कश्मीरी बुलेटिनों की अवधि बढ़ाई गई ताकि चुनाव से संबंधित समाचार अधिक से अधिक शामिल किए जा सकें। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की जम्मू-कश्मीर की यात्रा, शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्र/राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रबंध और निर्भय होकर वोट डालने के वास्ते राज्य के लोगों में विश्वास पैदा करने के लिए किए गए उपायों को व्यापक रूप से प्रचारित किया गया। घाटी से विस्थापित 98,000 लोगों के लिए अपने निवास के निकट ही वोट डालने की सरकारी व्यवस्था को प्रचारित किया गया।

2.20.3 इसी प्रकार, उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव परिणामों की घोषणा के समय समाचार सेवा प्रभाग द्वारा हिंदी में अनेक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए। इनमें विभिन्न केंद्रों से जीवंत वायस कास्ट और राज्य के विभिन्न केंद्रों के स्टूडियो में बैठे विशेषज्ञों से संचालक की सीधी बातचीत प्रसारित की गई।

2.20.4 संपादकों/संवाददाताओं और आकाशवाणी के अन्य व्यावसायिक कर्मचारियों के लिए स्टाइल बुक के दूसरे संशोधित संस्करण का संकलन किया गया। सूचना और प्रसारण मंत्री ने इसका विधिवत लोकार्पण किया। समाचारों को तुरंत प्रदर्शित करने के लिए प्रसारण भवन में एक इलेक्ट्रोनिक न्यूज डिस्प्ले बोर्ड की स्थापना की गई।

2.20.5 हिंदी समाचार पूल के कामकाज में सुधार और उसे मजबूत बनाने के लिए एक छोटे हिंदी अनुश्रवण एकांश का गठन किया गया। 19 सितंबर, 1996 को इसका विधिवत उद्घाटन हुआ। वर्ष 1995-96 के दौरान सरकारी भाषा नीति के सराहनीय क्रियान्वयन के लिए प्रभाग को पुरस्कृत किया गया।

2.20.6 वर्ष 1996-97 के केंद्रीय बजट पर दो घंटे के रेडियो ब्रिज कार्यक्रम का सीधा प्रसारण समाचार प्रसारण के इतिहास में एक महत्वपूर्ण कदम था। इस कार्यक्रम में दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई, बंगलौर, हैदराबाद, अहमदाबाद और लखनऊ के स्टूडियो में बैठे विशेषज्ञों ने एक साथ भाग लिया।

2.20.7 दिल्ली के निकट चरखी दादरी में आसमान में दो विमानों के टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने के समाचार को आकाशवाणी ने तत्परता से प्रसारित किया। संवाददाताओं का एक दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा और रिपोर्ट भेजी जिसे समाचार बुलेटिनों में शामिल किया गया। हरियाणा सरकार और कुछ अन्य स्वयंसेवी संगठनों द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों को व्यापक कवरेज दी गई। इसी तरह अमरनाथ यात्रा दुर्घटना को भी पर्याप्त कवरेज दी गई जिसमें सैकड़ों तीर्थयात्री मारे गए थे। विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए तीर्थयात्रियों को विमान से लाने और उन्हें राहत पहुंचाने के जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रबंधों को भी व्यापक रूप से बुलेटिनों में शामिल किया गया।

2.20.8 राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री के रूप में पहले श्री अटल बिहारी बाजपेयी और बाद में श्री एच.डी. देवगौड़ा द्वारा शपथ ग्रहण, संयुक्त मोर्चा सरकार द्वारा विश्वास मत प्राप्त करने और न्यूनतम साझा कार्यक्रम जारी करने, पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर के लिए आर्थिक पैकेज की घोषणा, चरखी दादरी में आसमान में दो विदेशी विमानों के टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने, उच्चतम न्यायालय के निर्णय और कुछ राजनीतिज्ञों तथा अन्य लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने, देश के कई भागों में बाढ़ और तूफान तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यकों और गांव के गरीब लोगों का स्तर ऊंचा उठाने के लिए अनेक योजनाएं शुरू किए जाने की खबरें समाचार बुलेटिनों में छाई रहीं।

2.20.9 अंतर्राष्ट्रीय मामलों में पाकिस्तान में सुश्री बेनजीर भुट्टो की सरकार की बर्खास्तगी, शेख हसीना वाजिद द्वारा बंगलादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने, अफगानिस्तान की घटनाएं, जेनेवा में व्यापक परमाणु प्रतिबंध संधि सम्मेलन, हरारे में जी-55 शिखर सम्मेलन, रोम में विश्व खाद्य सम्मेलन, पाकिस्तान में अलगाववादी हिंसा, मुर्तजा भुट्टो की हत्या और एल.टी.टी.ई. के खिलाफ श्रीलंका की सेना के अभियान की खबरें बुलेटिनों में छाई रहीं।

2.20.10 अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों और गांव के गरीब लोगों के कल्याण के लिए घोषित योजनाओं पर आकाशवाणी के समाचार बुलेटिनों और समाचार आधारित कार्यक्रमों पर विशेष जोर दिया गया। विभिन्न समाज कल्याण योजनाओं के लाभ और उन्हें प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी लोगों को देने के लिए समाचार सेवा प्रभाग ने अपने क्षेत्रीय समाचार एकांशों के नेटवर्क के जरिए अनेक कार्यक्रम प्रसारित किए।

2.20.11 तूफान और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राज्य सरकारों

द्वारा शुरू किए गए राहत कार्यों तथा उड़ीसा के सूखे से प्रभावित क्षेत्रों और आंध्र प्रदेश के तूफान से प्रभावित क्षेत्रों के प्रधानमंत्री के दौरे के समाचार को व्यापक कवरेज दिया गया।

2.20.12 राष्ट्रपति की ओमान, पोलैंड, चेक और स्लोवाक गणराज्य तथा इटली की यात्रा, उपराष्ट्रपति की कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मंगोलिया तथा ईरान की यात्रा, प्रधानमंत्री की हरारे और रोम तथा विदेशमंत्री की मलेशिया, सिंगापुर, बंगलादेश और न्यूयार्क की यात्रा को व्यापक कवरेज दी गई। इसी तरह विदेशों के प्रमुख लोगों की भारत यात्रा को भी पर्याप्त रूप से कवर किया गया। इनमें फिनलैंड के राष्ट्रपति, चीन के राष्ट्रपति, मारिशस के प्रधानमंत्री, विश्व बैंक प्रमुख और बंगलादेश, नेपाल, ईरान, आस्ट्रेलिया के विदेशमंत्रियों तथा रूस और जर्मनी के रक्षामंत्रियों की भारत यात्रा शामिल है।

2.20.13 जिन अन्य समाचारों को प्रमुखता दी गई उनमें पंजाब के नए मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती राजिंदर कौर भट्ठल द्वारा शपथ लेने, प्रसार भारती के बारे में सेनगुप्ता समिति की रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय परिषद की बैठक, मुख्यमंत्रियों का सम्मेलन, बंगलौर में विश्व सुंदरी प्रतियोगिता, उत्तर प्रदेश के हरिद्वार में और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भगदड़ तथा विदेशी निवेशकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आदि शामिल हैं। वयोवृद्ध स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली, पूर्व राष्ट्रपति डॉ० नीलम संजीव रेड्डी, असम के मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री ई. गोपाल कृष्णन की तमिलनाडु, पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती जानकी रामचंद्रन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के भूतपूर्व संघचालक बाला साहब देवरस और पत्रकार श्री अप्पन मेनन के देहांत की खबरें उपयुक्त तरीके से ली गईं।

2.20.14 प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल घटनाओं को समाचार बुलेटिनों में प्रमुखता दी गई। इनमें फ्रेंच ओपन टेनिस प्रतियोगिता, विम्बलडन टेनिस, चार राष्ट्रों के बीच हॉकी प्रतियोगिता, भारत-इंग्लैंड क्रिकेट शृंखला, टाइटन कप त्रिकोणीय क्रिकेट प्रतियोगिता, चैलेंजर कप क्रिकेट प्रतियोगिता, सिंगर कप क्रिकेट शृंखला, सहारा कप क्रिकेट, अटलांटा में शताब्दी ओलंपिक खेल, यूरोपीय फुटबाल प्रतियोगिता, फेडरेशन कप फुटबाल, अंतर्राष्ट्रीय नेल्को बिलियर्ड्स प्रतियोगिता, सुइस मास्टर्स रैपिड शतरंज प्रतियोगिता, अमरीकी ओपन टेनिस प्रतियोगिता, विश्व शतरंज ओलंपियाड, डुरंड कप फुटबाल प्रतियोगिता और सीनियर नेहरू हॉकी प्रतियोगिता शामिल हैं।

2.20.15 संसद के दोनों सदनों की महत्वपूर्ण बहसों और दिन-प्रतिदिन की कार्यवाहियों को समाचार बुलेटिनों में प्रमुखता से लिया गया। कार्यवाहियों का राउंडअप और सदस्यों के योगदान की चर्चा सत्र के दौरान, 'टुडे इन पार्लियामेंट' तथा सप्ताह भर की संसद समीक्षा (साप्ताहिक) की जाती है। राज्य विधानमंडलों की कार्यवाहियों की समीक्षाएं क्षेत्रीय समाचार एकांश से प्रसारित की गईं।

2.20.16 आकाशवाणी इस समय प्रतिदिन 306 समाचार बुलेटिन प्रसारित कर रही है। इनकी कुल अवधि 39 घंटे 26 मिनट की है। इनमें 12 घंटे 20 मिनट अवधि के 103 बुलेटिन राष्ट्रीय सेवा के प्रसारित होते हैं और 41 क्षेत्रीय समाचार इकाइयों से 18 घंटे 11 मिनट अवधि के 138 समाचार बुलेटिन प्रसारित होते हैं। विदेश सेवा प्रसारण से प्रतिदिन 8 घंटे 55 मिनट अवधि के 65 समाचार बुलेटिन प्रसारित होते हैं। आकाशवाणी शिमला द्वारा प्रसारित सुबह के हिंदी बुलेटिन को राज्य के लोगों की मांग को देखते हुए दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर प्रसारित किया जाने लगा।

2.20.17 आकाशवाणी में इस समय संवाददाताओं के भारत में 92 और विदेशों में सात पद हैं। वर्ष के दौरान हरारे स्थित आकाशवाणी के विशेष संवाददाता को प्रीटोरिया स्थानांतरित कर दिया गया। इसके अलावा समाचार सेवा प्रभाग और इसकी क्षेत्रीय समाचार इकाई के लिए 246 अंशकालिक संवाददाता काम करते हैं।

### केंद्रीय संगीत एकांश

2.21.1 आकाशवाणी के कुल प्रसारण का 39.2 प्रतिशत हिंदी, दक्षिण भारतीय भाषाओं और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में संगीत का प्रसारण होता है। इस वर्ष आकाशवाणी संगीत सम्मेलन में बुद्धदेव दासगुप्त—सरोद, किशन महाराज—तबला, परवीन सुलताना—गायन, सविता देवी—हल्का शास्त्रीय, जया विश्वास—सितार, सी.आर. व्यास—गायन, बुधिया मुखर्जी—सितार, रहीम फहीमुद्दीन डागर—ध्रुपद धमार, एन. राजन—वायलिन, राजन साजन मिश्रा-हिंदुस्तानी संगीत, जी.एस. कृष्णन-बांसुरी, एम.के. नागराजन—कर्नाटक गायन, सुशीला रमण—गायन, टी.आर. श्रीनाथ—बांसुरी, राजकुमार भारती—कर्नाटक गायन, के. एल. एन. शास्त्री कामत—वायलिन आदि विभूतियों ने भाग लिया।

2.21.2 आकाशवाणी एशियाई प्रसारण संघ समारोह के लिए भी कार्यक्रम देता है। समारोह के कार्यक्रम सदस्य देशों को

प्रसारण के लिए दिए जाते हैं।

2.21.3 आकाशवाणी विभिन्न ग्रामोफोन कंपनियों के जरिये अभिलेखागार की सामग्रियां भी जारी करता है। 1966 में इसने जगदीश प्रसाद पंडित, वी.जी. जोग, पंडित निखिल बनर्जी, गिरिजा देवी, बिस्मिल्ला खां और पार्टी की रिकार्डिंग की।

2.21.4 समाज के सभी वर्गों के लोगों में राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत करने के लिए सामुदायिक गायन कोष्ठ आकाशवाणी केंद्रों के द्वारा देशभर में विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में नियमित रूप से सामुदायिक गायन का आयोजन, समायोजन और प्रसारण करता है।

## श्रोता अनुसंधान एकांश

2.22 श्रोता अनुसंधान एकांश ने 22 बड़े और 50 छोटे अध्ययन कार्य संपन्न किए। इनमें से प्रमुख अध्ययन हैं : (1) पांच स्थानों—नागपुर, बंगलौर, इंदौर, कटक और अगरतला में राष्ट्रीय चैनल के बारे में सर्वेक्षण—(2) आठ स्थानों—जमशेदपुर, नागपुर, धारवाड़, मथुरा, आइजोल, पांडिचेरी, तिरुनेलवेल्ली और हैदराबाद में सामान्य श्रोता सर्वेक्षण, (3) कोडइकनाल (तमिलनाडु), माउंट आबू (राजस्थान), पौड़ी (उत्तर प्रदेश) और जीरो (अरुणाचल प्रदेश) में जल्द ही शुरू होने वाले आकाशवाणी के नए केन्द्रों के लिए अध्ययन, (4) पांच स्थानों—दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई और पणजी में एफ.एम. चैनल के बारे में बाजार सर्वेक्षण, (5) आकाशवाणी, 1996—तथ्य और आंकड़े सारसंग्रह।

## इंजीनियरिंग प्रभाग

2.23 आकाशवाणी के इंजीनियरिंग अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ, एशिया प्रशांत प्रसारण संघ, राष्ट्रसंघ प्रसारण संघ आदि को अंतर्राष्ट्रीय बैठकों में ध्वनि प्रसारण के विभिन्न पक्षों पर अनेक तकनीकी प्रलेखों का योगदान किया है। इसके अलावा आकाशवाणी के इंजीनियरिंग अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय विचार गोष्ठियों में भी पर्चे पेश किए। इन प्रलेखों से इस क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विकास में मदद मिली। उच्च फ्रीक्वेंसी प्रसारण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान किया गया। आकाशवाणी के अधिकारी की अध्यक्षता में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उच्च फ्रीक्वेंसी प्रसारण समन्वय का एक काफी सफल प्रयोग किया गया है। आशा है कि इससे क्षेत्रीय उच्च फ्रीक्वेंसी प्रसारण समन्वय समिति का गठन हो सकेगा। आकाशवाणी के इंजीनियरिंग अधिकारी अनेक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन दलों/समितियों के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष हैं।

## नाटक

2.24 आकाशवाणी के करीब 80 केंद्र विभिन्न भाषाओं में नाटक प्रसारित करते हैं। नाटक का राष्ट्रीय कार्यक्रम हिंदी में हर महीने चौथे बृहस्पतिवार को प्रसारित किया जाता है। साथ ही क्षेत्रीय भाषाओं में इसका प्रसारण भी संबंधित केंद्र करते हैं। दिल्ली में केंद्रीय नाटक एकांश में 30 मिनट की अवधि के विशेष आदर्श नाटक का निर्माण किया गया। हास्य कार्यक्रम आकाशवाणी के सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम हैं। 13 सितंबर, 1996 को दर्शकों से खचाखच भरे हाल में प्रहसन और हास्य रंग से भरपूर आनंददायक कार्यक्रम 'हास्य तरंग' पेश किया गया। नई प्रतिभाओं की खोज और प्रतिभावान नाटककारों को रेडियो के लिए लिखने पर प्रेरित करने के वास्ते भारत की 19 प्रमुख भाषाओं में रेडियो नाट्यलेखकों की अखिल भारतीय प्रतियोगिता आयोजित की गई।

## विज्ञापन

2.25.1 आकाशवाणी ने 1 नवंबर, 1967 को विज्ञापन सेवा शुरू की। इसे बढ़ाकर अब 99 प्राथमिक चैनल केंद्रों, 30 विविध भारती केंद्रों, 72 स्थानीय रेडियो केंद्रों और 5 एफ.एम. मेट्रो चैनलों पर कर दिया गया है। राष्ट्रीय चैनल, नई दिल्ली और पूर्वोत्तर सेवा, शिलांग पर भी विज्ञापन की अनुमति दे दी गई है।

2.25.2 वर्तमान में आमदनी का मुख्य भाग विज्ञापनों से आता है। कुछ हिस्सा एफ.एम. लाइसेंस शुल्क और आर.डी.एस. पेजिंग से भी प्राप्त होता है। स्पर्धा के लिए निजी निर्माताओं को भी सभी चार एफ.एम. मेट्रो और पणजी से अपने कार्यक्रम के प्रसारण की अनुमति दे दी गई है। दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई और मुंबई से प्रसारण के लिए इस समय एक घंटे की अवधि वाले नौ प्रसारण और पणजी, गोवा से एक घंटे वाले चार प्रसारण निजी निर्माताओं को दिए गए हैं। चारों मेट्रो में एक घंटे के आठ और प्रसारण देने का प्रस्ताव भी है।

2.25.3 लोकप्रिय विविध भारती सेवा 35 केंद्रों से दिनभर में 14 घंटे से अधिक समय तक मनोरंजन उपलब्ध कराती है। इनमें मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और गुवाहाटी में शार्ट वेव ट्रांसमीटर भी शामिल है। वर्ष 1995-96 में रेडियो द्वारा कुल राजस्व प्राप्ति 80.97 करोड़ रुपये की हुई जबकि लक्ष्य 80 करोड़ रुपये का था। आकाशवाणी द्वारा 1975-76 से 1995-96 तक विज्ञापनों से अर्जित राजस्व का विवरण सारणी में दिया गया है।

भारत
आकाशवाणी केन्द्र
आठवीं योजना (1·1·87)
जम्मू व कश्मीर
राजस्थान
उत्तर प्रदेश
बिहार
गुजरात
महाराष्ट्र
भा र त
आन्ध्र प्रदेश
कर्नाटक
बंगाल की खाड़ी
अरब सागर
हिन्द महा सागर
चीन
भूटान
बर्मा
आकाशवाणी

1996-97 अक्तूबर तक 48 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति हुई। 1996-97 के लिए लक्ष्य 95 करोड़ रुपये रखा गया है। जिसमें एफ.एम. लाइसेंस शुल्क और आर.डी.एस. पेजिंग से प्राप्त आय भी शामिल है।

2.25.4 आकाशवाणी में विज्ञापनों के समय की बिक्री को व्यापक रूप में लिया गया है। 1 जुलाई, 1996 से प्राइमरी चैनल के 25 और केंद्रों पर भी विज्ञापन शुरू किया गया। 6 अक्तूबर, 1996 से विविध भारती सेवा सभी स्थानीय रेडियो केंद्रों पर उपलब्ध करा दी गई है।

2.25.5 रेडियो विज्ञापन बुक करने के लिए ग्राहकों और एजेंसियों दोनों को प्रोत्साहन दिए गए। महानिदेशालय और केंद्रीय बिक्री इकाई दोनों ही स्तरों पर अर्जित राजस्व की निगरानी का काम सख्त कर दिया गया। विज्ञापन प्रसारण सेवा के प्रमुखों की समीक्षा बैठकें की गईं ताकि स्थिति की जानकारी मिल सके और समय-समय पर उठने वाली समस्याओं का निदान किया जा सके। 1987 में सर्वश्रेष्ठ विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र पुरस्कार स्वर्गीय डॉ० आर.के. तालिब के नाम पर रखा गया। डॉ० तालिब ने विज्ञापन प्रसारण सेवा में संचालक के तौर

**विविध भारती और प्राइमरी चैनलों से प्रसारित विज्ञापनों द्वारा अर्जित राजस्व**

(रुपये में)

| वर्ष | विविध भारती | सकल अर्जित राजस्व—प्राइमरी चैनल चरण-I | चरण-II | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1975-76 | 6,25,87,679 | — | — | 6,25,87,679 |
| 1976-77 | 6,85,54,222 | — | — | 6,85,54,222 |
| 1977-78 | 7,82,06,252 | — | — | 7,82,06,252 |
| 1978-79 | 8,90,75,436 | — | — | 8,90,75,436 |
| 1979-80 | 10,31,43,702 | — | — | 10,31,43,702 |
| 1980-81 | 12,51,32,824 | — | — | 12,51,32,824 |
| 1981-82 | 15,23,44,716 | — | — | 15,23,44,716 |
| 1982-83 | 15,39,89,422 | 72,64,000 | — | 16,12,53,422 |
| 1983-84 | 16,00,34,250 | 42,30,500 | — | 16,42,64,750 |
| 1984-85 | 15,93,58,046 | 66,78,500 | — | 16,60,31,546 |
| 1985-86 | 17,54,89,035 | 50,06,275 | 2,13,84,761 | 20,22,80,071 |
| 1986-87 | 17,71,77,765 | 1,06,68,575 | 5,20,92,195 | 23,99,38,535 |
| 1987-88 | 19,26,24,082 | 88,13,025 | 8,51,64,751 | 28,66,01,858 |
| 1988-89 | 21,99,92,445 | 84,81,675 | 9,60,45,546 | 32,45,20,666 |
| 1989-90 | 23,72,28,116 | 68,02,372 | 10,59,36,265 | 35,06,55,753 |
| 1990-91 | 25,25,09,742 | 64,71,500 | 13,40,37,024 | 39,30,18,255 |
| 1991-92 | 34,89,00,000 | 83,62,000 | 17,00,68,000 | 52,73,00,000 |
| 1992-93 | 37,66,00,000 | 1,38,00,000 | 19,87,00,000 | 58,91,00,000 |
| 1993-94 | 36,96,00,000 | 1,93,00,000 | 25,46,00,000 | 64,35,00,000 |
| 1994-95 | 35,44,00,000 | 58,00,000 | 28,37,00,000 | 84,32,00,000 |
| 1995-96 | 37,32,30,000 | 1,45,48,000 | 42,19,79,000 | 80,97,57,000 |
| 1996-97 | 18,19,00,000 | 87,00,000 | 20,75,00,000 | 48,00,00,000 |

(सितंबर '96 तक)

पर काम करने के बाद राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

### केंद्रीय अनुश्रवण सेवा

2.26 आकाशवाणी की केंद्रीय अनुश्रवण सेवा महत्वपूर्ण रेडियो और टेलीविजन नेटवर्क के प्रसारणों को मॉनीटर करता है। वर्ष के दौरान केंद्रीय अनुश्रवण सेवा ने 12 देशों की 6 भाषाओं (5 भारतीय और 1 विदेशी) के प्रतिदिन 60 समाचार बुलेटिनों को मॉनीटर किया। आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग और दूरदर्शन के समाचार कक्ष को मॉनीटर की हुई खबरें देने के अलावा केंद्रीय अनुश्रवण सेवा मॉनीटर की हुई सूचनाएं विभिन्न मीडिया एककों और गृह, विदेश, रक्षा तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय सहित अनेक सरकारी विभागों को प्रदान करता है ताकि वे भारत से संबंधित घटनाओं और वक्तव्यों से अवगत रहें। मॉनीटर की हुई सामग्री का दैनिक संकलन 'टूडेज रेडियो रिपोर्ट' केंद्रीय अनुश्रवण सेवा की एक प्रमुख उपलब्धि है। केंद्रीय अनुश्रवण सेवा विदेशी प्रसारणों की प्रवृत्तियों और कश्मीर के बारे में विशेष साप्ताहिक विवेचनात्मक रिपोर्ट भी तैयार करता है। इस रिपोर्ट से समग्र रूप में यह पता चल जाता है कि भारत के बारे में विश्व का दृष्टिकोण क्या है। नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में यह उपयोगी भूमिका निभाता है।

### भाषण

2.27 इस वर्ष का पटेल स्मृति व्याख्यान जाने-माने विद्वान और संसदविद् डॉक्टर रफीक जकारिया ने 30 अक्तूबर, 1996 को 'सरदार पटेल और भारतीय मुसलमान' विषय पर दिया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान जाने-माने लेखक डॉक्टर भीष्म साहनी ने 28 नवम्बर, 1996 को 'लेखक और उसका युग' विषय पर दिया। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आकाशवाणी ने सर्वभाषा कवि सम्मेलन का आयोजन किया।

### खेल-कूद

2.28.1 अप्रैल से दिसंबर 1996 की अवधि में भारत और विदेशों में आयोजित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं को आकाशवाणी ने प्रभावी कवरेज दिया। इनमें अटलांटा में आयोजित 26वां ओलंपिक खेल, डेविस कप टेनिस, इंग्लैंड में आयोजित भारत इंगलैंड क्रिकेट श्रृंखला, त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला और भारत में आयोजित भारत-दक्षिण अफ्रीका टेस्ट क्रिकेट श्रृंखला, चार देशों की हाकी प्रतियोगिता, भारत-आस्ट्रेलिया हॉकी टेस्ट श्रृंखला तथा भारत में आयोजित चैंपियंस ट्राफी हाकी प्रतियोगिता, अंतर्राष्ट्रीय विश्व पेशेवर बिलियर्ड्स प्रतियोगिता, एशियाई बाडी बिल्डिंग प्रतियोगिता, एशियाई खो-खो प्रतियोगिता और भारत में आयोजित दक्षिण एशियाई हैंडबाल प्रतियोगिता शामिल हैं।

2.28.2 अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं जैसे औलंपिक, एशियाई खेल, दक्षिण एशियाई फेडरेशन खेल, विश्व कप हॉकी, विश्व कप क्रिकेट को कवरेज देने के अलावा आकाशवाणी ने परंपरागत खेलों जैसे खो-खो, कबड्डी आदि का भी सीधा प्रसारण किया ताकि देश के युवाओं में यह लोकप्रिय हो सके और परंपरागत खेलों की तरफ खेल प्रतिभाएं आकर्षित हों।

### आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार

2.29 विभिन्न विधाओं और विषयों के उत्कृष्ट प्रसारणों के लिए हर वर्ष आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार दिए जाते हैं। इनमें नाटक, डाक्यूमेंटरी, संगीत, कल्पनाशीलता से परिपूर्ण नए कार्यक्रम, सर्वश्रेष्ठ कृषि और गृह कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम और युववाणी शामिल हैं। राष्ट्रीय एकता के श्रेष्ठ कार्यक्रम के लिए 'लासा कौल पुरस्कार' तथा उत्कृष्ट समाचार रिपोर्टिंग के लिए भी पुरस्कार दिए जाते हैं। विशिष्ट विषयों की डाक्यूमेंटरी के लिए भी पुरस्कार का प्रावधान है। इस वर्ष की डाक्यूमेंटरी का विषय था—'संचार क्रांति'। विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों पर बच्चों के सहगान की प्रतियोगिता आयोजित की जाती है और सर्वश्रेष्ठ सहगान समूह (वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्ग) के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार दिया जाता है। वर्ष 1995 से श्रोता अनुसंधान/सर्वेक्षण रिपोर्टों के लिए पुरस्कार शुरू किया गया है। सर्वश्रेष्ठ विज्ञापन प्रसारण सेवा केंद्र तथा अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी उत्कृष्टता पुरस्कार भी दिया जाता है। सर्वश्रेष्ठ तरीके से स्थापित और रख-रखाव वाले केंद्र को भी पुरस्कार दिया जाता है। आकाशवाणी पुरस्कार योजना में प्रतिभाशाली कार्यक्रम निर्माताओं/प्रसारणकर्मियों को इन प्रतियोगिताओं में रचनात्मक प्रयासों के लिए सम्मानित किया जाता है।

### अंतर्राष्ट्रीय संबंध

2.30 भारत और आस्ट्रेलिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आस्ट्रेलिया सरकार ने 22 अक्तूबर 1996 से, 'आस्ट्रेलिया-भारत नए क्षितिज' शीर्षक से चार सप्ताह का एक समन्वित कार्यक्रम आयोजित किया। आकाशवाणी ने 'प्रिक्स इटालिया', विदेश सेवा के लिए एशियाई प्रसारण इकाई

और लोक संगीत-1996 के रेडियो महोत्सव में भाग लिया। इसके अलावा डच वेल्स के सहयोग से दो कार्यशालाएं आयोजित की गईं। सार्क साक्षरता दिवस के लिए अन्य सार्क देशों के सहयोग से आकाशवाणी ने एक विशेष कार्यक्रम 'ग्लासवॉल' तैयार किया। सभी सदस्य देशों ने 8 दिसंबर, 1996 को इसका प्रसारण किया।

## पी.पी. और डी. प्रभाग

2.31 आठवीं पंचवर्षीय योजना में सॉफ्टवेयर विकास के तहत दो धारावाहिक (1) 'सारे जहां का दर्द' तथा (2) 'स्वतंत्रता की अमर गाथा' को 1996-97 में मंजूरी दी गई।

## अनुसंधान

2.32 आकाशवाणी और दूरदर्शन का अनुसंधान विभाग रेडियो और टेलीविजन प्रसारण में आधुनिकतम टेक्नोलॉजी लाने के लिए अनुसंधान तथा विकास की गतिविधियों में लगा रहता है। अनुसंधान विभाग की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं : (1) आम चुनाव, 1996 के मौके पर 2 मई, 1996 को अनुसंधान विभाग के टेक्स्ट मोड में इंटरनेट पर आकाशवाणी के आन-लाइन सूचना सेवा की शुरुआत, (2) पी.सी. आधारित एक ट्रांसमिशन एनालाइजर का विकास किया गया और इसे आकाशवाणी लखनऊ के बी.बी.सी. 300 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर में लगाया गया, (3) आकाशवाणी बंगलौर परिसर में सभी 6 ट्रांसमीटरों की निगरानी, रिकार्डिंग और मॉड्यूलेशन के विश्लेषण के लिए केंद्र के एस.पी.टी. में एक मल्टी चैनल मॉड्यूलेशन एनालाइजर लगाया गया, (4) भविष्य का ध्वनि प्रसारण—/डिजिटल ऑडियो ब्राडकास्टिंग, बेहतर आडियो कार्यक्रम—मल्टीपल सी.डी. और आर.एफ. चैनल पर व्यापक आंकड़े उपलब्ध कराता है। नई दिल्ली में संसद मार्ग पर सौ मीटर ऊंचे टावर पर ग्राउंड प्लेन एंटीना का प्रयोग करते हुए उच्च फ्रीक्वेंसी वाले बैंड-2 में प्रायोगिक आधार पर टेरेस्टियल डिजिटल आडियो ब्राडकास्टिंग ट्रांसमिशन लगाए गए हैं, (5) एक नई सेवा 'रेडियो ऑन डिमांड' का सफलतापूर्वक प्रयोग किया गया और जल्दी ही आकाशवाणी के नेटवर्क में इसे शामिल किया जाएगा, (6) कम से कम खर्च में ए. एम. ट्रांसमीटर के जरिए व्यापक क्षेत्र में उच्च फीडिलिटी वाली स्टीरियो सेवा उपलब्ध कराने के लिए वर्तमान ए.एन. ट्रांसमीटर पर ए.एम. स्टीरिओ सिग्नल के ट्रांसमिशन के लिए सफल प्रयोग किए गए, (7) इंटरनेशनल मॉनिटरिंग एंड रिसीविंग सेंटर, टोडापुर, नई दिल्ली में पूरी तरह स्वचालित मॉडल मॉनिटरिंग

सूचना और प्रसारण मंत्री श्री सी.एम. इब्राहिम आकाशवाणी, नई दिल्ली में डिजिटल समाचार प्रदर्शन पट्टिका का उद्घाटन करते हुए

केंद्र की स्थापना की जा रही है, (8) तीन तत्वों वाले डिजिटल ऑडियो ब्रॉडकास्टिंग ट्रांसमिटिंग एंटेना का विकास किया गया है और इसे नई दिल्ली में संसद मार्ग पर सौ मीटर टॉवर पर लगाने का प्रस्ताव है, (9) पर्यावरण के अनुकूल स्टील और अल्युमिनियम का प्रयोग करते हुए स्टूडियो के लिए एक नया साउंड प्रूफ दरवाजा विकसित किया गया है, (10) एम.पी.टी. बंगलौर में 500 मेगावाट शार्टवेव ट्रांसमीटरों के छह नंबरों के लिए कंप्यूटर आधारित रिमोट मॉनिटरिंग और नियंत्रण प्रणाली विकसित की गई है, (11) अभिलेखागार में पुरानी ऑडियो रिकार्डिंग्स से शोर हटाने के लिए कंप्यूटर आधारित कम खर्चीला प्रभावी 'डिनोइजर' प्रणाली का विकास, (12) अनुसंधान और विकास इंजीनियरों ने कंप्यूटर आधारित स्कोर डिस्प्ले प्रणाली का प्रयोग करते हुए लॉन टेनिस और गोल्फ मैचों को कवर किया, (13) उच्च शक्ति वाले ट्रांसमीटर में बिजली की बचत के लिए डायनेमिक कैरियर गणतंत्र दिवस राष्ट्रीय अनुसंधान विकास परिषद पुरस्कार, 1996 अनुसंधान विभाग को मिला।

### विदेशों में प्रशिक्षण/प्रतिनियुक्ति

2.33 आकाशवाणी विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों जैसे ए.आई.वी.डी., ए.बी.यू., सी.सी.आई.आर., ए.एम.आई.सी., बी.ए.एन.ए. सी. आदि के लिए अपने अधिकारियों को भेजता है। वर्ष के दौरान 21 अधिकारियों ने इस तरह के विदेशी प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।

### विशेष भर्ती अभियान

2.34 सीधी भर्ती के लिए 1990 से विभिन्न सेवाओं में अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान शुरू किए गए। छठा भर्ती अभियान इस वर्ष शुरू किया गया।

### विशेष कार्यक्रम

2.35.1 राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और स्थानीय स्तर पर अनेक कार्यक्रम प्रसारित किए गए। लोकसभा चुनाव, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनावों को व्यापक कवरेज दी गई। लोगों को उनके मताधिकारों के बारे में शिक्षित करने के लिए आकाशवाणी ने मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को चुनावों के समय राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक प्रसारण के अवसर उपलब्ध कराए गए। आकाशवाणी ने चुनाव परिणामों के सिलसिले में 8 मई से 12 मई, 1996 तक 24 घंटे कार्यक्रम प्रसारित किए। इनमें समाचार आधारित कार्यक्रम और हिंदी तथा अंग्रेजी में रेडियो ब्रिज कार्यक्रम शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में चुनावों के सिलसिले में अनेक विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए। रेडियो कश्मीर, श्रीनगर ने चौबीसों घंटे जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के परिणाम से संबंधित समाचार और समाचार आधारित कार्यक्रम प्रसारित किए। 9 अक्तूबर, 1996 को नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह और 8 अक्तूबर, 1996 को नई विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण का सीधा प्रसारण रेडियो कश्मीर, श्रीनगर से किया गया।

2.35.2 पहली बार आकाशवाणी ने 27 और 28 मई, 1996 और 11 तथा 12 जून, 1996 को संसद भवन से विश्वास प्रस्ताव की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया।

2.35.3 वर्ष 1996-97 के दौरान (1) संसद में रेलमंत्री द्वारा 27 फरवरी, 1996 को अंतरिम रेल बजट पेश किए जाने, 28 फरवरी, 1996 को वित्तमंत्री द्वारा आम बजट पर लेखानुदान, 16 जुलाई 1996 को रेलमंत्री द्वारा रेल बजट और 22 जुलाई, 1996 को वित्तमंत्री द्वारा आम बजट पेश किए जाने, (2) 6 अगस्त, 1996 को विज्ञान भवन में 43वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह में राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार दिए जाने, (3) 20 अगस्त, 1996 को विज्ञान भवन में राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार दिए जाने, (4) 20 अगस्त, 1996 को सिरी फोर्ट सभागार में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जन्मशती के अवसर पर आयोजित सद्भावना दिवस समारोह, (5) विज्ञान भवन में 10 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'डेस्टीनेशन इंडिया' के पूर्ण सत्र का प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन, (6) 2 अक्तूबर, 1996 को नई दिल्ली में सिरी फोर्ट सभागार में फिल्म 'दि मेकिंग ऑफ महात्मा' का प्रीमियर, (7) 7 अक्तूबर, 1996 को विज्ञान भवन में आयोजित 'सब के लिए पर्याप्त आवास' पर राष्ट्रीय आवास विचार गोष्ठी का प्रारंभिक सत्र, (8) 11 अक्तूबर, 1996 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटित 'कुष्ठ निवारण' पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आरंभिक सत्र, (9) नई दिल्ली में 28 अक्तूबर, 1996 को इंफ्रास्टकचर और वर्ल्ड इंफ्रास्टकचर फोरम के बारे में संयुक्त राष्ट्र-इस्केप मंत्रीस्तरीय सम्मेलन के संयुक्त आरंभिक सत्र का प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन, (10) 3 दिसंबर, 1996 को नई दिल्ली में विकलांगों के कल्याण के लिए राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह, (11) 14 अक्तूबर, 1996 से 5 दिसंबर, 1996 तक दिल्ली में और अन्य चुनिंदा शहरों में आस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित 'आस्ट्रेलिया-भारत नए क्षितिज' का आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया।

## अनुसूची

### स्वीकृत बजट अनुदान 1996-97 और गैर-योजना राजस्व के तहत अनुशंसित संशोधित अनुमान 1996-97 तथा बजट अनुमान 1997-98

मांग संख्या—56—प्रसारण सेवाएं
संदर्भ : गैर योजना-मुख्य शीर्ष—'2221'

(लाख रुपये में)

| क्र.सं. | कार्यकलाप | स्वीकृत बजट अनुदान 1996-97 | अनुशंसित संशो. अनुमान 1996-97 | अनुशंसित बजट अनुमान 1997-98 |
|---|---|---|---|---|
| 1. | निर्देशन और प्रशासन | | | |
| | पारित | 1022.00 | 1320.73 | 1362.63 |
| | भारित | 21.00 | 16.00 | — |
| 2. | संचालन और रख-रखाव | | | |
| | पारित | 4657.00 | 5112.65 | 5871.02 |
| | भारित | 140.00 | 122.78 | 24.50 |
| 3. | विज्ञापन प्रसारण सेवा | | | |
| | पारित | 2185.00 | 2548.94 | 2689.42 |
| | भारित | 62.00 | 61.94 | 7.57 |
| 4. | कार्यक्रम सेवा | | | |
| | पारित | 14292.00 | 18211.79 | 19398.51 |
| | भारित | 917.00 | 956.49 | 16.68 |
| 5. | समाचार सेवा | | | |
| | पारित | 1726.00 | 1939.80 | 1885.82 |
| | भारित | 9.00 | 11.41 | — |
| 6. | श्रोता अनुसंधान | | | |
| | पारित | 91.00 | 109.65 | 121.52 |
| | भारित | — | — | — |
| 7. | विदेश सेवा प्रभाग | | | |
| | पारित | 340.00 | 381.75 | 404.45 |
| | भारित | — | — | — |
| 8. | योजना और विकास | | | |
| | पारित | 592.00 | 725.24 | 773.52 |
| | भारित | 35.00 | 28.81 | |
| 9. | अनुसंधान और प्रशिक्षण | | | |
| | पारित | 296.00 | 373.84 | 405.21 |
| | भारित | 18.00 | 20.20 | — |
| 10. | उचंत | 6304.00 | 6410.00 | 7840.00 |
| 11. | एन.एल.एफ. को हस्तांतरण | 5780.00 | 7129.00 | 7629.00 |
| 12. | अन्य व्यय | 360.00 | 371.20 | 377.87 |
| | कुल योग (पारित) | 37645.00 | 44634.59 | 48758.97 |
| | (भारित) | 1202.00 | 1217.63 | 48.75 |

**वर्ष 1996-97 के लिए बजट सारांश**

(लाख रुपये में)

| | | पूंजी योजना | पूंजी गैर-योजना | कुल | राजस्व योजना |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अंतिम विनियोजन 1995-96 | 7480.00 | 440.00 | 7920.00 | 5496.21 |
| | भारित व्यय | 20.00 | 0.00 | 20.00 | 203.00 |
| 2. | वास्तविक व्यय 1995-96 | 7379.13 | 389.80 | 7768.93 | 5512.85 |
| | भारित व्यय | 1.45 | 0.00 | 1.45 | 141.60 |
| 3. | अनुमोदित बजट अनुदान 1996-97 | 7770.00 | 475.00 | 8245.00 | 5639.00 |
| | भारित व्यय | 30.00 | 0.00 | 30.00 | 561.00 |
| 4. | अनुमानित व्यय 1996-97 (संशोधित अनुमान 1996-97) | 7810.00 | 455.00 | 8265.00 | 7043.42 |
| | भारित व्यय | 165.00 | 0.00 | 165.00 | 476.58 |
| 5. | बजट अनुमान 1997-98 | 10920.00 | 520.00 | 11440.00 | 2550.00 |
| | भारित व्यय | 30.00 | 0.00 | 30.00 | 0.00 |

**पिछले चार वर्षों में व्यय (योजना)**

| | पूंजी | राजस्व |
|---|---|---|
| 1992-93 | 7910.53 | 3534.94 |
| 1993-94 | 10535.83 | 3998.26 |
| 1994-95 | 7277.88 | 5418.05 |
| 1995-96 | 7379.13 | 5512.85 |

*** संशोधित अनुमान 1996-97 और बजट अनुमान 1997-98 आवश्यकताएं दर्शाती हैं, बशर्ते कि इसे सूचना और प्रसारण मंत्रालय की मंजूरी मिल जाए।**

जन संपर्क

2.36.1 आकाशवाणी से प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों की पूर्व सूचना राष्ट्रीय समाचारपत्रों में प्रकाशित की जाती है तथा रेडियो से भी कार्यक्रमों के बारे में निरंतर जानकारी दी जाती है ताकि श्रोताओं को पहले से ही ज्ञात रहे।

2.36.2 समय-समय पर आकाशवाणी आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष कार्यक्रम आयोजित करता है ताकि श्रोताओं से निकट संपर्क बने। वर्ष 1996-97 में इस सिलसिले में आयोजित कार्यक्रमों में आकाशवाणी संगीत सम्मेलन, हास्य तरंग, पटेल स्मृति व्याख्यान, राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान, कवियों की राष्ट्रीय संगोष्ठी, आकाशवाणी वार्षिक पुरस्कार, नाट्य संध्या और संगीत समारोह शामिल हैं।

2.36.3 विज्ञापन प्रसारण सेवा के विशेष अभियान के बारे में एक आकर्षक पुस्तिका निकाली गई। आकाशवाणी के केंद्रों ने श्रोताओं से संवाद वाले कार्यक्रम जैसे विचार गोष्ठी, सामूहिक चर्चा आदि भी आयोजित किए ताकि अपने श्रोताओं से सीधे संपर्क करके कार्यक्रमों को उजागर किया जा सके।

# 3

# दूरदर्शन

## नेटवर्क

3.1.1 1959 में दिल्ली में प्रायोगिक आधार पर शुरू किए गए दूरदर्शन का समय के साथ-साथ अभूतपूर्व विस्तार हुआ और विकास की इस प्रक्रिया में यह दुनिया के सबसे प्रमुख प्रसारण नेटवर्क के रूप में उभर कर सामने आया। दूरदर्शन इस समय 19 चेनलों पर कार्यक्रम प्रसारित करता है। इसके नेटवर्क में 41 कार्यक्रम निर्माण केन्द्र और अलग-अलग क्षमता के 834 प्रसारण केंद्र शामिल हैं। इसके कार्यक्रम 68.8 प्रतिशत क्षेत्र में रहने वाले देश के करीब 85.8 प्रतिशत लोग देख सकते हैं।

3.1.2 अंतर्राष्ट्रीय चैनल को छोड़कर इन सभी 19 चैनलों पर कार्यक्रम इनसैट सैटेलाइट के जरिए प्रसारित किए जाते हैं (इस समय इनसेट-1-डी, 2-ए, 2-बी और 2-सी के जरिए काम लिया जा रहा है)। इस काम के लिए देश में विभिन्न दूरदर्शन केंद्रों पर अप-लिंकिंग सुविधाएं स्थापित की गई हैं। अंतर्राष्ट्रीय चैनल के कार्यक्रम पी ए एस-4 उपग्रह के माध्यम से प्रसारित किए जाते हैं।

3.1.3 प्राइमरी चैनल (डी.डी.-1) के कार्यक्रम विभिन्न शक्ति वाले 784 ट्रांसमीटरों के जरिए प्रसारित किए जा रहे हैं। ये हैं- (अ) उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (10 किलोवाट/5 किलोवाट/1 किलोवाट) — 77, (ब) निम्न शक्ति ट्रांसमीटर (300 वाट/100 वाट) — 534, (स) अत्यंत अल्पशक्ति ट्रांसमीटर/ट्रांसपोंडर (10 वाट)-173।

डी.डी. 2 चैनल के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए विभिन्न शहरों में 6 उच्च शक्ति के ट्रांसमीटरों सहित 43 ट्रांसमीटर काम कर

नई दिल्ली में दूरदर्शन के केन्द्रीय कार्यक्रम निर्माण केन्द्र में नृत्य कार्यक्रम की शूटिंग का दृश्य

रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली, मुम्बई, कलकत्ता और चेन्नई महानगरों में डी डी-3 के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर कार्य कर रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाहियों को रिले करने के लिए एक निम्न शक्ति का ट्रांसमीटर और कश्मीर चैनल के कार्यक्रमों को रिले करने के लिए श्रीनगर में एक निम्न शक्ति का ट्रांसमीटर भी काम कर रहा है।

3.1.4. देश के विभिन्न भागों में इस समय 41 कार्यक्रम निर्माण केंद्र कार्यरत हैं। इसके अलावा दिल्ली में आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित दो बड़े स्टूडियो वाले केंद्रीय निर्माण केंद्र भी कार्यरत हैं। इस केंद्र में उच्च कोटि के कार्यक्रमों के निर्माण की सुविधाएं हैं। गुवाहाटी में भी अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कार्यक्रम निर्माण केंद्र हैं जहां देश के पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न केंद्रों से प्रसारण के लिए कार्यक्रमों का निर्माण किया जाता है।

3.1.5. दूरदर्शन के पास रंगीन प्रसारण की क्षमता वाले 13 बाह्य प्रसारण वाहन हैं। इनमें से प्रत्येक में 4 कैमरे और अन्य आवश्यक उपकरण लगे हुए हैं। इसके अलावा इसके पास 6 कैमरों और 9 इलेक्ट्रॉनिक फील्ड प्रोडक्शन सुविधाओं से युक्त विशाल बाह्य प्रसारण वाहन तथा 12 छोटे वाहन हैं। स्टूडियो से बाहर की गतिविधियों और घटनाओं की कवरेज के लिए कार्यक्रम निर्माण की सुविधा वाले सभी केंद्रों में इलैक्ट्रॉनिक समाचार संग्रह उपकरण भी उपलब्ध हैं।

## विकास कार्यक्रम

3.2.1 दूरदर्शन (डी. डी.-1) प्रसारण का दायरा बढ़ाने के लिए करीब 480 ट्रान्समीटरों की स्थापना की परियोजनाएं या तो लागू की जा रही हैं या लागू की जानी हैं। इन ट्रांसमीटरों के चालू हो जाने पर देश की 92 प्रतिशत आबादी के दूरदर्शन प्रसारण के दायरे में आ जाने की संभावना है। डी.डी.-2 चैनल के प्रसारण में बढ़ोतरी के लिए पणजी, मुर्शिदाबाद, पोर्ट ब्लेयर और पांडिचेरी में निम्न शक्ति के चार अतिरिक्त ट्रांसमीटर लगाए जा रहे हैं। बंगलौर और हैदराबाद में इस समय काम कर रहे निम्नशक्ति ट्रांसमीटरों के स्थान पर उच्च शक्ति के ट्रान्समीटर लगाने का भी कार्यक्रम है।

3.2.2 दूरदर्शन केन्द्रों में कार्यक्रम निर्माण सुविधाओं के विस्तार के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना में स्टूडियो/कार्यक्रम निर्माण सुविधा संबंधी 31 परियोजनाएं लागू की जा रही हैं या लागू की जानी हैं। इसके अलावा दिल्ली में ग्यारह मंजिलें दूरदर्शन भवन की परियोजना भी लागू की जा रही है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय स्टूडियो परिसर का निर्माण किया जा रहा है। इसमें 50 वर्ग मीटर से 600 वर्ग मीटर तक आकार के सात स्टूडियो बनाए जाएंगे जिनमें सभी आवश्यक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

3.2.3 टेक्नालॉजी के क्षेत्र में तेजी से आ रहे बदलाव को ध्यान में रखते हुए चालू पंचवर्षीय योजना (1992-97) में दूरदर्शन अपने विभिन्न केन्द्रों में वर्तमान सुविधाओं को और बेहतर बनाने, उनके आधुनिकीकरण तथा सुविधाओं के विस्तार पर जोर दे रहा है। चालू योजना में दूरदर्शन की विकास संबंधी गतिविधियों में समाचार प्रणाली का कम्प्यूटरीकरण और कार्यक्रमों के अनेक भाषाओं में प्रसारण की व्यवस्था भी शामिल है। इसके अलावा ई.एन.जी. स्टूडियो और आउटडोर ब्रॉडकास्ट गाड़ियों में सीसीडी कैमरे लगाने का फैसला कर लिया गया है और दूरदर्शन से सभी प्रमुख केन्द्रों में रिकार्डिंग के लिए चरणबद्ध तरीके से बीटाकैम प्रणाली अपनायी जा रही है। विभिन्न राज्यों में कार्यक्रमों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए देश में विभिन्न स्थानों पर ई.एन.जी. प्रणाली पर आधारित कार्यक्रम निर्माण सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। कार्यालयों की प्रबंध प्रणाली के कम्प्यूटरीकरण का कार्य भी शुरू किया गया है। दूरदर्शन प्रसारण के क्षेत्र में नवीनतम टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

3.2.4. इनसैट 2-सी के चालू हो जाने के बाद दूरदर्शन के पास अतिरिक्त ट्रांसपोंडरों की क्षमता उपलब्ध हो गई है। दूरदर्शन की अधिकतर सेवाएं इनसेट-2 सी उपग्रह से प्रसारित हो रहे हैं। उपग्रह समाचार संग्रह शुरू किया गया है। उपग्रह समाचार संग्रह उपकरण इस समय श्रीनगर में लगाए गए हैं। अतिरिक्त सेवाएं जैसे पंजाब और हिमाचल प्रदेश में क्षेत्रीय सेवाएं और डिजिटल कम्प्रेशन टैकनीक का प्रयोग करते हुए ट्रांसमीशन आदि भविष्य में शुरू किये जाएंगे।

3.2.5. 1996-97 की बाकी अवधि में आशा है कि जोधपुर, (अंतरिम), फाजिल्का (अंतरिम), बंगलौर (डी.डी.-2) और हैदराबाद (डी.डी.-2) में उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर और अत्यंत निम्न शक्ति ट्रांसमीटर भी लगाए जाने की संभावना है।

3.2.6. 68 परियोजनाएं (मऊ और जलपाईगुड़ी में स्टूडियो,

जैसलमेर, बाड़मेर (अंतरिम), मोकोकचुंग और कुर्नूल में उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर, 52 निम्नशक्ति के ट्रांसमीटर और 10 अत्यन्त निम्न शक्ति के ट्रांसमीटर) इस समय शुरू किए जाने की स्थिति में हैं।

## डी.डी-1 राष्ट्रीय चैनल

3.3.1 राष्ट्रीय कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र का एकीकरण, लोगों में एकता का भाव जगाना और उनके मन में भारतीय होने का गौरव पैदा करना है। राष्ट्रीय कार्यक्रम की शुरूआत 15 अगस्त 1982 से हुई और विभिन्न चरणों में इसका विस्तार कर प्रात:कालीन तथा दोपहर बाद की सभाओं के प्रसारण शुरू हुए। इस समय राष्ट्रीय नेटवर्क के अंतर्गत करीब 80 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इसमें शिक्षा, सूचना और मनोरंजन के कार्यक्रमों का अनुपात 30:40:30 रहता है।

3.3.2 राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अंतर्गत सामयिक घटनाओं पर आधारित अनेक कार्यक्रमों का प्रसारण होता है।

3.3.3 संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही का प्रसारण दिल्ली में दो निम्नशक्ति ट्रान्समीटरों के जरिए किया जाता है। इसे ससंद भवन से 10-15 किलोमीटर के दायरे में देखा जा सकता है।

3.3.4 इस वर्ष राष्ट्रीय नेटवर्क के प्रसारण-समय को और तर्कसंगत बनाया गया है इससे डी डी-1 और डीडी-2 एक-दूसरे के पूरक बन गए हैं।

**मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम**

- **गणतंत्र दिवस परेड**
- **स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाषण**
- **पुरी की रथ यात्रा**
- **त्यागराज और तानसेन समारोह**
- **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों का उद्घाटन**
- **संसद की कार्यवाई**
- **लोकसभा और राज्यसभा में प्रश्नकाल-सीधा प्रसारण**
- **संसद समाचार**
- **टुडे इन पार्लियामेण्ट**
- **संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति का अभिभाषण**
- **केन्द्रीय बजट का प्रस्तुत किया जाना**
- **रेल बजट**
- **ब्रह्मोत्सव, तिरुमाला, तिरुपति**

## क्षेत्रीय प्रसारण

3.4 सभी दूरदर्शन केन्द्र अपनी-अपनी क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। महत्वपूर्ण केन्द्र हर सप्ताह 25 घंटे के कार्यक्रम प्रसारित करते हैं जबकि अन्य केन्द्र सप्ताह में एक से दस घंटे तक के कार्यक्रम प्रसारित करते हैं। क्षेत्रीय कार्यक्रमों में ग्रामीण विकास पर काफी ध्यान दिया जाता है। उपग्रह संपर्क के जरिए अब तेरह राज्यों के दर्शकों को एक समान कार्यक्रम दिखाना संभव हो गया है।

## शैक्षिक टेलीविजन

3.5.1 दूरदर्शन ने शुरू से ही शैक्षिक कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी है। दिल्ली में स्कूली प्रसारणों की शुरूआत तो 1961 में ही हो गई थी। उपग्रह के जरिए टेलीविजन से शैक्षिक प्रसारण के परीक्षणात्मक कार्यक्रम (साइट) को जारी रखते हुए स्कूली बच्चों के लिए कार्यक्रम 1982 में प्रारंभ किए गए। इस समय दूरदर्शन द्वारा निर्मित स्कूली कार्यक्रम दिल्ली, मुंबई और चेन्नई केन्द्रों से क्षेत्रीय प्रसारणों के समय के अंतर्गत प्रसारित किए जाते हैं। राज्य शिक्षा संस्थानों द्वारा निर्मित शैक्षिक कार्यक्रम हिन्दी, मराठी, गुजराती, उड़िया और तेलुगु में प्रसारित होते हैं। इन्हें संबंधित क्षेत्र के सभी ट्रान्समीटर रिले करते हैं।

3.5.2 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय हर सप्ताह तेरह घंटे के उच्च शिक्षा टेलीविजन कार्यक्रमों का राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारण करते हैं। शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए एक अलग चैनल शुरू करने का भी प्रस्ताव है।

## समाचार बुलेटिन और समाचार पत्रिकाएं

3.6.1. दूरदर्शन समाचार मुख्यालय, दिल्ली से प्रतिदिन मुख्य समाचारों सहित 12 समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। मुख्य

समाचारों का प्रसारण हिंदी में रात साढ़े दस बजे और अंग्रेजी में रात साढ़े 11 बजे दो-दो मिनट के लिए किया जाता है। रविवार को 2 साप्ताहिक समाचार राउंड अप प्रसारित किये जाते हैं। इनमें से एक बधिरों के लिए है और इसका प्रसारण सांकेतिक भाषा में दोपहर 1 बजे, 15 मिनट के लिए तथा दूसरा संस्कृत भाषा में 1 बजकर 15 मिनट से, 10 मिनट के लिए किया जाता है। हिंदी में प्रमुख समाचार बुलेटिन रात साढ़े आठ बजे और अंग्रेजी में रात 9 बजे राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रसारित होता है। ये दोनों ही बुलेटिन 20-20 मिनट के हैं। जब संसद की कार्यवाही चल रही होती है तो इन दोनों प्रमुख बुलेटिनों की अवधि घटा कर 15-15 मिनट कर दी जाती है और समाचारों के तुरन्त बाद 15 मिनट की अवधि के लिए संसद की कार्यवाही पर आधारित हिंदी में 'संसद समाचार' और अंग्रेजी में 'पार्लियामेंट न्यूज' का प्रसारण किया जाता है।

3.6.2. क्षेत्रीय समाचार एकांश विभिन्न राज्यों में संबंधित क्षेत्रीय भाषा में शाम 7 बजे, 15 मिनट का समाचार बुलेटिन प्रसारित करता है। मुम्बई और कलकत्ता में रात 9 बजकर 50 मिनट पर 10 मिनट के लिए क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन भी प्रसारित किए जाते हैं। गुवाहाटी में सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर असमिया में एक समाचार बुलेटिन का प्रसारण होता है। जालंधर में शाम 7 बजे समाचार बुलेटिन के नियमित प्रसारण के अलावा सोमवार से शुक्रवार तक शाम 5 बजे, 5 मिनट के लिए पंजाबी में एक समाचार बुलेटिन का प्रसारण किया जाता है। चेन्नई में शाम 7 बजे, 3 मिनट के लिए और रात साढ़े 8 बजे, 20 मिनट के लिए तमिल समाचार बुलेटिन का प्रसारण होता है। शाम 7 बजे नियमित समाचार बुलेटिन के अलावा सभी शनिवार और शुक्रवार को शाम 5 बजे, 3 मिनट के एक समाचार बुलेटिन का प्रसारण किया जाता है। श्रीनगर से दोपहर बाद 4 बजे, कश्मीरी बुलेटिन का प्रसारण होता है।

3.6.3. वर्ष 1996 में घटित अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं की रिपोर्टिंग में दूरदर्शन समाचार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूरदर्शन समाचार ने जिन घटनाओं को कवर किया, उनमें सबसे महत्वपूर्ण 12 नवंबर, 1996 को दिल्ली के नजदीक में एक सऊदी विमान और एक कज़ाक विमान के बीच टक्कर थी। इस दुर्घटना में 350 से अधिक यात्री मारे गए। इस भयंकर दुर्घटना की कवरेज के कारण दूरदर्शन समाचार की काफी सराहना की गई और इसे नवंबर, 1996 के लिए एशियाविज़न मासिक पुरस्कार मिला। आम चुनावों और पहली संयुक्त मोर्चा सरकार के गठन की संतुलित कवरेज के लिए भी दूरदर्शन समाचार को सभी तरफ से सराहना मिली। आवास घोटाले, जिनमें अनेक नेताओं के नाम थे, और राजनीतिक नेताओं से संबंधित मामलों के समाचार भी बिना किसी पूर्वाग्रह के दिए गए।

3.6.4. पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम को दूरदर्शन के समाचार बुलेटिनों में व्यापक कवरेज दिया गया। युद्धक टैंक अर्जुन के नियमित उत्पादन की शुरूआत और पृथ्वी प्रक्षेपास्त्र से संबंधित खबरें भी दूरदर्शन समाचारों में प्रमुखता से ली गई। व्यापक परमाणु प्रतिबंध संधि के बारे में भारत की आपत्तियों को उजागर किया गया और इस सिलसिले में अन्य देशों के लिए प्रसारित होने वाले समाचार बुलेटिनों सहित सभी प्रमुख बुलेटिनों में उपर्युक्त साउंड बाइट्स और दृश्यों पर आधारित कवरेज को स्थान दिया गया।

3.6.5. अंतर्राष्ट्रीय मोर्चे पर दूरदर्शन समाचार ने राष्ट्रपति की ओमान, पोलैंड, चेक और स्लोवाक गणराज्य तथा इटली की यात्रा, उपराष्ट्रपति की मध्य एशियाई देशों—मंगोलिया, किरगिज गणराज्य और कजाखिस्तान तथा ईरान की यात्रा, प्रधानमंत्री की हरारे (जी-15 शिखर सम्मेलन), रोम (विश्व खाद्य शिखर सम्मेलन) की यात्रा और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय हस्तियों जैसे कनाडा के प्रधानमंत्री, ब्राजील के राष्ट्रपति, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति डॉ. नेलसन मंडेला, इस्राइल के राष्ट्रपति और मलेशिया के प्रधानमंत्री डाक्टर महाथिर मोहम्मद की भारत यात्रा के समाचारों की कवरेज के लिए व्यापक प्रबंध किए।

3.6.6. स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. टी. रामाराव और पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी के देहांत और पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री सुश्री बेनज़ीर भुट्टो के भाई मुर्तजा भुट्टो की हत्या के समाचारों को भी व्यापक कवरेज दी गई।

3.6.7. सांस्कृतिक समाचारों में, थाईलैंड में भारत महोत्सव और वेस्ट इंडीज में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन को प्रमुख कवरेज दिया गया। स्वतंत्रता के 50 वर्ष के सिलसिले में आयोजित समारोह के समाचार भी दूरदर्शन ने प्रमुखता से प्रसारित किए।

3.6.8. खेल-कूद के क्षेत्र में भारत में आयोजित राष्ट्रीय खेलों जैसे डूरंड कप फुटबाल और डी.सी.एम. फुटबाल, विल्स वर्ल्ड कप क्रिकेट के भारत और पाकिस्तान में खेले गए मैचों के अलावा डेविस कप, फ्रेंच ओपन टेनिस और अमरीकी ओपन टेनिस तथा ओलंपिक खेलों को व्यापक कवरेज दी गई।

3.6.9. घटनाओं को कवर करने के मामले में अनेक बार

दूरदर्शन समाचार अन्य एजेंसियों के मुकाबले समाचारों को सबसे पहले प्रसारित करता है। दूरदर्शन से प्राप्त विजुअल का बाद में कई विदेशी एजेंसियों और प्रसारण संगठनों द्वारा इस्तेमाल किया जाता है जिससे दूरदर्शन को राजस्व की प्राप्ति होती है।

## सामयिक विषय

3.7.1. दूरदर्शन डी.डी.-1 पर सामयिक महत्व के विषयों पर अनेक कार्यक्रम प्रसारित करता है। राष्ट्रीय नेटवर्क पर सप्ताह में एक बार कश्मीर और पूर्वोत्तर क्षेत्र की घटनाओं के बारे में पत्रिका कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। हिंदी में समाचार और सांस्कृतिक पत्रिका कार्यक्रम 'परख' का प्रसारण प्रत्येक सप्ताह होता है। व्यापक जनहित के विषयों पर उच्चतम न्यायालय के फैसलों पर आधारित साप्ताहिक राउंड अप 'एपेक्स जजमेंट' और सामाजिक-सांस्कृतिक पत्रिका कार्यक्रम ' अमूल सुरभि' का प्रसारण भी सप्ताह में एक बार किया जाता है। 1996 के आम चुनावों और उत्तरप्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर के राज्य विधानसभा चुनावों के बारे में राष्ट्रीय नेटवर्क पर विशेष कार्यक्रम प्रसारित किए गए। विज्ञान, टैक्नोलॉजी, शिक्षा, सामाजिक जागरुकता, स्वास्थ्य, अल्पसंख्यकों और समाज के कमजोर वर्गों के बारे में भी कार्यक्रम नियमित रूप से प्रसारित किए जाते हैं।

3.7.2. डी.डी.-2 पर समाचार और सामयिक विषयों के अनेक कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। इनमें से (क) आज तक, फर्स्ट एडीशन, बिजनेस प्लस तथा आंखों देखी (प्रायोजित) जैसे दैनिक कार्यक्रम, (ख) साप्ताहिक कार्यक्रम जैसे कारोबार नामा, वर्ल्ड आफ बिजनेस और इंडिया दिस वीक (प्रायोजित) शामिल हैं।

3.7.3. साउथ एशिया रिपोर्ट, मार्केट टुनाईट और मार्केट राउंड अप शीर्षक से समाचार और सामयिक विषयों के प्रायोजित कार्यक्रम प्रसारित किए गए। डी.डी. चैनल-3 पर सेकेंड एडीशन, मिड डे मार्केट और स्टाक मार्केट के कार्यक्रम नियमित प्रसारित किए जाते हैं। इसी चैनल पर राउंड टेबल शीर्षक से एक साप्ताहिक कार्यक्रम का भी प्रसारण किया जाता है। यह कार्यक्रम सामयिक महत्व के विषयों पर होता है।

## खेल

3.8.1. वर्ष 1996-97 के दौरान विभिन्न खेल स्पर्धाओं के 800 से अधिक घंटों के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इनमें खो-खो, मल्लखंभ, कबड्डी, जूडो, जिमनास्टिक्स, क्रिकेट, टेनिस, हाकी शामिल हैं। एटलांटा ग्रीष्म ओलंपिक खेलों का दूरदर्शन पर व्यापक प्रसारण किया गया। दूरदर्शन के इतिहास में पहली बार दैनिक ट्रांसमीशन का 18 घंटे से अधिक समय इन खेलों को दिया गया। विल्स वर्ल्ड कप क्रिकेट 1996 के सभी मैचों (श्रीलंका में निर्धारित 3 मैचों को छोड़कर) का सीधा प्रसारण किया गया। भारत में आयोजित डेविस कप मैचों, फ्रेंच ओपन टेनिस, विम्बल्डन 1996, आस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस-96, अमरीकी ओपन टेनिस-96, एक दिवसीय क्रिकेट मैचों की त्रिकोणीय श्रृंखला (भारत, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया) और सभी टैस्ट मैचों के प्रमुख अंश, नई दिल्ली में छठी इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्वर्ण कप महिला हाकी प्रतियोगिता तथा यूरोपीय फुटबाल प्रतियोगिता को व्यापक कवरेज दिया गया।

3.8.2 राष्ट्रीय नेटवर्क पर हर शनिवार को खेलों के राष्ट्रीय कार्यक्रम 'स्पोर्ट्स वर्ल्ड' का प्रसारण किया जा रहा है। डी.डी.-2 पर मंगलवार से शुक्रवार तक दोपहर बाद दो बजकर 35 मिनट से 3 बजे तक 'स्पोर्ट्स टाइम' में और सोमवार से शुक्रवार तक तीसरे पहर 4 बजे, 'मेट्रो स्पोर्ट्स ऑवर' में खेल कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। नवंबर 1996 से प्रतिदिन डी.डी.-3 पर दो घंटे का खेल कार्यक्रम भी प्रसारित किया जा रहा है। सभी प्रमुख केंद्र/क्षेत्रीय केंद्र विभिन्न शीर्षकों के तहत क्षेत्रीय भाषा या हिंदी अथवा अंग्रेजी में साप्ताहिक खेल कार्यक्रम प्रसारित करते हैं।

3.8.3. इस अवधि में दूरदर्शन ने भारतीय हाकी फेडरेशन, अखिल भारतीय टेनिस एसोसिएशन और इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन आफ इंडिया से टेलिवीजन प्रसारण के अधिकारों के बारे में लंबी अवधि के समझौते किए।

## विज्ञापन

3.9.1. दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा राष्ट्रीय नेटवर्क, डी.डी.-2, डी.डी.-3, डी.डी. इंटरनेशनल और सभी प्रमुख केंद्रों के लिए विज्ञापन स्वीकार करती है। इस समय अहमदाबाद, बंगलौर, मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, हैदराबाद, जालंधर, लखनऊ, चेन्नई, श्रीनगर, तिरूअनंपुरम, जयपुर, भोपाल, गुवाहाटी, पटना, भुवनेशवर, रायपुर और गोआ के क्षेत्रीय केंद्रों से विज्ञापनों का प्रसारण किया जाता है। क्षेत्रीय केंद्रों के लिए प्रायोजित कार्यक्रमों की मंजूरी भी दिल्ली स्थित दूरदर्शन विज्ञापन सेवा देती है। सभी केंद्रों पर स्पॉट की बुकिंग और प्रायोजित कार्यक्रमों की स्वीकृति के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए व्यापक नियमों के तहत ही विज्ञापन स्वीकार किये जाते हैं। दूरदर्शन पर सिगरेट, तंबाकू उत्पादों, शराब और अन्य नशीले

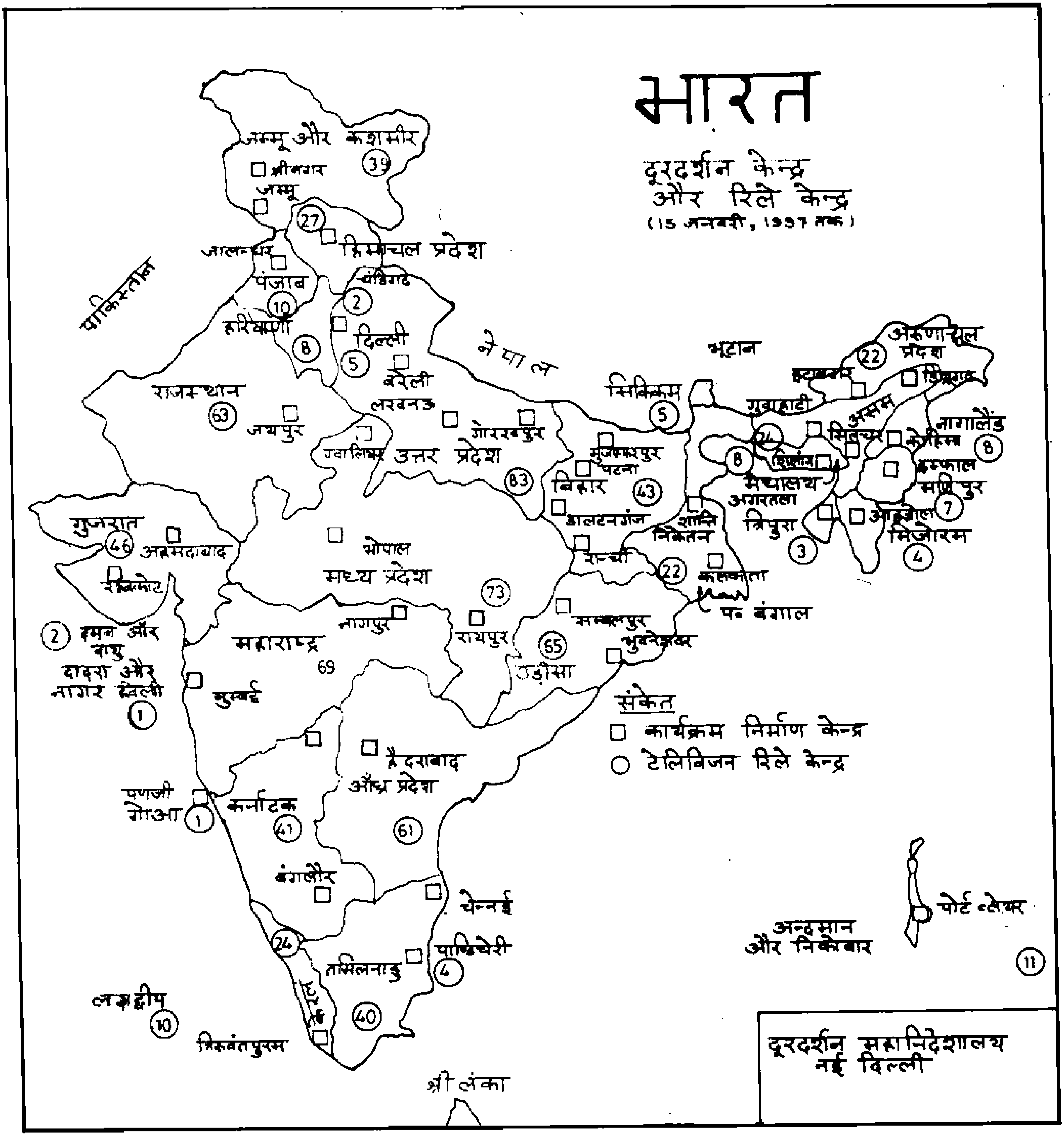

भारत
दूरदर्शन केन्द्र
और रिले केन्द्र
(15 जनवरी, 1997 तक)
जम्मू और कश्मीर
39
श्रीनगर
जम्मू
27
हिमाचल प्रदेश
जालन्धर
पंजाब
10
चंडीगढ़
2
हरियाणा
8
दिल्ली
5
पाकिस्तान
नेपाल
बरेली
लखनऊ
गोरखपुर
राजस्थान
63
जयपुर
ग्वालियर
उत्तर प्रदेश
83
सिक्किम
5
भूटान
अरुणाचल प्रदेश
22
गुवाहाटी
असम
नागालैंड
कोहिमा
8
इम्फाल
मणिपुर
7
मुजफ्फरपुर
पटना
बिहार
43
डालटनगंज
शान्ति निकेतन
मेघालय
8
अगरतला
त्रिपुरा
3
आइजोल
मिजोरम
4
रांची
22
कलकत्ता
प. बंगाल
गुजरात
46
अहमदाबाद
राजकोट
भोपाल
मध्य प्रदेश
73
2 दमन और दीयु
दादरा और नागर हवेली
1
महाराष्ट्र
69
नागपुर
रायपुर
65
भुवनेश्वर
उड़ीसा
मुम्बई
संकेत
कार्यक्रम निर्माण केन्द्र
टेलिविजन रिले केन्द्र
हैदराबाद
आंध्र प्रदेश
61
पणजी
गोआ
1
कर्नाटक
41
बंगलौर
चेन्नई
पोर्ट ब्लेयर
अन्डमान और निकोबार
11
24
पाण्डिचेरी
4
तमिलनाडु
केरल
40
लक्षद्वीप
10
तिरुवंतपुरम
श्री लंका
दूरदर्शन महानिदेशालय
नई दिल्ली

पदार्थों के विज्ञापन की अनुमति नहीं है लेकिन स्थानापन्न विज्ञापन दिए जा सकते हैं। साधारणत: हिन्दी और अंग्रेजी के विज्ञापन राष्ट्रीय नेटवर्क पर और क्षेत्रीय भाषाओं के विज्ञापन क्षेत्रीय केंद्रों से प्रसारित किए जाते हैं।

**पिछले पांच वर्षों में दूरदर्शन की आय :**

| वर्ष | रुपये (करोड़ में) |
|---|---|
| 1992-93 | 360.23 |
| 1993-94 | 372.98 |
| 1994-95 | 398.02 |
| 1995-96 | 430.13 |
| 1996-97 | 480.00 |

## कार्यक्रमों का प्राधिकार देना

3.10.1 दूरदर्शन विशेष सॉफ्टवेयर योजना के तहत बाहर के निर्माताओं को कार्यक्रम प्राधिकृत करता है और इसके लिए धन भी उपलब्ध कराता है ताकि वो अपनी सॉफ्टवेयर आवश्यकताएं पूरी कर सकें। इसके तहत कार्यक्रमों में व्यापक विषयों को कवर किया जाता है और यह टेलिफिल्म, धारावाहिक, वृत्तचित्र, फीचर, साक्षात्कार आधारित कार्यक्रम, समाचार और सामयिक विषयों के कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं पर रिपोर्ट आदि के रूप में हो सकते हैं। इस वर्ष जिन कमीशंड धारावाहिकों का प्रसारण किया गया उनमें 'आखिर कौन', 'व्योमकेश बख्शी', 'हेमंत नागराज', 'एक जरा सी बात' और 'मंथन' शामिल हैं। इनमें से कुछ कार्यक्रम प्रायोजित हैं जिन्हें पर्याप्त विज्ञापन मिले। दूरदर्शन द्वारा कमीशंड वृत्त चित्र धारावाहिकों में सर्बजीत सिंह के 'हिमालय वाच', डाक्टर अवधेश शर्मा का 'माइंड वाच', त्रिपुरा के जनजातीय समुदाय के बारे में अशोक बख्शी का वृत्त चित्र और अनिता राय चौधरी का 'रिद्म आफ ट्राइबल इंडिया' शामिल हैं, जिनका प्रसारण किया गया है।

## प्रायोजित कार्यक्रम

3.11.1 दूरदर्शन ने अपनी नई प्रायोजित योजना के तहत वर्ष 1990 में प्रस्ताव आमंत्रित किए। आठ वर्गों में स्वीकृत 449 प्रस्तावों में से 118 प्रस्तावों को प्राइम टाइम में प्रसारण के लिए प्राथमिकता दी गई। चालू वित्त वर्ष के दौरान कई धारावाहिक बंद हुए और अनेक निर्माताओं को प्राइम टाइम में प्रसारण के अवसर उपलब्ध कराए गए। दूरदर्शन ने कम महत्वपूर्ण समय के सभी स्लॉटों को लोकप्रिय बनाने के प्रयास भी किए। इसके लिए प्रायोजित योजना के तहत बाहर के निर्माताओं को प्रोत्साहित किया गया। इस तरह बाहर के निर्माताओं द्वारा प्रायोजित योजना के तहत निर्मित कार्यक्रम नॉन प्राइम टाइम में शुरू किए गए और ऐसे सभी समय का अब उपयोग किया जा रहा है।

## केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र : दूरदर्शन

3.12.1 केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र ऐसे कार्यक्रम बनाता है जिन्हें अन्य केंद्र बनाने में असमर्थ हैं। पिछले वर्षों में यह दूरदर्शन के सभी 4 प्रमुख चैनलों को दूरदर्शन में ही बने कार्यक्रमों के प्रमुख वितरक के रूप में उभरा है। केंद्रीय निर्माण केंद्र ने संगीत, मनोरंजन, धारावाहिक के अच्छे कार्यक्रमों की रिकार्डिंग की, जिनमें फिल्मों के पार्श्व गायकों, फ्रीलांस पॉप सिंगरों, बैंड और देश के विभिन्न भागों के पश्चिमी पॉप कलाकारों ने भाग लिया। केंद्र ने कुछ लंबे नाटकीय धारावाहिकों का भी निर्माण किया है इनमें से कुछ का प्रसारण किया गया। केंद्रीय कार्यक्रम निर्माण केंद्र द्वारा निर्मित अनेक कार्यक्रम विदेशी टेलिविजन नेटवर्क को बेचे गए।

3.12.2. वर्ष के दौरान केंद्रीय निर्माण केंद्र ने चुनाव विश्लेषण से संबंधित 60 घंटे का 'इंडिया वोट्स-96' कार्यक्रम का आयोजन और प्रसारण किया। इस कार्यक्रम की काफी सराहना की गई। इसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न जनजातीय समुदायों के बारे में भी कार्यक्रम रिकार्ड किए। इस काम के लिए या तो इन समुदायों के लोगों को स्टुडियो लाया गया या कैमरा टीम उनके आवास स्थलों तक गई। इससे न सिर्फ इन जनजातीय समुदायों को लोकप्रियता मिली बल्कि देश के लोगों ने भी उनकी जीवन पद्धति, परंपराओं, रीति-रिवाजों, संगीत और नृत्यों को देखा।

3.12.3 उड़ीसा के जनजातीय क्षेत्र में 'चैत्र पर्व' और 'छाऊ मयूर भंज' शैली की कला के बारे में भी कार्यक्रम बनाए गए। अंतर्राष्ट्रीय बाल प्रसारण दिवस के लिए केंद्रीय निर्माण केंद्र ने एक घंटे के कार्यक्रम 'टयूनिंग टू किड्स' का आयोजन किया। यह कार्यक्रम बच्चों के लिए और बच्चों द्वारा निर्मित था, जिसमें विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर बच्चों ने अपने विचार रखे।

3.12.4 शास्त्रीय संगीत और नृत्य धारावाहिकों पर अनेक कार्यक्रम विदेशी नेटवर्क से खरीदे गए। इसके बदले में दूसरे देशों को भी कार्यक्रम भेजे गए। केंद्रीय निर्माण केंद्र संगीत और नृत्य के कार्यक्रम के लिए प्रमुख शास्त्रीय गायकों और नर्तकों को आमंत्रित करता है। आमंत्रित दर्शकों के समक्ष इन कार्यक्रमों की रिकार्डिंग केंद्रीय निर्माण केंद्र की एक अन्य विशेषता है।

**1996 के दौरान केंद्रीय निर्माण केंद्र की उपलब्धियाँ**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | **वर्ष के दौरान निर्मित कार्यक्रम** | — | **279 घंटे** |
| 2. | **कुल प्रसारित कार्यक्रम** | — | **352 घंटे (पूर्व निर्मित कार्यक्रम समेत)** |
| 3. | **पिछले वर्ष के मुकाबले निर्माण में वृद्धि** | — | **39.5 प्रतिशत** |

## डी.डी-2 मैट्रो मनोरंजन चैनल

3.13.1 26 जनवरी 1993 को दूरदर्शन ने अग्रणी योजना के आधार पर एक घंटे के मैट्रो प्रसारण की शुरूआत की थी। इस समय रोजाना 17 घंटे के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है और मैट्रो चेनल के कार्यक्रम देश के विभिन्न भागों के 43 से अधिक नगरों में, 16 करोड़ 70 लाख लोगों द्वारा देखे जा सकते हैं। इस चैनल को अब डी.डी-2 के तौर पर जाना जाता है। टेरेस्ट्रियल ट्रांसमीटरों के अलावा यह चैनल इनसैट उपग्रह के जरिए भी उपलब्ध है।

3.13.2. इस चैनल पर प्रसारित लगभग सभी कार्यक्रम प्रायोजित और मनोरंजक होते हैं। हास्य, परिवार, नाटक और फिल्मों पर आधारित धारावाहिक शाम 8 बजे से रात 10 बजे तक प्राइम टाइम में प्रसारित किए जाते हैं। नॉन-प्राइम टाइम प्रसारणों में क्विज़, चैट शोज़, खेल, बिजनेस शोज़, अंग्रेजी धारावाहिक, संगीत आधारित कार्यक्रम, विज्ञान और शैक्षिक कार्यक्रम शामिल हैं। प्रायोजित हिंदी समाचार पत्रिका 'आज तक' रात दस बसे प्रसारित की जाती है तथा दूरदराज के क्षेत्रों से समाचार का प्रसारण रात 8 बज कर 55 मिनट पर होता है। चेन्नई, मुम्बई और कलकत्ता से 2 घंटे का स्थानीय कार्यक्रम और 10 मिनट का क्षेत्रीय समाचार बुलेटिन का भी प्रसारण होता है। दिल्ली से प्रसारित कार्यक्रम 40 अन्य ट्रांसमीटरों पर भी उपलब्ध होते हैं। शुक्रवार/शनिवार को देर रात में अंग्रेजी फीचर फिल्मों के अलावा इस चैनल पर शनिवार और रविवार को दोपहर बाद हिंदी फीचर फिल्मों का भी प्रसारण किया जाता है।

## क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा

3.14.1 देश की ऐसी कुछ प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं, जो पांच करोड़ से अधिक लोग बोलते हैं, के लिए अतिरिक्त साफ्टवेयर उपलब्ध कराने के लिए दूरदर्शन से कई क्षेत्रीय भाषा उपग्रह चैनल प्रारंभ किए हैं। (डी.डी-4 से डी.डी-11 और डी.डी-13) इनके अंतर्गत असमिया, बंगला, गुजराती, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालयम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगु में कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। इस चैनल के कार्यक्रमों में क्षेत्रीय प्रसारण सेवाएं शामिल रहती हैं जो संबंधित राज्यों में ही उपलब्ध रहती हैं। इसके अलावा डिश एंटेना का इस्तेमाल करके कुछ और कार्यक्रम भी देखे जा सकते हैं। इनसैट उपग्रह की पहुंच अब समूचे देश में है इसलिए क्षेत्रीय भाषाओं के कार्यक्रम अब देश के सभी लोगों के लिए, चाहे वे किसी भी स्थान पर क्यों न रहते हों, उपलब्ध हैं। इस तरह क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा के जरिए क्षेत्रीय भाषाओं में और अधिक कार्यक्रम प्रसारित करना आसान हो गया है। देशभर के दर्शक अब क्षेत्रीय भाषा कार्यक्रमों का आनंद ले सकते हैं। जहां क्षेत्रीय सेवा के कार्यक्रम कुछ खास राज्यों में देखे जा सकते हैं, वहीं उपग्रह के जरिए इन्हें राज्यों से बाहर भी देखा जा सकता है। दूसरी ओर क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा के अंतर्गत प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों (विशिष्ट उपग्रह कार्यक्रम) को संबंधित राज्य के अलावा अन्य राज्यों में उपग्रह के जरिए देखा जा सकता है।

3.14.2 दूरदर्शन के क्षेत्रीय भाषाओं के उपग्रह चैनल 1 अक्तूबर, 1993 से शुरू हुए। इनके जरिए असमिया, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मलयालयम, मराठी, उड़िया, तमिल और तेलुगु में कार्यक्रम प्रसारित होते हैं। दूरदर्शन के चार उपग्रह चैनलों से सप्ताह में पांच दिन नॉन-प्राइम टाइम पर प्रसारण किया गया। 1 फरवरी, 1994 से तीन अलग चैनलों (कन्नड़, मलयालम, तमिल और तेलुगु के लिए) डी.डी-4 तथा (कश्मीरी, गुजराती, मराठी और पंजाबी के लिए) डी.डी-6 का दिल्ली से उपग्रह संपर्क स्थापित किया गया।

3.14.3 15 अगस्त, 1994 से प्रत्येक भाषा के लिए अलग चैनल शुरू किया गया। राज्यों की राजधानी से उपग्रह संपर्क की व्यवस्था को क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा से समन्वित कर दिया गया। इस तरह हर भाषा के लिए अलग चैनल उपलब्ध हो जाने से जहां राज्यों के दर्शकों को सबसे सुविधाजनक प्राइम समय

में क्षेत्रीय भाषाओं में अधिक समय के कार्यक्रम उपलब्ध होने लगे, वहीं देशभर में दर्शकों को क्षेत्रीय कार्यक्रम और समाचार देखने का अवसर मिला है। क्षेत्रीय भाषा उपग्रह सेवा के अन्तर्गत सूचनात्मक और मनोरंजक कार्यक्रम, फिल्में, फिल्मी गीत, धारावाहिक और नाटक आदि प्रसारित किए जाते हैं।

## डी.डी-3

3.15.1. डी.डी-3 चैनल की शुरुआत 14 नवंबर 1995 को हुई। और यह दिल्ली, मुम्बई, कलकत्ता तथा चेन्नई में उपलब्ध है। इसके अलावा इसके कार्यक्रम देश के अन्य भागों में भी देखे जा सकते हैं। आरंभ में यह इनसैट-2 बी उपग्रह के सी-बैंड ट्रांसपोंडर पर था, लेकिन पहली नवंबर 1996 से अब यह इनसेट-2-सी उपग्रह के सी बैंड ट्रांसपोंडर पर उपलब्ध है। शुरू शुरू में साढ़े 6 घंटे रोजाना कार्यक्रम प्रसारित किए जाते थे जिसे 1 नवंबर 1996 से बढ़ा कर साढ़े 12 घंटे से अधिक कर दिया गया है।

## डी.डी.1- अंतर्राष्ट्रीय

3.16.1. दूरदर्शन अंतर्राष्ट्रीय चैनल की 3 घंटे की सेवा एशिया सैट पर सोमवार से शुक्रवार तक 14 मार्च 1995 से शुरू हुई। 30 सितंबर 1995 को यह सेवा पैन-एम सैट पर हस्तांतरित कर दी गई। प्रसारण की अवधि 15 जुलाई 1996 से बढ़ाकर 4 घंटे कर दी गई। इसका प्रसारण अब सप्ताह के सभी दिनों में किया जाता है। 15 नवंबर 1996 से दूरदर्शन अंतर्राष्ट्रीय चैनल की अवधि बढ़ाकर 18 घंटे कर दी गई। इसके कार्यक्रमों में भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थितियों के बारे में जानकारी होती है। इस चैनल पर हिंदी और अंग्रेजी में रोजाना एक-एक समाचार बुलेटिन प्रसारित किया जाता है। दैनिक कार्यक्रम 'इंडिया फाइल' का भी प्रसारण होता है जिसमें वाणिज्य और व्यापार की खबरें होती हैं। वर्ष के दौरान विभिन्न देशों में स्थानीय केबल टेलिविजन ऑपरेटरों के जरिए इस चैनल के कार्यक्रम प्रसारित करने के प्रयास किए गए। दूरदर्शन ने अब तक मैसर्स ए.टी.एन. कनाडा, और एशियानेट, अमरीका तथा

प्रसारण अधिकारों के अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद भारतीय हाकी फेडरेशन के अध्यक्ष श्री के.पी.एस. गिल दूरदर्शन के महानिदेशक श्री के.एस. शर्मा के साथ दस्तावेजों का आदान-प्रदान करते हुए। साथ में सूचना और प्रसारण मंत्री श्री सी.एम. इब्राहिम भी हैं।

ब्रिटेन के साथ समझौते किए हैं।

## सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय विपणन

3.17.1 1996-97 में दूरदर्शन ने चीन के 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की और सहयोग के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई उनके उपमंत्री ने की थी। भारतीय कला-संस्कृति को बढ़ावा देने और भारतीय दृष्टिकोण को उजागर करने के उद्देश्य से 12 घंटे के कार्यक्रम विदेशों को निःशुल्क दिए गए। दूरदर्शन ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अपने कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए 3 सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल को एम.आई.पी. टेलिविजन समारोह में केंस (फ्रांस) भेजा। वर्ष के दौरान दूरदर्शन ने अमरीका, ब्रिटेन, जापान, कनाडा और मलेशिया की विदेशी पार्टियों को करीब 1 लाख 60 हजार अमरीकी डालर के कार्यक्रम बेचे। बुद्धदेव दास गुप्त की पुरस्कृत फिल्म 'टाइगर मैन' ब्रिटेन के चैनल-4 को बेची गई। दूरदर्शन ने भारतीय पार्टियों को भी सेवाएं उपलब्ध कराई और कार्यक्रम बेचे तथा इससे 17 लाख रुपये की आमदनी हुई।

## कार्यक्रम सलाहकार समिति

3.18.1 विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञों की राय जानने के उद्देश्य से प्रमुख दूरदर्शन केंद्रों में कार्यक्रम सलाहकार समिति का गठन किया गया है। विशेषज्ञों के पैनल में क्षेत्र विशेष में उपलब्ध अनेक विषयों और रूचि रखने वाले ग्रुप के लोग शामिल हैं।

3.18.2 गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में विशेषज्ञों का नामांकन संबंधित राज्यों के सूचना विभाग से सलाह मशविरा करके किया जाता है। कार्यक्रम सलाहकार समिति पिछली बैठक के बाद से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा करती है तथा कार्यक्रमों में सुधार और आगे की अवधि की योजना तथा कार्यक्रम निर्माण से संबंधित मुद्दे पर सुझाव भी देती है। बैठक की अध्यक्षता संबंधित केंद्र के निदेशक करते हैं तथा इंजीनियरिंग प्रभाग के प्रमुख और कार्यक्रम प्रभाग के अधिकारी उनका सहयोग करते हैं। इसके अलावा दूरदर्शन केंद्र अंतर-संचार माध्यम समन्वय समिति से भी जुड़ा हुआ है ताकि राज्य में विभिन्न मीडिया एककों के साथ कार्यक्रमों को समन्वित और प्रगति को मॉनीटर किया जा सके।

## दर्शक अनुसंधान

3.19.1 19 दूरदर्शन केंद्रों में दर्शक अनुसंधान इकाइयों की स्थापना की गई है। दर्शक अनुसंधान इकाई का मुख्य कार्य दूरदर्शन नेटवर्क पर प्रसारित कार्यक्रमों के बारे में अनुसंधान उपलब्ध कराना है। इस उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की अनुसंधान प्रणालियां उपयोग में लाई जाती हैं। दर्शक अनुसंधान के कार्यों का प्रबन्ध व्यावसायिक तौर पर प्रशिक्षित लोग करते हैं। दूरदर्शन के राष्ट्रीय, मैट्रो और मुख्य क्षेत्रीय नेटवर्क पर दूरदर्शन दर्शक अनुसंधान टेलिविजन रेटिंग यानि डार्ट रेटिंग देने की व्यवस्था 1993 में शुरू की गई और यह व्यवस्था अब 33 शहरों में लागू की गई है। हर शहर में पैनल के सदस्यों में टेलिविजन के कार्यक्रम देखने वाले समाज के विभिन्न वर्ग के लोग हैं। डार्ट रेटिंग को दूरदर्शन पर और प्रमुख समाचारपत्रों के माध्यम से भी प्रचारित किया जाता है। विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन एजेंसियों को भी इसकी सप्लाई की जाती है।

3.19.2 दर्शन अनुसंधान इकाई निदेशालय और केंद्रों के लिए डेटा बैंक के तौर पर भी काम करती है। मुख्यालय स्थित दर्शक अनुसंधान इकाई ने 'दूरदर्शन 1996' का प्रकाशन किया जिसमें मीडिया खासतौर पर दूरदर्शन को केंद्र में रखकर देश की स्थिति के बारे में सूचनाओं का संग्रह है। हाल ही में टेलिविजन मालिकों और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलिविजन के कार्यक्रम देखने वालों के बारे में एक राष्ट्रीय सर्वेक्षण का काम भी शुरू किया गया। इस सर्वेक्षण के नतीजों से ग्रामीण क्षेत्रों में मीडिया की स्थिति समझने में मदद मिलेगी, साथ ही इससे ग्रामीण दर्शकों के लिए दूरदर्शन के कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। यह इकाई बाजार अनुसंधान, संचार अनुसंधान संगठनों आदि से भी संपर्क बनाए रखती है, और मीडिया के बारे में उनके अनुसंधान को भी मॉनीटर करती है।

## लोक सेवा संचार परिषद

3.20.1 क्विकीज, लघु फिल्म और राष्ट्रीय एकता, पर्यावरण, उपभोक्ता जागरूकता तथा नशीले पदार्थों की बुराई जैसे सार्वजनिक महत्व के मुद्दों पर संदेशों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनवरी, 1987 में लोक सेवा संचार परिषद् का गठन किया गया। परिषद् एक गैर-सरकारी निकाय है जहां सभी सदस्य स्वयं सेवी आधार पर अपनी सेवाएं देते हैं। कार्यक्रम—क्विकीज के प्रस्तुतीकरण का खर्च, जैसे प्रयोगशाला शुल्क और परिवहन आदि का वहन आमतौर से भारतीय विज्ञापनदाता समिति के जरिए विज्ञापनदाता करते हैं। इसके कला और तकनीकी पक्षों की निगरानी विज्ञापन एजेंसियां निःशुल्क करती हैं। दूरदर्शन इन संदेशों को निःशुल्क प्रसारित करता है।

## दूरदर्शन नेटवर्क ( 15.1.97 तक )

| क्र. सं. | राज्य/केंद्र शासित प्रदेश | पी.पी.सी. | प्राइमरी कवरेज ( डी.डी.-I ) ट्रांसमीटर | | | | | मैट्रो चैनल ( डी.डी.-II ) ट्रांसमीटर | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | उ.श.ट्रां. | नि.श.ट्रां. | अ.नि.श.ट्रां. | ट्रांस्पो. | कुल | उ.श.ट्रां. | नि.श.ट्रां. | अ.नि.श.ट्रां. | कुल |
| 1. | असम | 3 | 3 | 18 | 1 | 1 | 23 | — | 1 | — | 1 |
| 2. | आंध्र प्रदेश | 1 | 6 | 48 | 5 | 1 | 60 | — | 1 | — | 1 |
| 3. | अरुणाचल प्रदेश | 1 | 1 | 2 | 18 | — | 21 | — | 1 | — | 1 |
| 4. | बिहार | 4 | 5 | 36 | — | 1 | 42 | — | 1 | — | 1 |
| 5. | गोआ | 1 | 1 | — | — | — | 1 | — | — | — | — |
| 6. | गुजरात | 2 | 4 | 38 | 2 | — | 44 | 1 | 1 | — | 2 |
| 7. | हरियाणा | — | — | 7 | — | — | 7 | — | 1 | — | 1 |
| 8. | हिमाचल प्रदेश | 1 | 2 | 5 | 17 | 2 | 26 | — | 1 | — | 1 |
| 9. | जम्मू-कश्मीर | 2 | 4 | 3 | 27 | 1 | 35 | — | 3 | — | 3 |
| 10. | केरल | 1 | 3 | 16 | 2 | — | 21 | — | 3 | — | 3 |
| 11. | कर्नाटक | 2 | 4 | 35 | 1 | — | 40 | — | 1 | — | 1 |
| 12. | मध्यप्रदेश | 2 | 6 | 60 | 5 | 1 | 72 | — | 1 | — | 1 |
| 13. | मेघालय | 2 | 2 | 2 | 2 | — | 6 | — | 2 | — | 2 |
| 14. | महाराष्ट्र | 2 | 5 | 57 | 4 | 1 | 67 | 1 | 1 | — | 2 |
| 15. | मणिपुर | 1 | 1 | 1 | 4 | — | 6 | — | 1 | — | 1 |
| 16. | मिजोरम | 1 | 2 | — | 1 | — | 3 | — | 1 | — | 1 |
| 17. | नगालैंड | 1 | 1 | 2 | 3 | 1 | 7 | — | 1 | — | 1 |
| 18. | उड़ीसा | 2 | 3 | 50 | 4 | 1 | 58 | 1 | 4 | 2 | 7 |
| 19. | पंजाब | 1 | 3 | 5 | — | 1 | 9 | — | 1 | — | 1 |
| 20. | राजस्थान | 1 | 2 | 47 | 10 | 2 | 61 | — | 2 | — | 2 |
| 21. | सिक्किम | — | 1 | — | 3 | — | 4 | — | 1 | — | 1 |
| 22. | तमिलनाडु | 1 | 3 | 30 | 4 | 2 | 39 | 1 | - | - | 1 |
| 23. | त्रिपुरा | 1 | 1 | — | — | 1 | 2 | — | 1 | — | 1 |
| 24. | उत्तरप्रदेश | 3 | 9 | 50 | 17 | 4 | 80 | — | 3 | — | 3 |
| 25. | पश्चिम बंगाल | 2 | 4 | 15 | 2 | — | 21 | 1 | — | — | 1 |
| 26. | दिल्ली | 1 | 1 | — | — | — | 1 | 1 | — | — | 1 |
| 27. | अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 1 | — | 2 | 9 | — | 11 | — | — | — | — |
| 28. | दमण और दीव | — | — | 1 | 1 | — | 2 | — | — | — | — |
| 29. | पांडिचेरी | 1 | — | 2 | 2 | — | 4 | — | — | — | — |
| 30. | लक्षद्वीप | — | — | 1 | 8 | — | 9 | — | — | 1 | 1 |
| 31. | चंडीगढ़ | — | — | 1 | — | — | 1 | — | 1 | — | 1 |
| 32. | दादरा-नागर हवेली | — | — | — | 1 | — | 1 | — | — | — | — |
| | कुल | 41 | 77 | 534 | 153 | 20 | 784 | 6 | 34 | 3 | 43 |

उपर्युक्त ट्रांसमीटरों के अलावा डी डी-3 चैनल के कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता और चेन्नई में चार उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाहियों के प्रसारण के लिए दिल्ली में दो निम्नशक्ति ट्रांसमीटर और कश्मीर चैनल के कार्यक्रमों को रिले करने के लिए श्रीनगर में निम्नशक्ति का एक ट्रांसमीटर कार्यरत हैं। ट्रांसमीटरों की कुल संख्या—834

**1996-97 ( 15.1.97 तक ) के दौरान कमीशंड टी.वी. परियोजनाएं**

1. स्टूडियो सुविधाएं : — अंतरिम स्टूडियो, शांतिनिकेतन पार्श्व सुविधाएं, गंगतोक

2. सैटेलाईट अपलिंकिंग सुविधाएं :— कलकत्ता में भू केंद्र, श्रीनगर में एस.एन.जी.

3. ट्रांसमीशन सुविधाएं

**(ए) कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर**

(9) भांडेर (मध्य प्रदेश), कृष्णागिरी (तमिलनाडु), मऊ रानीपुर (उत्तर प्रदेश), कासगंज (उत्तर प्रदेश), महोबा (उत्तर प्रदेश), थोडूपुजा (केरल), फूलपारस (बिहार), पुट्टूर (कर्नाटक), आरसीकेरे (कर्नाटक)

**(बी) अत्यंत कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर**

(33) जशपुरनगर (मध्यप्रदेश), खेड़ (महाराष्ट्र), नेत्रंग (गुजरात), चिंतापल्ली (आंध्रप्रदेश), पार्वतीपुरम (आंध्रप्रदेश), कंजीरापल्ली (केरल), उदूमालपेर (तमिलनाडु), वाजापड़ी (तमिलनाडु), बरातंग (अ.नि. द्वीपसमूह), कतचल (अं.नि. द्वीपसमूह), हैवलॉक (अं. नि. द्वीपसमूह), बांडला (हिमाचल प्रदेश), भारती (हिमाचल प्रदेश), भीम (राजस्थान), जावर माइन्स (राजस्थान), फतेहपुर (राजस्थान), मंडलगढ़ (राजस्थान), बागेश्वर (उत्तर प्रदेश), डीडीहाट (उत्तर प्रदेश), घंड्याल (उत्तर प्रदेश), कल्जीखाल (उत्तर प्रदेश), वल्पराई (तमिलनाडु), देवीकोलम (केरल), नयागढ़ (उड़ीसा), गज्जा (उत्तर प्रदेश), देवप्रयाग (उत्तर प्रदेश), जोशीमठ (उत्तर प्रदेश), कलकतांग (अरूणाचल प्रदेश), छयंगतजो (अरूणाचल प्रदेश), मोरे (मणिपुर), थूमलरामपुर (उड़ीसा), बड़ा बारबिल (उड़ीसा), कोंडागांव (मध्यप्रदेश)।

3.20.2 लोकसेवा संचार परिषद् के लोगो के तहत अनेक क्विकीज का प्रसारण किया गया। इसमें स्वतंत्रता दौड़, एक सुर, रागदेश के चुनिंदा शास्त्रीय अंश, गांधी जी, हेल्मेट सुरक्षा, कार-दुर्घटना, नगर पालिका की मदद से आपकी मदद, जल संरक्षण (टैप), जल संरक्षण (पुरुषा दाढ़ी बनाते और बच्चा दांतों में ब्रुश करते), एंटी बर्न्स, राष्ट्र गान और मिस वर्ल्ड-1994 सुश्री ऐश्वर्यराय वाली फिल्म 'नेत्रदान' आदि शामिल हैं। अनेक अन्य लोक सेवा फिल्में तैयार हो रही हैं और इनके तैयार होते ही प्रसारण किया जाएगा।

3.20.3 फोर्ड फाउंडेशन के सहयोग से लोक सेवा संचार परिषद् ने लोक सेवा संचार पहल शुरू की है जिसमें पर्यावरण, स्थायी विकास, सामाजिक न्याय और महिलाओं के मुद्दे जैसे विषयों पर जोर दिया गया है। इन विषयों पर लोक सेवा फिल्म/स्पॉट वृत्त चित्र/टेलीफिल्म बनाई और प्रसारित की जाएंगी। अनेक फिल्म निर्माताओं ने लोक सेवा संचार पहल में दिलचस्पी ली है। 1997 में अंत तक लोक सेवा संचार पहल द्वारा तैयार फिल्मों का टेलीविजन प्रसारण हो सकेगा। परिषद सामाजिक उत्तरदायित्व पर भी अभियान शुरू कर रही है जहां अच्छे नागरिक व्यवहार, शिष्टाचार और मिलजुलकर काम करने की भावना पर जोर होगा।

# 4

# फिल्म

## फिल्म प्रभाग

4.1.1 राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रभाग का लक्ष्य और उद्देश्य राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू करने की दिशा में लोगों का सक्रिय समर्थन और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें शिक्षित और प्रेरित करना है। साथ ही, प्रभाग का लक्ष्य भारतीय और विदेशी दर्शकों के समक्ष भारत की छवि और इसकी विरासत को प्रस्तुत करना है। इसका मकसद वृत्तचित्र आंदोलन की गति को और तेज करना भी है—जो भारत में सूचना, संचार और अखंडता के क्षेत्र में काफी महत्व रखता है।

4.1.2 प्रभाग अपने मुंबई स्थित मुख्यालय में वृत्तचित्रों/समाचार पत्रिकाओं का, दिल्ली में कृषि, रक्षा और परिवार कल्याण पर फिल्मों का तथा अपने कलकत्ता और बंगलौर के क्षेत्रीय केंद्रों पर लघु वृत्तचित्रों का निर्माण करता है। यह देश भर के 12,623 से अधिक सिनेमाघरों और क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयों, राज्य सरकारों की सचल इकाइयों, दूरदर्शन, परिवार कल्याण विभाग की क्षेत्रीय इकाइयों, शिक्षण संस्थानों और स्वयंसेवी संगठनों जैसी गैर-थिएटर इकाइयों को फिल्में उपलब्ध कराता है। सिनेमाघरों के लिए प्रभाग द्वारा जारी की जाने वाली फिल्मों में राज्य सरकारों के वृत्तचित्र और न्यूजरील भी शामिल हैं। यह फिल्मों के प्रिंट, स्टाक शाट्स, वीडियो कैसेट और भारत तथा विदेशों में लघु फीचर फिल्मों के वितरण अधिकार भी बेचता है।

4.1.3 मुंबई में चार अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनीमेशन फिल्म समारोह आयोजित करने के बाद प्रभाग विश्व के वृत्तचित्र आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरा है। यह फरवरी 1998 में होने वाले पांचवें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह की तैयारी कर रहा है।

4.1.4 प्रभाग का संगठन मोटे तौर पर चार भागों में बंटा

राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा से दादासाहेब फालके पुरस्कार ग्रहण करते हुए प्रख्यात कन्नड़ फिल्म अभिनेता डॉ० राजकुमार

हुआ है — निर्माण, वितरण, अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र तथा लघु फिल्म समारोह और प्रशासन।

## निर्माण

4.2.1 मुंबई स्थित मुख्यालय के अलावा प्रभाग के तीन निर्माण केंद्र बंगलौर, कलकत्ता और दिल्ली में अवस्थित हैं। निर्माण खंड पर वृत्तचित्रों, समाचार पत्रिकाओं, ग्रामीण दर्शकों के लिए खासतौर पर बनाई गई लघु फीचर फिल्मों और एनिमेशन फिल्मों के निर्माण की जिम्मेदारी होती है।

4.2.2 प्रभाग अपने वार्षिक निर्माण कार्यक्रम का लगभग 60 प्रतिशत अपने निर्देशकों और निर्माताओं के जरिए तैयार कराता है। निर्मित वृत्तचित्रों का विषय व्यापक होता है जिसमें मानव-गतिविधियों और उद्यम के विभिन्न क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाता है।

4.2.3 आमतौर पर प्रभाग व्यक्तिगत क्षमताओं को बढ़ावा देने और देश में वृत्तचित्र आंदोलन को तेज करने के लिए अपने विभिन्न केंद्रों के निर्माण कार्यक्रम का लगभग 40 प्रतिशत स्वतंत्र फिल्म निर्माताओं को देने के लिए आरक्षित रखता है। अपने सामान्य कार्यक्रम के अतिरिक्त प्रभाग वृत्तचित्रों के निर्माण में सभी मंत्रालयों और सरकारी विभागों सहित सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों को सहयोग भी प्रदान करता है।

4.2.4 न्यूजरील खंड का प्रमुख एक संयुक्त मुख्य निर्माता होता है जिसकी सहायता निर्देशक, न्यूजरील अधिकारी और सहायक न्यूजरील अधिकारीगण करते हैं। इन अधिकारियों के नेटवर्क में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियों सहित प्रमुख नगर और कस्बे शामिल होते हैं। इसके द्वारा की गई कवरेज का इस्तेमाल पाक्षिक समाचार पत्रिकाएं तैयार करने और पुरातात्विक सामग्री के संग्रहण के लिए किया जाता है।

4.2.5 प्रभाग की कार्टून फिल्म इकाई ने लगातार एनिमेशन फिल्मों का निर्माण कर श्रेष्ठता हासिल की है। इकाई द्वारा निर्मित एनिमेशन फिल्मों को दुनिया भर में एक अलग पहचान मिली है। यह इकाई वृत्तचित्रों और समाचार पत्रिकाओं के लिए एनिमेशन कथाक्रम भी तैयार करती है। अब यह इकाई कठपुतली फिल्मों के निर्माण के लिए पूरी तरह सुसज्जित है।

4.2.6 कमेंटरी अनुभाग जब कभी भी जरूरी हो, अंग्रेजी अथवा हिंदी के मूल पाठ से 14 भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं में फिल्मों और समाचार पत्रिकाओं की डबिंग का काम देखता है।

4.2.7 प्रभाग की दिल्ली इकाई कृषि मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और परिवार कल्याण विभाग के लिए शैक्षिक और प्रेरक फिल्मों के निर्माण के लिए जिम्मेदार है।

4.2.8 कलकत्ता और बंगलौर स्थित प्रभाग के क्षेत्रीय केंद्र सामयिक सामाजिक विषयों पर 16 एम.एम.की लगभग एक घंटे की अवधि वाली ग्रामोन्मुख लघु फीचर फिल्में बनाते हैं। सामाजिक संदर्भ वाली इन फिल्मों की कथा इस प्रकार विकसित की जाती है कि वे सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों, जैसे परिवार कल्याण तथा सांम्प्रदायिक सद्भाव के संदेश को फैला सकें और दहेज, बंधुआ मजदूरी, अस्पृश्यता आदि जैसी बुराइयों की ओर ध्यान आकर्षित करें।

4.2.9 तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगला, मलयालम, असमिया, उड़िया और देश के उत्तर-पूर्व तथा दक्षिणी क्षेत्रों की विभिन्न बोलियों में निर्मित फिल्मों में स्थानीय भाषा और क्षेत्र विशेष की खुशबू बरकरार रखने के लिए इनमें कथा-लेखन और अभिनय के लिए स्थानीय लोगों के कौशल का इस्तेमाल किया जाता है। यह योजना अब उत्तर तथा पश्चिमी क्षेत्र की भाषाओं और बोलियों में भी फिल्में बनाने के लिए लागू की जा रही है।

## वितरण

4.3.1 फिल्म प्रभाग के वितरण खंड के शाखा कार्यालय 1,500 सिनेमाघरों पर एक कार्यालय के अनुपात में हैं। वर्तमान में बंगलौर, चेन्नई, कलकत्ता, हैदराबाद, लखनऊ, मदुरै, मुंबई, नागपुर, तिरुअनंतपुरम और विजयवाड़ा में 10 वितरण शाखा कार्यालय हैं। 1996 में प्रभाग ने देशभर के 12,623 सिनेमाघरों को फिल्में उपलब्ध कराईं जिनके दर्शकों की संख्या नौ से दस करोड़ प्रति सप्ताह है।

4.3.2 वितरण खंड क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की सचल इकाइयों और केंद्र तथा राज्य सरकारों के विभागों को 16 एम.एम. के प्रिंटों की आपूर्ति भी करता है। एक मोटे आकलन के अनुसार इन इकाइयों द्वारा प्रत्येक सप्ताह लगभग चार से पांच करोड़ लोगों को फिल्में दिखाई जाती हैं। इसके अलावा प्रभाग के वृत्तचित्र दूरदर्शन के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय नेटवर्क पर भी प्रसारित किए जाते हैं। देशभर के शैक्षिक संस्थान और सामाजिक संगठन प्रभाग के वितरण शाखा कार्यालय की लाइब्रेरी से फिल्में उधार भी लेते हैं।

4.3.3 प्रभाग की फिल्मों के वीडियो कैसेट रेलवे, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, केंद्र और राज्य सरकार के विभागों शैक्षिक संस्थानों और निजी खरीदारों को गैर-व्यावसायिक उपयोग के लिए बेचे जाते हैं। अप्रैल-दिसंबर 1996 तक गैर-व्यावसायिक उपयोग के लिए 934 कैसेट बेचे गए।

4.3.4 विदेश मंत्रालय का विदेश प्रचार विभाग प्रभाग की चुनिंदा फिल्मों के प्रिंट विदेश स्थित भारतीय मिशनों को वितरित करता है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड और निजी एजेंसियां फिल्मों के अंतर्राष्ट्रीय वितरण की भी व्यवस्था करती हैं। इन फिल्मों को विदेशी वीडियो और टी.वी. नेटवर्कों को रायल्टी के आधार पर देकर उनका व्यावसायिक उपयोग भी किया जाता है।

## अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र और लघु फिल्म समारोह

4.4 फिल्म प्रभाग को मुंबई अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र, लघु और एनिमेशन फिल्म समारोह आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह समारोह द्विवार्षिक होता है। पहला मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह मार्च 1990 में, दूसरा फरवरी 1992 में, तीसरा 1-7 फरवरी 1994 में और चौथा समारोह 29 जनवरी से 5 फरवरी, 1996 तक आयोजित किया गया था। पांचवां मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह फरवरी 1998 में होने वाला है।

## प्रशासन

4.5 प्रशासन खंड प्रभाग के अन्य खंडों को वित्त, कार्मिक, भंडार और उपकरण जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराता है। यह स्थापना, भंडार, लेखा, फैक्ट्री प्रबंध और सामान्य प्रशासन से संबंधित सभी मामलों के लिए उत्तरदायी है।

## निष्पादन

4.6.1 अप्रैल से दिसंबर 1996 के दौरान प्रभाग ने 13 समाचार पत्रिकाओं और 15 वृत्तचित्रों/लघु फीचर फिल्मों का निर्माण किया। इन 15 फिल्मों (66 रील) में से सात फिल्मों (20 रील) का निर्माण विभागीय तौर पर और आठ फिल्मों (46 रील) का निर्माण स्वतंत्र निर्माताओं द्वारा किया गया।

4.6.2 प्रभाग सांप्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, अस्पृश्यता निवारण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, दहेज और मद्यनिषेध जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियानों को अपने वृत्तचित्रों, समाचार पत्रिकाओं तथा 16 एम.एम. की लघु फीचर फिल्मों के द्वारा लगातार प्रचार और संचार सहयोग उपलब्ध कराता है।

**निष्पादन सुधारने के लिए समिति**

**संचार साधनों पर स्थायी समिति की सिफारिश पर फिल्म प्रभाग के कार्यकलापों की जांच करने और इसका निष्पादन सुधारने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की अनुशंसा करने के लिए प्रसिद्ध फिल्मी हस्ती श्री श्याम बेनेगल की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। समिति के विचाराधीन विषय निम्नरूपेण हैं :**

**(अ) सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए वृत्तचित्रों और समाचार पत्रिकाओं के निर्माण, विपणन और वितरण के क्षेत्र में फिल्म प्रभाग के उद्देश्यों, कार्यों और क्रियाविधियों का पुनरीक्षण करना और विशेषतः जनसंचार के क्षेत्र में मौजूदा प्रवृत्तियों के मद्देनजर इसे अधिक प्रभावी संगठन बनाने की संभावना की जांच करना,**

**(आ) फिल्म प्रभाग की कार्यप्रणाली में यदि कोई कमियां हों तो उनकी पहचान करना और इस संदर्भ में सुधार के लिए उचित उपाय सुझाने के साथ-साथ इसकी भावी भूमिका, संगठनात्मक ढांचा तथा अन्य संबंधित मामलों पर संस्तुतियां देना, और**

**(ई) समिति को अपनी संस्तुतियां देने के लिए आवश्यक अन्य किसी संबद्ध मामले की जांच करना।**

4.6.3 इस अवधि में प्रभाग ने (1) बालगोबिन भगत, (2) भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में केरल का योगदान, (3) पल्स पोलियो टीकाकरण और (4) महाराष्ट्र सरकार के लोक स्वास्थ्य विभाग की ओर से 'छोटा बच्चा समझ के' शीर्षक से पल्स पोलियो टीकाकरण पर हाई-बैंड पर एक वीडियो स्पॉट जैसी उल्लेखनीय फिल्में निर्मित की।

4.6.4 प्रभाग विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लेता रहा है। दिसंबर 1996 तक की अवधि में प्रभाग ने दो राष्ट्रीय और 18 अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में भाग लिया जिनमें क्रमशः 52 और 35 फिल्में दिखाई गईं। प्रभाग को पांच राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुए।

## राजस्व

4.7.1 अप्रैल से दिसंबर 1996 के दौरान प्रभाग ने सिनेमाघरों को 33 वृत्तचित्रों और 13 समाचार पत्रिकाओं के 14,754 प्रिंट जारी किए। प्रभाग ने भारत और विदेशों में गैर-व्यावसायिक प्रयोग के लिए अपनी फिल्मों के 178 प्रिंट और 832 वीडियो कैसेट भी बेचे। दिसंबर 1996 तक प्रभाग ने कुल 125.84 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसमें स्टाक शॉट्स की बिक्री से प्राप्त 19.01 लाख रुपये भी शामिल हैं।

## फिल्म समारोह निदेशालय

4.8.1 अच्छे सिनेमा को बढ़ावा देने के मुख्य उद्देश्य से भारत सरकार ने 1973 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के तहत फिल्म समारोह निदेशालय की स्थापना की। इसके बाद से निदेशालय ने प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन कर भारतीय सिनेमा की सर्वोत्कृष्ट फिल्मों के लिए एक मंच उपलब्ध कराया है। यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक समझ और मित्रता को बढ़ावा देने वाला मंच भी साबित हुआ है। देश के भीतर इसने विश्व सिनेमा की नई प्रवृत्तियां आम लोगों तक पहुंचाई हैं।

## राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

4.8.2 43वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह के निर्णायक मंडल ने अप्रैल 1996 से फिल्मों की समीक्षा शुरू की। फीचर फिल्म निर्णायक मंडल की अध्यक्षता श्री हृषिकेश मुखर्जी ने और गैर-फीचर निर्णायक मंडल की अध्यक्षता श्रीमती विजया मुले ने की। सिनेमा पर सर्वोत्कृष्ट लेखन का निर्णय करने के लिए गठित समिति की अध्यक्षा सुश्री अरुणा वासुदेव थीं। पुरस्कार के लिए 88 फीचर फिल्में, 68 गैर-फीचर फिल्में, 12 किताबें और 17 समालोचनाएं शामिल की गई थीं। 6 अगस्त, 1996 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति डॉ० शंकर दयाल शर्मा ने पुरस्कार प्रदान किए। श्री अडूर गोपाल कृष्णन द्वारा निर्देशित 'कथापुरुषन' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला जबकि श्री रजत कपूर की 'तराना' (हिंदी) को सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया। सिनेमा पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तक का पुरस्कार श्री संजीत नर्वेकर द्वारा लिखित 'मराठी सिनेमा का सिंहावलोकन' (मराठी) को दिया गया। श्री एम.सी. राजा नारायणन को 1995 के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म समालोचक का पुरस्कार मिला। वर्ष 1995 का दादा साहेब फाल्के पुरस्कार वरिष्ठ कन्नड़ अभिनेता डॉ० राजकुमार को भारतीय सिनेमा में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए दिया गया।

## अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह

4.8.3 भारत का 28वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह तिरुअनंतपुरम में 10 से 20 जनवरी, 1997 तक आयोजित किया गया। यह गैर-प्रतियोगी फिल्म समारोह था। इस समारोह में विभिन्न वर्गों में भारत सहित 47 देशों की 214 फीचर और गैर-फीचर फिल्में शामिल थीं। इनमें सबसे अधिक 37 देशों की 78 फिल्में विश्व सिनेमा खंड में थीं। ये ऐसी फिल्में थीं जिन्होंने विभिन्न फिल्म समारोहों में पुरस्कार जीते या मान्यता प्राप्त की थी। सिंहावलोकन खंड में 41 फिल्में दिखाई गईं। मलयालम फिल्मकार श्री पी.ए. बाकर की तीन फिल्में, श्री तपन सिन्हा की एक फिल्म और श्रीमती स्मिता पाटिल की दो फिल्में श्रद्धांजलि के तौर पर दिखाई गईं।

4.8.4 भारतीय पैनोरमा में 14 फीचर फिल्में और 16 गैर-फीचर फिल्में थीं। इसके अलावा 32 फिल्में मलयालम सिनेमा के सिंहावलोकन वर्ग में थीं।

## विदेशों में गतिविधियां

4.8.5 रिपोर्ट की अवधि के दौरान निदेशालय ने विदेशों में आयोजित 50 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लिया। 'हकागोरोलोई बोहु दूर' नामक फिल्म ने सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में विशेष जूरी पुरस्कार प्राप्त किया। इसी फिल्म के लिए फिल्म के नायक श्री विष्णु खरगोरिया को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार दिया गया। 'बैंडिट क्वीन' फिल्म को तीन प्रमुख पुरस्कार मिले। ब्रुसेल्स, बेल्जियम के 18वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'हकागोरोलोई बोहु दूर' फिल्म के लिए श्री जाहनु बरुआ को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार प्राप्त हुआ और श्री नंदन कुडियाड़ी को उनकी फिल्म 'रसयात्रा' के लिए विशेष उल्लेख कर सम्मान प्रदान किया गया।

## सांस्कृतिक आदान-प्रदान

4.8.6 अलग-अलग देशों में भारतीय फिल्मों के तीन फिल्म सप्ताह आयोजित किए गए। भारत में विदेशी फिल्मों के चार फिल्म सप्ताह आयोजित किए गए।

## राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र

4.9.1 राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र बच्चों और युवाओं के लिए फीचर फिल्मों, टेलीविजन सीरियल, लघु फीचर फिल्मों, लघु एनिमेशन फिल्मों के निर्माण में लगा हुआ है। यह केंद्र विदेशी फिल्मों के अधिकार भी खरीदता है और उन्हें भारतीय भाषाओं में डब करके भारत में प्रदर्शित करता है।

4.9.2 राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र का मुख्यालय मुंबई में है और दिल्ली तथा चेन्नई में इसके शाखा कार्यालय हैं।

4.9.3 केंद्र द्वारा निर्मित फिल्में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में शामिल की जाती हैं और उन्हें कई

पुरस्कार भी मिले हैं। यह केंद्र हर दूसरे वर्ष अपना अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भी आयोजित करता है। ऐसा नौंवा फिल्म समारोह हैदराबाद में नवंबर 1995 में हुआ था। दसवां समारोह नवंबर 1997 में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय पुरस्कार, 1995 में केंद्र के निर्देशक श्री संतोष शिवन द्वारा निर्मित फिल्म 'हालो' को सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म चुना गया। भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1997 के भारतीय पैनोरमा वर्ग में भी 'हालो' प्रदर्शित की गई।

4.9.4 इस वर्ष क्रमशः सुश्री रानी बुर्रा और श्री ए.आर.सेन द्वारा निर्देशित दो लघु एनिमेशन फिल्में पूरी कर ली गई हैं। वर्ष के दौरान केंद्र ने एक धारावाहिक और दो फीचर फिल्मों का निर्माण कार्य शुरू किया है।

4.9.5 वर्ष के दौरान केंद्र ने छह अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में भाग लिया। श्री रमेश देव द्वारा निर्देशित फिल्म 'सेनानी साने गुरुजी' को एक विशेष पुरस्कार—गोल्डन पाम—प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार फरवरी-मार्च 1996 में हुए छठे काहिरा अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह की विशेष जूरी द्वारा दिया गया। उन्हें अक्तूबर, 1996 में ईरान के 12वें इस्फहां अंतर्राष्ट्रीय बाल एवं युवा फिल्म समारोह में उसी फिल्म के लिए डिप्लोमा ऑफ ऑनर्स से सम्मानित किया गया।

4.9.6 केंद्र ने दूरदर्शन के राष्ट्रीय नेटवर्क पर प्रत्येक रविवार को आधे घंटे के प्रसारण समय का उपयोग करना जारी रखा। केंद्र अपनी फिल्में दूरदर्शन को भी राष्ट्रीय और अन्य चैनलों पर प्रसारण के लिए देता है।

4.9.7 केंद्र द्वारा निर्मित फिल्में जिलावार पैकेज कार्यक्रम के तहत भी दिखाई जाती हैं। इस वर्ष 85 कार्यक्रम दिखाए गए, जिन्हें अनुमानतः कुल 45 लाख लोगों ने देखा। कुल मिलाकर इस वर्ष 21 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को कवर किया गया।

4.9.8 राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र एजेंटों को उन्हें आबंटित इलाकों में व्यक्तिगत रूप से फिल्मों का प्रदर्शन करने का काम सौंपता है। इस गतिविधि में बहुत वृद्धि हुई है और इस वर्ष अनुमानतः 10 लाख दर्शकों को कवर किया गया जिनमें से अधिकांश ग्रामीण हैं।

4.9.9 बाल फिल्म आंदोलन को बढ़ावा देने के लिहाज से केंद्रों द्वारा देश के प्रमुख शहरों में 'बाल फिल्म सर्किल' के गठन का प्रस्ताव किया गया है। इस तरह का पहला फिल्म सर्किल पुणे में स्थापित किया गया है। इस समय इसके 600

राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और साउथ अफ्रीकन ब्राडकास्टिंग कारपोरेशन के सहयोग से बनी फिल्म "द मेकिंग ऑफ द महात्मा" के प्रीमियर के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा

बच्चे सदस्य हैं।

## भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार

4.10.1 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार का मुख्य उद्देश्य फिल्मों का संरक्षण और उद्धार है। अभिलेखागार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि आदर्श भंडारण स्थिति में फिल्मों का संरक्षण है। वर्ष के दौरान 35 एम.एम. की 751 रीलों और 16 एम.एम. के 48 स्पूलों की विस्तृत जांच की गई। इसी तरह, प्रतिकृति उतारने अथवा मरम्मत करने योग्य प्रिंटों की पहचान करने के लिए सभी संरक्षण योग्य प्रिंटों की जांच की गई। नाइट्रेट आधार वाली फिल्मों के 12 रीलों का सुरक्षित स्थानों पर अंतरण किया गया। महान फिल्मकार बाबूराव पेंटर की हाल ही में अधिगृहित की गई मूक फिल्मों का संरक्षण कार्य अंतिम चरण में है। अगले पृष्ठ पर भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार की गतिविधियों का विस्तृत ब्यौरा दिया जा रहा है।

4.10.2 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार का मुख्यालय पुणे में है और इसके तीन क्षेत्रीय कार्यालय, बंगलौर, कलकत्ता और तिरुअंतपुरम में हैं। अभिलेखागार की दूसरी महत्वपूर्ण गतिविधि फिल्म संस्कृति का प्रसार है। इसकी 16 मिलीमीटर की फिल्म वितरण लाइब्रेरी देशभर में अपने सदस्यों को सुविधाएं प्रदान करती है। वितरण लाइब्रेरी द्वारा उधार दी गई फिल्मों के अलावा, जयंती समारोहों, सिंहावलोकनों आदि जैसे विशेष

**भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार**

| मद | 31.3.96 तक स्थिति | अप्रैल-दिसंबर 1996 | 31.12.96 तक स्थिति |
|---|---|---|---|
| फिल्में | 13,283 | 151 | 13,434 |
| वीडियो कैसेट | 1,323 | 189 | 1,512 |
| पुस्तकें | 22,008 | 450 | 22,458 |
| पटकथा | 21,709 | 50 | 21,759 |
| पहले से रिकार्ड किए गए कैसेट | 392 | 84 | 476 |
| फोटो स्टिल्स | 1,00,360 | 706 | 1,01,066 |
| पोस्टर | 7,050 | 76 | 7,126 |
| गीत पुस्तिकाएं | 7,095 | 223 | 7,318 |
| ऑडियो टेप्स (मौखिक इतिहास) | 153 | 8 | 161 |
| अखबारी कतरनें | 1,36,273 | - | 1,36,273 |
| पेम्फलेट/फोल्डर | 7,616 | 17 | 7,633 |
| स्लाइड | 4,014 | - | 4,014 |
| माइक्रोफिश | 42 | - | 42 |
| माइक्रोफिल्म | 1,957 | - | 1,957 |
| डिस्क रिकार्ड | 2,387 | 5 | 2,392 |

## भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार

(गतिविधियां)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | रीलों की संख्या | | |
| **संरक्षण** | | 16 मि.मी. | 35 मि.मी. | |
| 1. | फिल्मों की व्यापक जांच | 150 | 751 | |
| 2. | फिल्मों की नियमित जांच | 414 | 12,587 | |
| 3. | अभिरक्षित नाइट्रेट रील | 12 रीलें (8,164 मीटर) | | |
| **फिल्म संस्कृति का प्रसार** | | | | |
| 1. | वितरण लाइब्रेरी के सदस्य | – (नए) | 42 (नवीनीकृत) | 42 (संदस्य) |
| 2. | वितरण लाइब्रेरी सदस्यों को सप्लाई की गई फिल्मों की संख्या | | 64 | |
| 3. | विशेष अवसरों पर दी गई फिल्में | | 181 | |
| 4. | संयुक्त प्रदर्शन | | 101 | |
| 5. | फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रमों के लिए सप्लाई की गई फिल्में | | 68 | |
| 6. | अकादमिक प्रदर्शन के लिए एफ.टी.आई.आई. को सप्लाई की गई फिल्में | | 182 | |
| 7. | सांसदों के अवलोकन के लिए सप्लाई की गई फिल्में | | – | |
| 8. | निर्माताओं/कापीराइट धारकों को वीडियो कापिंग के लिए सप्लाई की गई फिल्में | | 50 | |
| 9. | अनुसंधान कार्यकर्ताओं को दिखाई गई फिल्में | | 53 भारतीय<br>11 विदेशी | |
| 10. | दिखाई गई फिल्मों की संख्या | | 41 | |

अवसरों पर 35 मिलीमीटर की फिल्में भी उपलब्ध कराई जाती हैं। बंगलौर, कलकता, मुंबई, हैदराबाद और तिरुअंनतपुरम जैसे महत्वपूर्ण केंद्रों पर नियमित रूप से संयुक्त प्रदर्शनों के द्वारा दर्शकों को उल्लेखनीय तरीके से भारतीय सिनेमा के इतिहास और श्रेष्ठ विश्व सिनेमा की झलक दिखाई जाती है।

4.10.3 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखगार ने पुणे में चार सप्ताह का एक फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम आयोजित किया तथा अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर दूसरे केंद्रों पर भी अनेक अल्पावधि पाठ्यक्रम भी चलाए।

4.10.4 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के पुस्तकालय में भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा और अन्य संबंधित कलाओं पर पुस्तकों और पत्रिकाओं का अद्वितीय संग्रह है। अभिलेखागार की एक महत्वपूर्ण गतिविधि प्रलेखन है जिसके अंतर्गत यह फोटो, पुस्तिकाएं, पोस्टर, डिस्क रिकार्ड, ऑडियो टेप, फिल्म समीक्षाएं, लेख आदि के माध्यम से सूचनाएं और सहायक सामग्री एकत्र करता है। भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार द्वारा हाल में प्राप्त की गई सामग्रियों का विस्तृत ब्यौरा पिछले पृष्ठ पर दिया गया है।

4.10.5 वर्ष के दौरान भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार ने फिल्म प्रभाग में उपलब्ध ऐतिहासिक फिल्मों के संरक्षण के लिए फिल्म प्रभाग के साथ एक समझौता किया जिसके

फलस्वरूप, अभिलेखागार ने अपनी तिजोरी में संरक्षण के लिए फिल्म प्रभाग की संरक्षण योग्य सामग्री की 255 डिब्बों की पहली खेप प्राप्त की है। अभिलेखागार ने सत्यजीत राय की फिल्मों के संरक्षण के लिए उनके निर्माताओं और समाज की ओर से अकादमी फिल्म आर्काइव्स, लॉस एंजिल्स द्वारा परिरक्षित सत्यजीत राय की फिल्मों के नौ प्रिंट भी प्राप्त किए हैं।

4.10.6 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार को सिनेमा शताब्दी समारोह की केंद्रीय एजेंसी बनाया गया है। शताब्दी समारोहों के अंग के रूप में आयोजित सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक 7 जुलाई, 1996 को लुमियरे बंधुओं द्वारा भारत में, 1896 की उसी तारीख को सिनेमेटोग्राफ के प्रथम प्रदर्शन स्थल पर, जहां मुंबई में पहले वाटसन होटल अवस्थित था, पट्टिका लगाया जाना था।

4.10.7 भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार मई 1969 से अंतर्राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार महासंघ का पूर्ण सदस्य है। इससे अभिलेखागार को संरक्षण तकनीक, प्रलेखन, ग्रंथ सूची आदि के बारे में विशेष सुझाव और सामग्री हासिल करने तथा अभिलेखागार आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत अन्य अभिलेखागारों के साथ दुर्लभ फिल्मों के आदान-प्रदान का अवसर मिलता है।

## भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे

4.11.1 भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की स्थापना 1960 में की गई थी। इसमें एक फिल्म और एक टेलीविजन खंड है। फिल्म खंड में दो वर्ष की अवधि वाले निम्नांकित पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं :

1. मोशन पिक्चर फोटोग्राफी
2. ऑडियोग्राफी
3. फिल्म संपादन
4. निर्माण प्रबंध (फिल्म और टेलीविजन)
5. कला निर्देशन (फिल्म और टेलीविजन)
6. निर्देशन में उत्तर-डिप्लोमा पाठ्यक्रम और
7. अभिनय (फिल्म एवं टेलीविजन) में छह महीने की अवधि का अल्पावधि सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

4.11.2 पाठ्यक्रमों की अवधि घटाए जाने के विरुद्ध छात्रों की मांग पर संस्थान की प्रबंध परिषद ने पुनरीक्षण समितियों और अकादमिक परिषद की संस्तुतियों के मद्देनजर जुलाई/अगस्त 1997 से शुरू होने वाले अगले अकादमिक सत्र से 1996 के पहले की तर्ज़ पर तीन वर्षीय पाठ्यक्रम फिर से शुरू करने का फैसला किया है।

4.11.3 यह संस्थान सेंटर इंटरनेशनल दे लायजन देस एकोलेस दे सिनेमा एट दे टेलिविजन का सदस्य है। संस्थान के प्राध्यापक और छात्र नियमित रूप से इस सेंटर के कार्यक्रमों में भाग लेते हैं।

4.11.4 भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान तथा भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार ने 27 मई से 22 जून, 1996 तक सामूहिक रूप से फिल्म मूल्यांकन का चार सप्ताह का पाठ्यक्रम आयोजित किया। पत्रकारिता, शिक्षण, रंगमंच और संचार अनुसंधान क्षेत्र के 55 लोगों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। संस्थान ने राष्ट्रीय अभिनय कला केंद्र, मुंबई के साथ मिलकर 17-23 जून, 1996 तक छह दिनों का एक फिल्म मूल्यांकन पाठ्यक्रम भी आयोजित किया। इस पाठ्यक्रम में 100 लोगों ने भाग लिया।

4.11.5 छात्रों की डिप्लोमा फिल्मों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रवेश दिलाया गया। सुश्री राजश्री द्वारा निर्देशित 'द रिबेल' को नई दिल्ली में आयोजित 43वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ लघु कथा फिल्म का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

4.11.6 टेलीविजन खंड एशिया-प्रशांत प्रसारण विकास संस्थान, क्वालालमपुर, मलेशिया के सहयोग से पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित करता है। विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के अलावा इस खंड द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रम भी आयोजित किए :

(1) फिल्म खंड के द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए वीडियो पाठ्यक्रम।

(2) भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय सूचना सेवा के प्रोबेशन अधिकारियों के लिए टेलीविजन समाचार तकनीक पाठ्यक्रम।

(3) दूरदर्शन के कार्मिकों के लिए टेलीविजन समाचार निर्माण तकनीकी पाठ्यक्रम।

(4) दूरदर्शन कार्मिकों के लिए 41वां टेलीविजन निर्माण और तकनीकी संचालन पाठ्यक्रम।

वर्ष 1996-97 के लिए भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की वार्षिक योजनागत व्यय सीमा 5.54 करोड़ रुपये (2.25 करोड़, 9 हजार रुपये फिल्म खंड के लिए और 3.28

### वार्षिक योजनागत आबंटन और व्यय

| 1993-94 | | 1994-95 | | 1995-96 | |
|---|---|---|---|---|---|
| स्वीकृत व्यय | वास्तविक व्यय | स्वीकृत व्यय | वास्तविक व्यय | स्वीकृत व्यय | वास्तविक व्यय |
| 0.75 | 0.75 | 5.50 | 5.50 | 6.54 | 6.54 |

### वर्ष 1996-97 और 1997-98 के लिए योजनागत तथा गैर-योजनागत बजट

| बजट अनुमान 1996-97 | | संशोधित अनुमान 1996-97 | | बजट अनुमान 1997-98 | |
|---|---|---|---|---|---|
| योजना | गैर-योजना | योजना | गैर-योजना | योजना | गैर-योजना |
| 5.44 | 3.20 | 5.22 | 3.52 | 11.11 | 4.87 |
| | | | | (प्रस्तावित) | |

करोड़ 91 हजार रुपये टेलीविजन खंड के लिए) है। यह कोष अधिकांशतः मशीनों और उपकरणों की खरीद के लिए है।

## सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान

4.12.1 कलकत्ता में 29.50 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की स्थापना की योजना को नवंबर 1992 में स्वीकृति दी गई।

4.12.2 संस्थान ने 2 सितंबर, 1996 से निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी, संपादन और ध्वन्यांकन के क्षेत्र में द्विवार्षिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किया है। पूरी तरह क्रियाशील हो जाने के बाद संस्थान इन चार पाठ्यक्रमों के अलावा अभिनय, कला निर्देशन, कंप्यूटर ग्राफिक्स और एनिमेशन, प्रणालीगत इंजीनियरी और रख-रखाव तथा मेकअप के क्षेत्रों में भी पाठ्यक्रम शुरू करेगा। इनमें हर वर्ष कुल 102 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। वर्तमान में, संस्थान द्वारा चलाए जा रहे चार पाठ्यक्रमों में 32 छात्रों को दाखिला दिया गया है।

## राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम

4.13.1 भारत में फिल्मों की गुणवत्ता में सुधार लाने और इसकी पहुंच का दायरा बढ़ाने के उद्देश्य से 11 अप्रैल, 1980 को राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम की स्थापना की गई। इस उद्देश्य को हासिल करने और देश में स्वस्थ फिल्म आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम अनेक गतिविधियां चलाता है।

4.13.2 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम कम बजट वाली फिल्मों की धारणा को बढ़ावा देता है। हमारे देश में फिल्म निर्माण में वित्त की समस्या का एक संभावित निराकरण कम बजट लेकिन उच्च गुणवत्ता वाली फिल्मों का निर्माण है।

4.13.3 निगम ने सर रिचर्ड एटनबरो द्वारा निर्देशित बेहद सफल फिल्म 'गांधी' से सह-निर्माण का अपना कार्यक्रम शुरू किया। उसके बाद 'सलाम बांबे', 'उन्नी', 'माया मेमसाब', 'दी मेकिंग ऑफ दी महात्मा', 'जय गंगा', आदि फिल्में बनाई गईं। अंतर्राष्ट्रीय सह-निर्माण की दो फिल्में हाल ही में पूरी की गई हैं। वे हैं—श्री गोविंद निहलानी द्वारा निर्देशित फिल्म 'संशोधन' जो राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और यूनीसेफ द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित की गई है तथा मृणाल सेन की 'दी शो गोज ऑन' जो राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और ब्रिटिश फिल्म संस्थान का संयुक्त उद्यम है। अंतर्राष्ट्रीय सह-निर्माण की दो अन्य फिल्में राजन खोसा द्वारा निर्देशित भारत-जर्मनी सह-निर्माण 'डांस ऑफ दी विंड' और अनूप सिंह द्वारा राष्ट्रीय फिल्म विकास संस्थान और ब्रिटिश फिल्म संस्थान का संयुक्त उद्यम 'दी नेम ऑफ रिवर' हैं।

4.13.4 1996-97 के दौरान राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम और दूरदर्शन के बीच सह-निर्माण समझौते के तहत चार फिल्मों को मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत पहले से स्वीकृत फिल्मों में से 13 या तो पूरी हो गई हैं या निर्माणाधीन हैं। पामेला रुक्स की 'द ट्रेन टू पाकिस्तान' नामक एक अन्य हिंदी-पंजाबी फिल्म निर्माणधीन है।

4.13.5 देश में सिनेमाघरों के निर्माण द्वारा बैठने की अतिरिक्त क्षमता बनाने और अच्छे सिनेमा को बाजार उपलब्ध कराने के लिए थियेटर वित्त पोषण योजना बनाई गई है जिसे राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लागू कर रहा है। वर्ष 1996-97 के दौरान 40

लाख रुपये के दो सिनेमाघरों के लिए ऋण वितरित किए गए।

4.13.6 निगम हर वर्ष 90 से 100 फिल्मों का आयात करता है। वर्ष 1996-97 (नवंबर 1996 तक) के दौरान निगम ने थिएटर और गैर-थियेटर अधिकार वाली 5 फिल्में, टेलीविजन अधिकार वाली 87 फिल्में तथा 51 टेलीविजन धारावाहिक आयात किए। इसने विभिन्न क्षेत्रों के लिए नौ भारतीय फिल्में भी जारी कीं।

4.13.7 • निगम ने देश के विभिन्न भागों में छह केंद्रों पर पैनोरमा फिल्म सप्ताह का आयोजन किया। इसने राष्ट्रीय फिल्म सर्किल के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण सिंहावलोकन और फिल्म सप्ताह भी आयोजित किए।

4.13.8 निगम ने विभिन्न देशों में 95 फिल्मों का निर्यात किया और 1.03 करोड़ रुपये अर्जित किए।

4.13.9 दर्शकों के लिए उपग्रह चैनलों और अन्य विकल्प उपलब्ध हो जाने के कारण वीडियो कैसेटों की विपणन गतिविधियों को भारी झटका लगा है। फिर भी वर्ष के दौरान निगम ने छह फिल्में बाजार में जारी कीं।

4.13.10 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने दूरदर्शन के विभिन्न चैनलों पर अपनी और अन्य हासिल की गई फिल्मों का प्रदर्शन जारी रखा है। इनमें डी.डी. 1 पर शुक्रवार और शनिवार को दिखाई जाने वाली फिल्में, डी.डी. 2 पर शनिवार और रविवार को दिखाई जाने वाली फिल्में और मूवी क्लब पर दिखाई जाने वाली फिल्में शामिल हैं।

4.13.11 निगम ने विभिन्न विज्ञापन एजेंसियों को इंटरनेट से जोड़ने के लिए एक साफ्टवेयर भी विकसित किया है। इस सॉफ्टवेयर का परीक्षण चल रहा है। जांच पूरी होने के बाद जब यह सॉफ्टवेयर काम करने लगेगा तो भारत में यह अपनी तरह का पहला सॉफ्टवेयर होगा। उम्मीद है कि इससे विज्ञापन एजेंसियों को बहुत ही बेहतर सेवा मिलेगी।

4.13.12 फिल्म उद्योग को फिल्म निर्माण के पूर्व और उसके बाद आवश्यक ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने देश के विभिन्न भागों में विभिन्न तकनीकी परियोजनाएं स्थापित की हैं।

4.13.13 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम का कलकत्ता स्थित फिल्म केंद्र निर्माण और निर्माण पश्चात सुविधाएं उपलब्ध कराता है जबकि चेन्नई स्थित वीडियो केंद्र अच्छी गुणवत्ता वाली फिल्मों के अंतरण की सुविधा उपलब्ध कराता है। निगम का मुंबई स्थित लेजर सब-टाइटल संयंत्र एशिया का अपनी तरह का अकेला संयंत्र है। इससे सब-टाइटलिंग का स्तर सुधारने में मदद मिली है। निगम ने पड़ोसी देशों के लिए भी सब-टाइटलिंग की है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने डी.डी. 1 पर रविवार को

तिरुअनंतपुरम में जनवरी 1997 में 28वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का उद्घाटन करते हुए केरल के मुख्यमंत्री श्री ई.के. नयनार

## केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

### 1996 में प्रमाणित की गई भारतीय फीचर फिल्में

(क्षेत्रवार-भाषावार) (सिनेमा हाल के लिए जारी की गई फिल्में)

| भाषा | मुंबई | कलकत्ता | चेन्नई | बंगलौर | तिरु.अंत. | हैदराबाद | नई दिल्ली | कटक | गुवाहाटी | कुल |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी | 96 | 1 | 17 | 1 | — | 11 | — | — | — | 126 |
| तमिल | 2 | — | 89 | 10 | 7 | 30 | — | — | — | 138 |
| तेलुगु | 5 | — | 58 | 15 | 5 | 71 | — | — | — | 154 |
| कन्नड़ | — | — | — | 85 | — | — | — | — | — | 85 |
| मलयालम | — | — | 41 | 1 | 20 | 3 | — | — | — | 65 |
| मराठी | 11 | — | — | — | — | — | — | — | — | 11 |
| पंजाबी | 9 | — | — | — | — | — | — | — | — | 9 |
| नेपाली | 5 | — | — | — | — | — | — | — | — | 5 |
| गुजराती | 5 | — | — | — | — | — | — | — | — | 5 |
| बंगला | 3 | 31 | 2 | — | — | — | — | — | 1 | 37 |
| भोजपुरी | 5 | 1 | — | — | — | — | — | — | — | 6 |
| असमिया | 1 | — | 2 | — | — | — | — | — | 1 | 4 |
| अंग्रेजी | 3 | — | 3 | 1 | 7 | — | — | — | — | 14 |
| उड़िया | — | — | 1 | — | — | — | — | 11 | — | 12 |
| हरियाणवी | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| राजस्थानी | 3 | — | — | — | — | — | — | — | — | 3 |
| लम्बाणी | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 1 |
| गढ़वाली | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| सदरी | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| उर्दू | 1 | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 |
| स्पेनी | 2 | — | — | — | — | — | — | — | — | 2 |
| कोंकणी | — | — | — | 1 | — | — | — | — | — | 1 |
| मणिपुरी | — | — | — | — | — | — | — | — | 1 | 1 |
| कुल | 154 | 33 | 213 | 115 | 39 | 115 | — | 11 | 3 | 683 |

दिखाई जाने वाली फिल्म के लिए बहुभाषी सब-टाइटलिंग का काम जारी रखा।

4.13.14 वर्ष 1996-97 के दौरान राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम ने टेलीविजन और फिल्म जगत की विशेष प्रभाव उत्पन्न करने की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 'मेडिएशन' की सहायता से 'माया द मैजिक शॉप' नामक विशेष प्रभाव देने वाला स्टूडियो स्थापित किया है।

4.13.15 राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम द्वारा 3.55 करोड़ रुपये की पूंजी से गठित भारतीय सिने कलाकार कल्याण कोष जरूरतमंद भूतपूर्व सिने कलाकारों को पेंशन और अन्य लाभ देता रहा है। वर्ष 1996-97 (नवंबर 1996 तक) के दौरान लगभग 500 जरूरतमंद सिने कलाकारों को विभिन्न योजनाओं के तहत 23.95 लाख रुपये दिए गए।

4.13.16 निगम ने हिंदी के प्रयोग के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना जारी रखा। निगम ने अपने कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की और हिंदी टंकण और आशुलेखन का प्रशिक्षण दिया। हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं जारी रखी गईं।

4.13.17 निगम ने अनुसूचित जाति/जनजाति संवर्ग के सात कर्मचारियों की नियुक्ति की। अन्य पिछड़े वर्ग के चार कर्मचारियों की भी भर्ती की गई।

## केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड

4.14.1 सिनेमेटोग्राफ अधिनियम, 1952 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड भारत में फिल्मों के सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र देता है। इस बोर्ड में एक अध्यक्ष तथा 25 गैर-सरकारी सदस्य होते हैं। बोर्ड का मुख्यालय मुंबई में है तथा बंगलौर, मुंबई, कलकत्ता, कटक, गुवाहाटी, हैदराबाद, चेन्नई, नई दिल्ली और तिरुअनंतपुरम में 9 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। फिल्मों की जांच में क्षेत्रीय कार्यालयों को सलाहकार पैनल का सहयोग मिलता है जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के जाने-माने लोगों को शामिल किया जाता है। जाने-माने फिल्मकार श्री शक्ति सामंत बोर्ड के अध्यक्ष बने रहे। मार्च, 1996 को बोर्ड का पुनर्गठन किया गया।

4.14.2 वर्ष 1996 के दौरान बोर्ड ने कुल 3,238 प्रमाणपत्र जारी किए। इनमें 1,974 प्रमाणपत्र सिनेमाहालों में दिखाई जाने वाली फिल्मों के लिए और 1,264 वीडियो फिल्मों के लिए थे। जिन भारतीय फीचर फिल्मों को प्रमाणपत्र दिए गए उनकी संख्या 683 थी। इन फिल्मों का क्षेत्रवार और भाषावार ब्यौरा पिछले पृष्ठ पर दिया गया है।

4.14.3 1996 के दौरान बोर्ड द्वारा प्रमाणित 683 भारतीय फिल्मों में से 419 को 'यू' प्रमाणपत्र (अबाधित सार्वजनिक प्रदर्शन, 61.35 प्रतिशत), 112 को 'यू ए' प्रमाणपत्र (12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अभिभावकीय निर्देश, 16.40 प्रतिशत) तथा 152 को 'ए' प्रमाणपत्र (केवल वयस्कों के लिए प्रदर्शन, 22.25 प्रतिशत) दिया गया। 1996 के दौरान प्रमाणित की गई 139 विदेशी फिल्मों में से 25 को 'यू' प्रमाणपत्र (17.98 प्रतिशत), 33 को 'यू ए' प्रमाणपत्र (23.74 प्रतिशत) तथा 81 को 'ए' प्रमाणपत्र (58.28 प्रतिशत) दिया गया। कुल 19 भारतीय और 15 विदेशी फिल्मों को बोर्ड ने शुरू में प्रमाणपत्र देने से मना कर दिया क्योंकि वे फिल्में प्रमाणीकरण के वैधानिक दिशा-निर्देशों में से एक अथवा अधिक का उल्लंघन करती थीं। इनमें से कुछ को संशोधित रूप से प्रस्तुत किए जाने पर या फिल्म प्रमाणन अपील ट्रिब्यूनल द्वारा आदेश दिए जाने पर बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान कर दिया गया है।

4.14.4 1996 के दौरान बोर्ड ने सिनेमाहाल में दिखाई जाने वाली फिल्म श्रेणी के तहत 934 भारतीय लघु फिल्मों 864 को 'यू' प्रमाणपत्र, 23 को 'यू ए' प्रमाणपत्र तथा 47 को 'ए' प्रमाणपत्र और 209 विदेशी लघु फिल्मों को 'यू' प्रमाणपत्र 42 को 'यू ए' प्रमाणपत्र तथा 65 को 'ए' प्रमाणपत्र को प्रमाणित किया।

4.14.5 बोर्ड ने कुल 1264 वीडियो फिल्मों को प्रमाण पत्र दिया। इनमें से 149 भारतीय फीचर फिल्में, 82 विदेशी फीचर फिल्में, 602 भारतीय लघु फिल्में, 411 विदेशी लघु फिल्में और 20 फिल्में दूसरे वर्गों की थीं।

4.14.6 वर्ष के दौरान फिल्मों के प्रमाणन से संबंधित शिकायतें मिलती रहीं। ये शिकायतें मुख्यतया फिल्मों में सेक्स और हिंसा के अत्यधिक चित्रण से संबंधित थीं। इनमें से अधिकाश शिकायतें सामान्य प्रकृति की थीं।

4.14.7 बोर्ड के विभिन्न सलाहकार पैनलों को पुनर्गठित करने का काम पहले ही शुरू किया जा चुका है। सलाहकार पैनलों के सदस्यों और परीक्षण अधिकारियों के लाभ के लिए विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इन कार्यशालाओं में भाग लेने वालों से अध्यक्ष ने दिशानिर्देशों का कठोरता से और समरूपता से लागू करने का आग्रह किया ताकि फिल्मों में सेक्स और हिंसा के अत्यधिक चित्रण को रोका जा सके।

4.14.8 वर्ष के दौरान बोर्ड ने प्रमाणित की जाने वाली भारतीय फीचर फिल्मों के सिलसिले में सिनेकर्मियों के कल्याण के लिए श्रम मंत्रालय द्वारा निर्धारित बढ़ी हुई दरों से कर वसूलना शुरू किया। बढ़ी हुई दरें हैं—हिंदी फिल्मों के लिए, 10,000 रुपये, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों के लिए 5,000 रुपये, बंगला, मराठी और गुजराती फिल्मों केलिए 3,000 रुपये तथा उड़िया, असमिया और अन्य सभी क्षेत्रीय भाषाओं के लिए 2,000 रुपये।

4.14.9 नई आयात-नीति के तहत विदेशी फिल्मों के आयात के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने से संबंधित काम केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास बना रहा।

## भारतीय फिल्म सोसायटी महासंघ

4.15 फिल्मों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सिनेमा के क्षेत्र में दर्शकों की अभिरुचि विकसित करने के लिए यह मंत्रालय देश में फिल्म समितियों के सर्वोच्च निकाय फिल्म सोसायटी महासंघ को अनुदान देता है। इन फिल्म समितियों का उद्देश्य फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देना है। फिल्म सोसायटी को अनुदान के तौर पर 1996-97 में बजट में तीन लाख रुपये देने का प्रावधान रखा गया है जिसमें से 1.5 लाख रुपये की राशि महासंघ को जारी कर दी गई है। 1.5 लाख रुपये की दूसरी और अंतिम किश्त 1996-97 के वित्तीय वर्ष के दौरान जारी कर दी जाएगी।

# 5

# प्रेस प्रचार

## पत्र सूचना कार्यालय

5.1.1 पत्र सूचना कार्यालय सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और उपलब्धियों से संबंधित सूचनाएं देने वाला प्रमुख संगठन है। यह कार्यालय अपने आठ प्रादेशिक कार्यालयों, 32 शाखा कार्यालयों और अन्य केंद्रों के माध्यम से सूचनाएं प्रसारित करता है। इसके लिए सम्मेलनों, प्रेस विज्ञप्तियों, साक्षात्कारों और विवरणों आदि जैसे संचार के विभिन्न तरीके अपनाए जाते हैं।

5.1.2 पत्र सूचना कार्यालय के मुख्यालय में विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से संबद्ध अधिकारियों का दल है जो समाचार माध्यमों को विभिन्न मंत्रालयों के समाचारों की जानकारी देता है। ये अधिकारी अपने-अपने मंत्रालयों/विभागों को समाचारपत्रों में प्रकाशित सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों संबंधी जन-प्रतिक्रिया भी उपलब्ध कराते हैं।

5.1.3 पत्र सूचना कार्यालय को इसके 28 क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के साथ कंप्यूटर से जोड़ा गया है ताकि सूचनाएं तेजी से उपलब्ध कराई जा सकें। अंतर्राष्ट्रीय उपयोग के लिए सामग्री उपलब्ध कराने के लिए इस कार्यालय का इंटरनेट व्यवस्था से भी संपर्क है। कम समय में सूचनाएं प्रसारित करने के उद्देश्य से कार्यालय की प्रेस विज्ञप्तियां स्थानीय समाचारपत्रों और बाहर के सभी प्रमुख समाचारपत्रों के संवाददाताओं को फैक्स से भेजी जाती हैं। पत्र सूचना कार्यालय ने अपने कुछ कार्यालयों को कंप्यूटर के जरिये फोटो भेजना शुरू किया है। कंप्यूटर पर बुलेटिन बोर्ड सेवा शुरू की गई है जिसमें विज्ञप्तियां, फीचर, फोटो और ग्राफिक्स शामिल हैं। अन्य महत्वपूर्ण संचार सामग्रियों में फीचर और ग्राफिक्स भी शामिल हैं जिन्हें देशभर में फैले

पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आयोजित आर्थिक विषयों के संपादकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए वित्तमंत्री श्री पी. चिदंबरम

नई दिल्ली स्थित पत्र सूचना कार्यालय के चुनाव समाचार कक्ष का अवलोकन करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री एम.एस. गिल

क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों द्वारा सभी भाषाओं में जारी किया जाता है।

5.1.4 सरकारी स्रोतों से सूचना प्राप्त करने के काम को सुगम बनाने के लिए पत्र सूचना कार्यालय पत्रकारों को मान्यता प्रदान करता है। पत्र सूचना कार्यालय के मुख्यालय द्वारा इस समय कुल 1,258 पत्रकारों और कैमरामैनों को मान्यता मिली हुई है। इसके अलावा ये व्यावसायिक सुविधाएं 190 तकनीकी लोगों और 64 संपादकों/समाचार समालोचकों को भी प्रदान की गई हैं।

## विभिन्न अभियानों की प्रमुख बातें

5.2.1 वर्ष के दौरान इस कार्यालय ने कई प्रचार अभियान चलाए। इनमें प्रदूषण समस्या, पल्स पोलियो टीकाकरण, विश्व खाद्य सम्मेलन, भारत की आजादी के 50 वर्ष, निर्धनों के लिए कम कीमत पर अनाज तथा जम्मू और कश्मीर में आम चुनाव कराए जाने पर विशेष बल दिया गया। गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को जन वितरण प्रणाली द्वारा प्रत्येक परिवार को प्रतिमाह 10 किलोग्राम खाद्यान्न मौजूदा मूल्य से आधी कीमत पर उपलब्ध

### वर्ष 1996-97 के दौरान पत्र सूचना कार्यालय की कुछ उल्लेखनीय बातें

| | |
|---|---|
| ■ मुख्यालय द्वारा पूरे किए गए कार्यों की संख्या | 1,633 |
| ■ समाचारपत्रों को जारी किए गए समाचार फोटो की संख्या | 1,135 |
| ■ जारी किये गए फोटो प्रिंटों की संख्या | 1,94,260 |
| ■ जारी की गई प्रेस विज्ञप्तियों की संख्या | 30,486 |
| ■ जारी किए गए फीचरों की संख्या | 1,780 |
| ■ आयोजित किए गए प्रेस सम्मेलनों की संख्या | 651 |

## पत्र सूचना कार्यालय के क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय

| क्षेत्रीय कार्यालय के नाम | शाखा कार्यालय | कार्यालय सह-सूचना केंद्र | सूचना केंद्र | शिविर कार्यालय | कुल |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. उत्तरी क्षेत्र<br>चंडीगढ़ | 1. जम्मू<br>2. शिमला | 1. श्रीनगर<br>2. जालंधर | – | – | 5 |
| 2. मध्य क्षेत्र<br>भोपाल | 1. जयपुर<br>2. इंदौर<br>3. कोटा<br>4. जोधपुर | – | – | – | 5 |
| 3. पूर्व मध्य क्षेत्र<br>लखनऊ | 1. वाराणसी<br>2. कानपुर<br>3. पटना | – | – | – | 4 |
| 4. पूर्वी क्षेत्र<br>कलकत्ता | 1. कटक<br>2. अगरतला<br>3. भुवनेश्वर | गंगतोक | पोर्ट ब्लेयर | – | 6 |
| 5. उत्तर पूर्वी क्षेत्र<br>गुवाहाटी | शिलांग | 1. कोहिमा<br>2. इंफाल | आइज़ोल | – | 5 |
| 6. दक्षिण मध्य क्षेत्र<br>हैदराबाद | 1. विजयवाड़ा<br>2. बंगलौर | – | – | – | 3 |
| 7. दक्षिणी क्षेत्र<br>चेन्नई | 1. कालीकट<br>2. मदुरै<br>3. तिरुअनंतपुरम<br>4. कोचीन | – | – | – | 5 |
| 8. पश्चिमी क्षेत्र<br>मुंबई | 1. नागपुर<br>2. पुणे<br>3. पणजी<br>4. अहमदाबाद<br>5. राजकोट<br>6. नांदेड़ | – | – | – | 7 |
| कुल क्षेत्रीय कार्यालय – 8 | 25 | 5 | 2 | – | 40 |

कराने के सरकार के निर्णय का व्यापक प्रचार किया गया।

5.2.2. कार्यालय ने चुनाव संबंधी समाचारों को समाचार माध्यमों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक चुनाव सेल स्थापित किया। पिछले आम चुनावों और 1966 के आम चुनाव पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के लिए तीन संदर्भ पुस्तिकाएं भी प्रकाशित की गईं। राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में एक चुनाव सूचना डेस्क स्थापित किया गया। क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों ने भी राज्यों की राजधानियों में चुनाव डेस्क स्थापित किए जिन्हें हॉटलाइन, फैक्स, कंप्यूटर और टेलिप्रिंटरों के जरिये मुख्यालय से जोड़ा गया था। इंटरनेट के जरिये चुनाव संबंधी सभी सूचनाएं दुनिया भर में भेजी गईं। चुनाव संबंधी नक्शों और चार्टों के व्यापक प्रदर्शन की भी व्यवस्था की गई।

5.2.3 कार्यालय ने अक्तूबर 1996 में प्रधानमंत्री के पूर्वोत्तर राज्यों के दौरे को प्रमुखता प्रदान की। इसके दौरान प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए 6,100 करोड़ रुपये के एक पैकेज की घोषणा की। इसी प्रकार, विशेष रूप से उच्च पदों से भ्रष्टाचार मिटाकर स्वच्छ और कुशल प्रशासन मुहैया कराने संबंधी प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस के भाषण को भी उचित प्रचार दिया गया।

5.2.4 पत्र सूचना कार्यालय ने नवंबर 1996 में आर्थिक संपादकों का एक सम्मेलन आयोजित किया जिसमें बड़ी संख्या में संपादकों और लेखकों ने भाग लिया। सम्मेलन का उद्घाटन वित्त मंत्री ने किया। कार्यालय ने अक्तूबर 1996 में वर्ल्ड की इन्फ्रास्ट्रक्चर फोरम एशिया-1996 पर हुए संयुक्त राष्ट्र-इस्कैप मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की समाचार माध्यमों द्वारा कवरेज और प्रचार की भी व्यवस्था की। वर्ष के दौरान बुनियादी सुविधाओं पर मुख्य मंत्रियों के सम्मेलन, बिजली पर ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन, तीसरी दुनिया के देशों में पेयजल की समस्या पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जैसे कई सम्मेलनों का विशेष प्रचार किया गया।

5.2.5 'संयुक्त मोर्चा सरकार के सौ दिन—नीतियां, कार्यक्रम और पहल' विषय का व्यापक प्रचार किया गया। 'संयुक्त मोर्चा सरकार के छह महीने' विषय का भी इसी तरह प्रचार किया गया। यह अभियान सरकार द्वारा अवधि- विशेष के दौरान लाई गई प्रगति की सम्यक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

5.2.6 प्रचार अभियानों की श्रृंखला में कार्यालय ने सरकार के कई अन्य कार्यक्रमों और गतिविधियों को भी प्रमुखता दी। इनमें विदेशी निवेश प्रोत्साहन परिषद की स्थापना, विदेशी निवेश बोर्ड का पुनर्गठन, वैकल्पिक विवाद निबटारा, न्यायालयों के कार्यों के समन्वय के लिए एक नियंत्रक निकाय की स्थापना, कंपनी अधिनियम 1956 के पुनरीक्षण के लिए कार्यदल का गठन, राजमार्गों पर स्थित ढाबों में स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों में सुधार, गृह मंत्रालय के अंतर्गत अल्पसंख्यक सेल की स्थापना आदि शामिल हैं।

5.2.7 पत्र सूचना कार्यालय ने जनवरी 1997 में तिरुअनंतपुरम में हुए भारत के 28वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह के अवसर पर एक मीडिया केंद्र की स्थापना की और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय समाचार माध्यमों के जरिये इसे व्यापक कवरेज दी।

# 6

# समाचारपत्रों का पंजीकरण

## भारत के समाचारपत्रों का पंजीयक

6.1.1 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय सूचना और प्रसारण मंत्रालय का संलग्न संगठन है। समाचार-पत्रों के लिए नाम की उपलब्धता की जांच करना और उनका नियमन करना इसका वैधानिक दायित्व है। इसके अलावा यह उनका पंजीकरण करता है और प्रसार की संख्या संबंधी उनके दावों की जांच करता है। पंजीयक कार्यालय द्वारा 'प्रेस इन इंडिया' नाम की एक वार्षिक रिपोर्ट भी प्रकाशित की जाती है जिसमें समाचारपत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी रहती है। समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय अपने गैर-वैधानिक कार्यों के तहत 200 मीट्रिक टन वार्षिक से कम अखबारी कागज के कोटे के हकदार छोटे और मझोले समाचारपत्रों/पत्रिकाओं को जिनकी प्रसार-संख्या प्रति प्रकाशन दिवस 75,000 प्रतियों से कम है, अर्हता प्रमाणपत्र प्रदान करती है। इस प्रमाणपत्र के जरिये वे सूचीबद्ध अखबारी कागज मिलों से स्वदेशी कागज खरीद सकते हैं। इसके अलावा यह कार्यालय समाचारपत्रों द्वारा छपाई मशीनों तथा इसी तरह की जरूरी वस्तुओं की आयात की आवश्यकता के बारे में भी प्रमाणपत्र प्रदान करता है।

6.1.2 अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान समाचारपत्रों के पंजीयक ने समाचारपत्रों के शीर्षक की उपलब्धता संबंधी 12,611 आवेदनों की जांच की। इनमें से 6,432 शीर्षकों को स्वीकृति दे दी गई। बाकी शीर्षक उपलब्ध नहीं पाए गए। इसी अवधि में 1,247 समाचारपत्रों/पत्रिकाओं को पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए गए और 1,084 समाचारपत्रों/पत्रिकाओं के प्रसार संबंधी दावों की जांच की गई।

6.1.3 प्रिंट मीडिया के बारे में विस्तृत जानकारी देने वाली वार्षिक रिपोर्ट 'प्रेस इन इंडिया - 1995' प्रकाशित की गई और बिक्री के लिए जारी की गई। 'प्रेस इन इंडिया-1996' के इस वित्त वर्ष के अंत तक बिक्री के लिए जारी कर दिए जाने की ‥भावना ‥

## अखबारी कागज

6.2.1 सामान्य खुले लाइसेंस के अंतर्गत अखबारी कागज का आयात जारी रहा और ग्लेज्ड न्यूजप्रिंट सहित सभी तरह का अखबारी कागज किसी भी व्यक्ति द्वारा आयात किया जा सकता था। 28 अक्तूबर, 1996 तक आयातित अखबारी कागज पर कोई सीमा शुल्क नहीं था। हालांकि, वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 29 अक्तूबर, 1996 से ग्लेज्ड न्यूजप्रिंट को छोड़कर आयातित अखबारी कागज पर 10 प्रतिशत सीमा शुल्क वसूल किया जाता है। लेकिन अखबारी कागज का उत्पादन करने वाली स्वदेशी मिलों से जो कागज समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में पंजीकृत अखबारों द्वारा खरीदा जाएगा, वह उत्पाद शुल्क से मुक्त होगा। छोटे और मझोले समाचारपत्रों के हितों की रक्षा के लिए उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग द्वारा जारी एक आदेश के तहत देश की सूचीबद्ध अखबारी कागज मिलों के कुल उत्पादन का एक तिहाई छोटे और मझोले समाचारपत्रों के लिए आरक्षित कर दिया गया है। इस नीति के अंतर्गत समाचारपत्रों का पंजीयक सूचीबद्ध कागज मिलों से आरक्षित कोटे के अखबारी कागज की खरीद के लिए छोटे और मझोले समाचारपत्रों को अर्हता प्रमाणपत्र जारी करता है। यह प्रमाणपत्र ऐसे समाचारपत्रों को दिया जाता है जिनका अखबारी कागज का कुल वार्षिक कोटा 200 मीट्रिक टन से कम है और जिनकी प्रसार संख्या प्रत्येक प्रकाशन दिवस पर 75,000 प्रतियों से कम है। ये प्रमाणपत्र इन वर्गों के समाचारपत्रों से आवेदन मिलने के बाद ही जारी किए जाते हैं। अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान 49 छोटे और मझोले समाचारपत्रों को कुल 1,754.450 मीट्रिक टन अखबारी कागज के लिए अर्हता प्रमाणपत्र निर्गत किए गए।

## छपाई मशीनें

6.3.1 अप्रैल-नवंबर 1966 के दौरान 12 समाचारपत्र संस्थानों के लिए सीमा शुल्क की रियायती दर पर छपाई मशीनों और संबंधित उपकरणों के आयात के लिए संस्तुति की गई।

# 7

# प्रकाशन

## प्रकाशन विभाग

7.1 प्रकाशन विभाग सरकार का प्रमुख प्रकाशन संगठन है। इसकी स्थापना 1941 में ब्यूरो ऑफ पब्लिक इन्फार्मेशन की शाखा के रूप में हुई। 1944 में इसका वर्तमान नाम प्रकाशन विभाग रखा गया। इस विभाग का लक्ष्य विभिन्न भाषाओं में अपने विविध प्रकाशनों के जरिये आम लोगों में सूचना का प्रसार करना और उचित मूल्य पर सूचनाप्रद और शैक्षिक साहित्य उपलब्ध कराना है।

## पुस्तकें

7.2 वर्ष 1996-97 (अप्रैल-दिसंबर '96) के दौरान अंग्रेजी, हिंदी और विभिन्न भारतीय भाषाओं में 97 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। महत्वपूर्ण पुस्तकों में 'प्रेसीडेंट शंकर दयाल शर्मा—स्पीचेज' वाल्यूम-I, 'गालिब-ए हंड्रेड मूड्स', 'हिंदी : मत-अभिमत', 'भारत की वीर गाथाएं', 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास' भाग-1 और 2, 'गंजीने ग़ालिब' (उर्दू) 'एम.आर. जयकर' (मराठी), 'वाल्मीकि और व्यास' (गुजराती), 'हमारा राष्ट्रगान' (तेलुगु) शामिल हैं। इस अवधि में प्रकाशित अन्य पुस्तकें हैं—संस्कृत मुहावरों और लोकोक्तियों की हिंदी व्याख्या वाला 'संस्कृत मुहावरे और लोकोक्ति कोश', विश्व सभ्यता और संस्कृति के विकास के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण पुस्तक 'भारत और मानव संस्कृति' खंड-1 और 2, उपयोगी तथा जानकारीपूर्ण पुस्तक 'हिंदी : विकास और संभावनाएं', बच्चों के लिए गुरुदेव की कहानियों का संकलन 'रवीन्द्रनाथ ठाकुर की कहानियां', प्राचीन भारत के इतिहास पर जाने-माने लेखकों द्वारा लिखित और पहले-पहल रोज़गार समाचार में

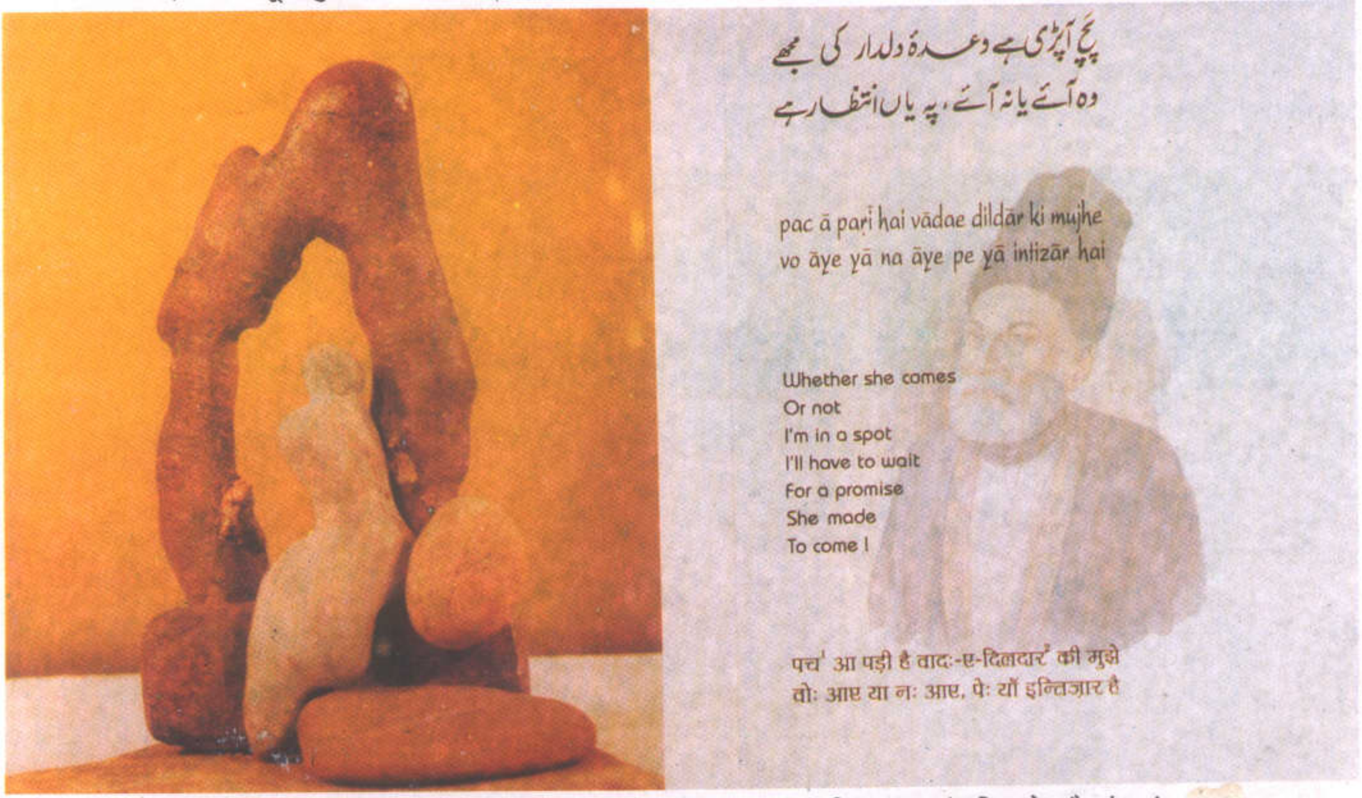


गालिब की 200वीं जयंती के अवसर पर प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'गालिब के सौ अंदाज' का एक पृष्ठ

प्रकाशित लेखों का संग्रह 'प्राचीन भारत', विगत वर्षों के महान क्रिकेट खिलाड़ी 'मुश्ताक अली' की जीवनी और महान सुधारवादी और शिक्षा शास्त्री 'राजा राममोहन राय' की जीवनी।

## पत्रिकाएं

7.3.1 विभाग हिंदी, अंग्रेजी और विभिन्न भारतीय भाषाओं में 21 पत्रिकाएं प्रकाशित करता है।

7.3.2 'योजना' विभाग की एक प्रमुख पत्रिका है। यह समाज के सभी वर्गों में नियोजन के संदेश का प्रसार करती है और देश में हो रहे सामाजिक तथा आर्थिक विकास को प्रमुखता से छापती है। यह पत्रिका तेरह भाषाओं—असमिया, बंगला, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू में प्रकाशित की जाती हैं। इसका स्वतंत्रता दिवस विशेषांक 'पर्यटन' पर था जिसमें पर्यटन की बुनियादी सुविधाओं, इसके विकास के लिए पर्यटन योजना और कार्यशैली जैसे विभिन्न मुद्दों पर लेख शामिल किए गए थे। गणतंत्र दिवस विशेषांक में आजादी के पचास वर्षों और स्वतंत्रता के बाद हुए बहुमुखी विकास को प्रमुखता दी गई है। इस वर्ष का प्रमुख विषय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित न्यूनतम साझा कार्यक्रम को दिया जाने वाला समर्थन था। इसमें 'गरीबी के आयाम और गरीबी उन्मूलन के उपाय', 'आठवीं योजना के सिंहावलोकन द्वारा नौवीं योजना के लिए नए प्रतिमान', 'खाद्य अर्थतंत्र', 'भारत के प्रमुख राज्यों में योजनागत आबंटन संबंधी प्राथमिकताएं' आदि विषय पर लेख शामिल किए गए।

7.3.3 'कुरुक्षेत्र' ग्रामीण विकास के प्रति समर्पित पत्रिका है जिसे अंग्रेजी और हिंदी में ग्रामीण क्षेत्र और रोजगार मंत्रालय के लिए प्रकाशित किया जाता है। इस वर्ष पत्रिका के दो विशेषांक प्रकाशित हुए। इनमें से एक ग्रामीण आवास पर था जिसे जून 1996 में तुर्की में हुए मानव आवास पर संयुक्त सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित किया गया था। दूसरा निचले स्तर पर जनतंत्र को वास्तविक बनाने में पंचायत वित्त की भूमिका पर केंद्रित था। इसके अतिरिक्त वार्षिकांक (अक्तूबर-नवंबर 1996) 'न्यूनतम बुनियादी सेवाएं और जन सहभागिता' पर केंद्रित था। इसी प्रकार 'कुरुक्षेत्र' के हिंदी संस्करण ने ग्राम पंचायतों पर दो विशेषांक प्रकाशित किए। इसके अलावा अक्तूबर-नवंबर में 124 पृष्ठों का एक वार्षिकांक भी प्रकाशित किया गया जिसमें न्यूनतम बुनियादी आवश्यकताएं और जन-सहभागिता को प्रमुखता दी गई थी।

7.3.4 'बाल भारती' बच्चों के लिए प्रकाशन विभाग की लोकप्रिय मासिक पत्रिका है। जून 1997 में यह अपने 50वें वर्ष में प्रवेश करने जा रही है। पत्रिका राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय और मानव मूल्यों के प्रति भाव जगाने वाली सामग्री प्रकाशित करती है। इसके अलावा यह राष्ट्रीय विज्ञान प्रयोगशालाओं और

प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित कुछ पुस्तकें और पत्रिकाएं

भारत और उसके लोगों पर शृंखला भी प्रकाशित कर रही है। इसका जून 1996 अंक पर्यावरण जागरूकता पर केंद्रित था और जुलाई 1996 अंक ओलंपिक खेलों पर था जो अटलांटा ओलंपिक 1996 के उपलक्ष्य में प्रकाशित किया गया था।

7.3.5 साहित्य की मासिक पत्रिका 'आजकल' हिंदी और उर्दू में प्रकाशित की जाती है। 'आजकल' (हिंदी) ने जून 1996 में कवि नागार्जुन के 80वें जन्म दिवस के अवसर पर एक विशेषांक का प्रकाशन किया। इसका नवंबर अंक मुख्यतः इतिहास पर था जिनमें लोकप्रिय लेखक राम शरण शर्मा और लाल बहादुर वर्मा के लेख शामिल थे। इसी तरह 'आजकल' उर्दू ने वरिष्ठ हिंदी और उर्दू कथालेखक 95 वर्षीय देवेंद्र सत्यार्थी पर एक अंक प्रकाशित किया। इसके अलावा 'नशाखोरी और उसकी रोकथाम', 'वयस्क शिक्षा' जैसे लेख और महात्मा गांधी के 126वें जन्म दिवस पर कविताएं प्रकाशित की गईं। महान शायर मिर्ज़ा ग़ालिब की 200वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो एलबम भी प्रकाशित किया गया जिसमें ग़ालिब के शेरों पर आधारित श्री ब्रजेंद्र स्याल के मूर्ति शिल्प दर्शाए गए हैं।

7.3.6 अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में हर हफ्ते छपने वाला 'एंप्लायमेंट न्यूज', 'रोज़गार समाचार' वर्तमान में सबसे ज्यादा प्रसारित होने वाला कैरियर गाइड है। इसमें केंद्र/राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, प्रतिष्ठित निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थाओं आदि में विभिन्न नौकरियों की रिक्तियों के बारे में जानकारी मिलती है। यह पत्र भिन्न-भिन्न विषयों पर प्रतिष्ठित लेखकों द्वारा लिखे गए सम-सामयिक महत्त्व के लेख भी प्रकाशित करता है। केंद्रीय सिविल सेवा परीक्षा पाठ्यक्रम से संबद्ध विषयों पर आधारित शृंखला ने उम्मीदवारों को उनके लिए जरूरी स्रोत सामग्री उपलब्ध कराने के क्षेत्र में लंबी यात्रा तय की है। 'डायरी ऑफ इवेंट्स' और 'अपनी हिंदी संवारें' शीर्षक स्तंभों के अतिरिक्त इस पत्र ने तीन नए स्तंभ : 'क्या आप जानते हैं', 'पत्राचार द्वारा शिक्षा' और 'संपादक के नाम पत्र' शुरू किए। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-दिसंबर 1996) में एक महीने की अवधि के दौरान इसका औसत प्रिंट आर्डर प्रति सप्ताह पांच लाख प्रतियों से ऊपर रहा जो अब प्रति सप्ताह सात लाख प्रतियों तक पहुंचने वाला है।

## विपणन

7.4 प्रकाशन विभाग अपने प्रकाशनों तथा अन्य सरकारी और अर्द्धसरकारी संगठनों के पुस्तकों की बिक्री नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, कलकत्ता, लखनऊ, चेन्नई, पटना और तिरुअनंतपुरम स्थित अपने बिक्री केंद्रों और एजेंटों के जरिये करता है। 1 अप्रैल से 31 दिसंबर 1996 की अवधि में विभाग ने पुस्तकों और पत्रिकाओं की बिक्री से कुल 11.85 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया।

## प्रदर्शनी/मेले

7.5 वर्ष 1996-97 के दौरान विभाग ने देश भर के लगभग 32 प्रदर्शनियों/मेलों में भाग लिया। विभाग ने इस वर्ष चंडीगढ़, नागपुर और दिल्ली में स्वतंत्र रूप से भी तीन प्रदर्शनियां आयोजित कीं। महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों/मेलों के दौरान हुई सकल बिक्री का विवरण पिछले पृष्ठ पर है।

## पुरस्कार

7.6 प्रकाशन विभाग ने भारतीय प्रकाशक संघ से पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए विभिन्न वर्गों के अंतर्गत कई पुरस्कार जीते। संदर्भ पुस्तक वर्ग में 'भारत 1995' को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। पत्रिकाओं के वर्ग में 'बालभारती' को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। सामान्य और व्यापारिक पुस्तक वर्ग में 'हिन्दी तथा उसकी उपभाषाएं' को द्वितीय पुरस्कार और उर्दू पुस्तक 'राग-रागिनियों की तस्वीरें' को कला पुस्तक संवर्ग में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

| क्रम सं. | मेला/प्रदर्शनी | स्थान | सकल बिक्री (लाख रुपयों में) |
|---|---|---|---|
| 1. | ग्रीष्मकालीन पुस्तक प्रदर्शनी | हैदराबाद | 1.05 |
| 2. | ग्रीष्मकालीन पुस्तक प्रदर्शनी | लखनऊ | 1.03 |
| 3. | ग्रीष्मकालीन पुस्तक प्रदर्शनी | तिरुअनंतपुरम | 2.72 |
| 4. | ग्रीष्मकालीन पुस्तक प्रदर्शनी | दिल्ली (मुख्यालय) | 4.05 |
| 5. | दिल्ली पुस्तक मेला 1996 | दिल्ली (मुख्यालय) | 2.20 |
| 6. | नागपुर पुस्तक प्रदर्शनी | नागपुर | 2.00 |
| 7. | चंडीगढ़ पुस्तक प्रदर्शनी | चंडीगढ़ | 1.50 |

# 8

# क्षेत्रीय प्रचार

## क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय

8.1.1 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय मंत्रालय की एक अंतर-वैयक्तिक प्रचार इकाई है जो मुख्यत: आम लोगों के स्तर पर काम करती है। इसकी स्थापना 1953 में 'पंचवर्षीय योजना प्रचार संगठन' के नाम से की गई थी जिसका एकमात्र उद्देश्य पंचवर्षीय योजनाओं का प्रचार करना था। विगत वर्षों में धीरे-धीरे इसका कार्यक्षेत्र विस्तृत होता गया और इसने योजना-प्रचार की सीमाओं से निकलकर सरकार के सभी लक्ष्यों, योजनाओं और नीतियों को अपने प्रचार के दायरे में ले लिया। दिसंबर 1959 में संगठन का नाम बदल कर क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय कर दिया गया।

8.1.2 विगत वर्षों में निदेशालय ने राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया में लोकप्रिय सहभागिता जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 260 क्षेत्रीय इकाइयों के विस्तृत तंत्र ने इस निदेशालय को सुदूरवर्ती गांवों और उन लोगों तक पहुंचाने में मदद की है जिन तक जनसंचार का कोई रूप अभी तक नहीं पहुंच पाया है। सामूहिक बहसों, सार्वजनिक सभाओं, फिल्म प्रदर्शनों, प्रदर्शनियों और कलाकारों द्वारा मनोरंजक कार्यक्रमों के जरिये निदेशालय अपने संदेश लोगों तक पहुंचा कर उन्हें विकास की प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। यह संगठन सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में लोगों की प्रतिक्रियाएं भी एकत्र करता है तथा उपयुक्त कार्रवाई और सुधार के उपायों के लिए उसकी रिपोर्ट संबद्ध अधिकारियों को देता है। इस प्रकार निदेशालय सरकार और जनता के बीच विचारों के आदान-प्रदान के लिए दोहरी भूमिका निभाता है।

## संगठन

8.2 नीचे दिया गया चार्ट निदेशालय का बुनियादी संगठनात्मक ढांचा प्रस्तुत करता है :

**मुख्यालय**
(नई दिल्ली में)
|
22 प्रादेशिक कार्यालय
|
260 क्षेत्रीय प्रचार इकाइयां

158 सामान्य इकाइयां | 72 सीमावर्ती इकाइयां | 30 परिवार कल्याण इकाइयां

प्रादेशिक कार्यालयों और क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों की सूची अध्याय के अंत में दी गई है।

आंध्रप्रदेश में शराब और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ जागृति पैदा करने के लिए क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय द्वारा आयोजित महिलाओं की रैली

## निष्पादन

8.3 क्षेत्रीय प्रचार इकाइयां मुख्यतः सामूहिक बहसों, सार्वजनिक सभाओं, परिसंवादों, संगोष्ठियों जैसे मौखिक अंतर-वैयक्तिक संचार के तरीकों के माध्यम से लोगों तक पहुंचती हैं। इनके अलावा फिल्मों, फोटो प्रदर्शनियों और कलाकारों द्वारा लोककथाओं और नाटकों की प्रस्तुतियों के जरिए भी ये इकाइयां जनसाधारण से संपर्क स्थापित करती हैं। इसके कार्यक्रमों में लोगों की अधिकतम भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए वाद-विवाद, भाषण, चित्रकला, गायन, निबंध और नारा लेखन, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा रैलियां आयोजित की जाती हैं।

**क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों का कार्य निष्पादन (अप्रैल-दिसंबर 1996)**

| | |
|---|---|
| **फिल्म प्रदर्शन** | **36,387** |
| **बातचीत** | **39,634** |
| **विशेष कार्यक्रम** | **5,695** |
| **फोटो प्रदर्शनी** | **22,828** |
| **भ्रमण दिवस** | **18,885** |

वर्ष 1996-97 की गतिविधियों का विषय-वार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

## राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव

8.4 निदेशालय के ज्यादातर क्षेत्रीय कार्यक्रमों का नियमित हिस्सा होने के अलावा राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव पर विभिन्न क्षेत्रों के महत्वपूर्ण मेलों और समारोहों के दौरान तथा गांधी जयंती, स्वतंत्रता दिवस, सद्भावना दिवस, कौमी एकता दिवस, जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष ध्यान दिया गया। कई परिसंवादों, संगोष्ठियों, सार्वजनिक सभाओं, रैलियों, फिल्म प्रदर्शनों, कवि सम्मेलनों के साथ-साथ वाद-विवाद, भाषण, चित्रकला और देशभक्ति के गीतों की गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कुछ उल्लेखनीय कार्यक्रम मिज़ोरम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, असम तथा जम्मू और कश्मीर जैसे सीमावर्ती राज्यों में स्थित इकाइयों ने आयोजित किए। जम्मू और कश्मीर में उधमपुर इकाई ने नियत्रण रेखा के निकट बसे गांवों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। चेन्नई प्रादेशिक कार्यालय ने श्रीलंका से प्रत्यावर्त्तित तमिलों के लिए विशेष सामूहिक बहस और फिल्म प्रदर्शन आयोजित किए। अन्य कार्यक्रमों में केरल की क्विलोन और त्रिचूर इकाइयों ने मई 1996 में राष्ट्रीय एकता पर पांच दिवसीय प्रचार अभियान आयोजित किया, बंगलौर इकाई ने 'भारत छोड़ो दिवस' के अवसर पर बहुभाषी कविगोष्ठी आयोजित की और बिहार की भागलपुर इकाई ने सद्भावना दिवस के अवसर पर 'सद्भावना दौड़' का आयोजन किया।

## ग्रामीण विकास और पंचायती राज

8.5 ग्रामीण विकास और पंचायती राज इस निदेशालय के प्रचार का एक महत्वपूर्ण विषय बना रहा। इसके अंतर्गत सभी गतिविधियों का केन्द्र नई सरकार का न्यूनतम साझा कार्यक्रम रहा। वर्ष के दौरान किसान सम्मेलन, महिला सम्मेलन, रैलियां, जन सभाएं, ग्रामीण खेल, सामूहिक बहस, प्रश्नोत्तरी सत्र और संगोष्ठियां आयोजित की गईं। इनके साथ-साथ फिल्म शो, फोटो प्रदर्शनियां, मुद्रित सामग्री का वितरण, गीत और नाटक कार्यक्रम ग्रामीण विकास गतिविधियों में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित किए गए। सरकार की विभिन्न गरीबी उन्मूलन परियोजनाओं के साथ-साथ ग्रामीण स्वास्थ्य और सफाई, सिंचाई की सुविधाओं आदि का व्यापक प्रचार किया गया। इस संबंध में राजस्थान, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, बिहार, जम्मू और कश्मीर तथा उत्तर प्रदेश में किए गए प्रयास विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे जहां लगभग प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यक्रम में इस विषय पर यथेष्ट ध्यान दिया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण विकास परियोजनाओं को लागू किए जाने संबंधी जन प्रतिक्रिया रिपोर्ट तथा सफलता की कहानियां एकत्र की गईं और संबद्ध एजेंसियों को भेजी गईं।

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

8.6.1 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने वर्ष 1996-97 के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रचार जारी रखा। एड्स समस्या पर अधिकतम ध्यान दिया गया और इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक क्षेत्रीय इकाई ने जन शिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का लक्ष्य मुख्य रूप से ट्रक ड्राइवर, महिलाएं और युवा, पेशेवर यौनकर्मी तथा नशेड़ियों जैसे उच्च जोखिम वाले समूह थे। ये कार्यक्रम अधिकांशतः स्वयंसेवी संगठनों, स्वास्थ्य कर्मियों, युवाओं के क्लबों और महिला मंडलों के साथ मिलकर आयोजित किए गए। एड्स जागरूकता अभियान खास तौर पर केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, असम, नगालैंड, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, पंजाब, उत्तरप्रदेश और उड़ीसा जैसे राज्यों में प्रबल था। केरल में, एर्नाकुलम इकाई ने 'एड्स की बातें एड्स की रोकथाम' नाम से सघन प्रचार अभियान चलाया, जब कि एलेप्पी इकाई ने लगातार छह महीने अभियान चलाया जिसका लक्ष्य मछुआरे, नारियल का काम करने वाले और छिलका अलग करने वाले मजदूर थे। उड़ीसा में फूलबनी और क्योंझर इकाइयों ने सामूहिक बहसों और जनसभाओं की एक शृंखला आयोजित करके तथा प्रचार सामग्री के वितरण के द्वारा आदिवासियों के बीच एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए काम किया। आंध्रप्रदेश में वारंगल इकाई ने जेल के कैदियों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम

आयोजित किए। पंजाब, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश में क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए। जनवरी 1997 में बंगलौर में इस विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित की गई ताकि विभिन्न इलाकों में क्षेत्रीय स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों के बीच पारस्परिक संवाद स्थापित हो सके।

8.6.2 एड्स के अलावा सभी क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने जुलाई 1996 में प्राथमिक विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम तथा दिसंबर 1996 और जनवरी 1997 में पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का प्रचार किया। मानसून और मानसून के बाद के समय में पूर्वोत्तर क्षेत्र की क्षेत्रीय इकाइयों ने मलेरिया की रोकथाम और प्रबंध पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और असम में पानी से उत्पन्न होने वाली बीमारियों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह, विश्व स्तनपान सप्ताह, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व खाद्य दिवस, मानसिक स्वास्थ्य दिवस, नेत्रदान पखवाड़ा, रक्तदान सप्ताह, नशीले पदार्थों की तस्करी विरोधी अंतर्राष्ट्रीय दिवस जैसे अवसरों का समुचित उपयोग स्वास्थ्य संबंधी विशेष समस्याओं, शराब और नशे की लत, मानसिक स्वास्थ्य, रक्तदान तथा नेत्रदान आदि पर फोकस करने के लिए किया गया।

8.6.3 परिवार कल्याण पर प्रचार से पहले निदेशालय ने 90 कम प्रचार वाले जिलों और 24 ऐसे जिलों की पहचान की जहां आबादी अधिकतम सीमा तक पहुंच चुकी थी और जिनमें सघन प्रचार की आवश्यकता थी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर कई इकाइयों ने जनसंख्या विस्फोट के परिणामों को केंद्र में रखकर हफ्ते भर का प्रचार अभियान आयोजित किया।

## बच्चों के अधिकार

8.7 निदेशालय ने मई और जून 1996 में यूनीसेफ के साथ मिलकर उदयपुर, देहरादून और भुवनेश्वर में 'बच्चों के अधिकार' विषय पर तीन कार्यशालाएं आयोजित कीं। इनका मकसद क्षेत्रीय अधिकारियों को इस समस्या की जानकारी देना था। इन कार्यशालाओं में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद क्षेत्रीय इकाइयों ने अपने-अपने इलाकों में बाल अधिकारों पर विशेष अभियान चलाए। उत्तर प्रदेश में देहरादून और लखनऊ प्रादेशिक कार्यालयों के अंतर्गत आने वाली क्षेत्रीय इकाइयों ने जनप्रयासों को गहन बनाने की एक कार्ययोजना के अंग के रूप में राष्ट्रीय स्काउट योजना, नेहरू युवा केंद्र और स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर कई विचार गोष्ठियों तथा कार्यशालाओं के साथ-साथ निबंध, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। उड़ीसा में भुवनेश्वर और पुरी इकाइयों ने पुरी की

क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की चमोली इकाई द्वारा सामाजिक समस्याओं पर महिलाओं के साथ विचार-विमर्श

रथयात्रा के दौरान कार्यशालाएं, संगोष्ठियां तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किए। फूलबनी और भवानी पटना इकाइयों ने इस विषय पर कंधमाल जिले में तीन महीने का एक सघन अभियान चलाया। पश्चिम बंगाल में पूरे राज्य में आयोजित कार्यशालाओं, रैलियों और प्रतियोगिताओं की श्रृंखला के अलावा कलकत्ता तथा बैरकपुर इकाइयों ने चौबीस परगना जिले में 15 दिनों का एक अभियान चलाया। कलकत्ता नगर में कई जगहों पर बच्चों के अधिकारों, विशेषकर बालिकाओं के अधिकारों पर संदेश देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक बोर्ड प्रदर्शित किए गए।

## आजादी का पचासवां साल

8.8 15 अगस्त, 1996 से स्वतंत्रता के 50वें वर्ष की शुरुआत के साथ निदेशालय की सभी क्षेत्रीय इकाइयों ने साल भर चलने वाले समारोहों की शुरुआत करते हुए विशेष कार्यक्रम चलाए। केरल, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम बंगाल तथा उत्तर प्रदेश में इकाइयों ने वर्तमान संदर्भ में राष्ट्रीय एकता, राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत, भारत और सी.टी.बी.टी. जैसे मुद्दों पर परिसंवाद और विशेष वार्ताएं आयोजित कीं। कठुआ, पुंछ (जम्मू और कश्मीर), नाम्पोंग (अरुणाचल प्रदेश), चिशूरा, बहरामपुर (प. बंगाल) इकाइयों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन आयोजित किए। देश भर की क्षेत्रीय इकाइयों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर फिल्में प्रदर्शित करने और फोटो प्रदर्शनी लगाने के अलावा स्कूल और कालेज के छात्रों के लिए चित्रकला, भाषण, प्रश्नोत्तरी, खेलकूद और गायन प्रतियोगिताएं आयोजित की।

## मेले और त्यौहार

8.9 निदेशालय की क्षेत्रीय इकाइयों ने अपने-अपने इलाकों के महत्वपूर्ण मेलों और त्यौहारों के अवसर पर प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा, पंजाब और हरियाणा की बैसाखी, मेरठ का नौचंदी मेला, उधमपुर का शुद्ध महादेव मेला, कामाख्या मंदिर, असम का अंबुबाशी मेला, बिहार का राजगीर मलमास मेला, राजस्थान का गणगौर मेला, चमोली का आदि बद्री मेला, ओणम, नवरात्र, गणेशोत्सव आदि शामिल हैं। इन अवसरों का समुचित उपयोग राष्ट्रीय एकता तथा सांप्रदायिक सद्भाव का प्रचार करने, सकारात्मक सामाजिक अभिवृत्ति को प्रोत्साहन देने और एड्स तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किया गया।

## साक्षरता

8.10 निदेशालय की क्षेत्रीय इकाइयों ने विभिन्न राज्यों में चलाए जा रहे संपूर्ण साक्षरता अभियान को प्रचारात्मक सहयोग दिया। इकाइयों ने साक्षरता समितियों के साथ मिलकर सब के लिए प्राथमिक शिक्षा और कामकाजी साक्षरता के महत्व को उजागर करने के लिए जीवंत मनोरंजन कार्यक्रम तथा फिल्मों के प्रदर्शन आयोजित किए। इस विषय को उजागर करने के लिए विश्व साक्षरता दिवस तथा शिक्षक दिवस जैसे अवसरों का समुचित उपयोग किया गया।

## नई आर्थिक नीति तथा संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली

8.11 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय की इकाइयों ने लोगों को उदारवादी आर्थिक नीतियों तथा संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के बारे में शिक्षित करना जारी रखा। इससे संबंधित 'चेतना', 'आशा की किरण', 'समय के साथ' आदि फिल्में प्रदर्शित की गईं। लोगों को उपभोक्ताओं के अधिकार तथा सरकार द्वारा किए गए उपभोक्ता संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी देने के लिए देश के विभिन्न भागों में कई परिसंवाद और सामूहिक चर्चाएं आयोजित की गईं। संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के कार्यान्वयन पर बड़ी संख्या में लोगों की प्रतिक्रियाएं इकट्ठी की गईं और उचित कार्यवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजी गईं।

## दिवस, सप्ताह और पखवाड़े

8.12 क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय ने विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व जनसंख्या दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, वन्य जीव सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस, विश्व आवास दिवस, पोषण सप्ताह आदि से संबंधित विशेष प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए। क्षेत्रीय इकाइयों ने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम का प्रचार कर उसे बल प्रदान किया। स्वतंत्रता दिवस, सद्भावना दिवस, कौमी एकता दिवस, गांधी जयंती, अंबेडकर जयंती जैसे राष्ट्रीय महत्व के अवसरों पर भी उनसे संबंधित क्षेत्रीय प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए गए।

## महिला और बाल विकास

8.13 क्षेत्रीय प्रचार कार्यों में महिलाओं और बच्चों का विकास इस वर्ष भी प्राथमिकता का विषय रहा। महिलाओं को अधिकार संपन्न बनाने के उद्देश्य से महिला समृद्धि योजना, समन्वित बाल विकास सेवाएं, इंदिरा महिला कोष, इंदिरा महिला योजना और ग्रामीण विकास योजनाओं में महिलाओं के लिए विभिन्न संघटकों के बारे में लोगों को जागरूक बनाने और उन्हें शिक्षित करने के लिए प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए गए। क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने बाल विवाह, दहेज तथा बालिकाओं के साथ भेदभाव जैसी कुरीतियों के विरुद्ध और पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण पर प्रचार अभियान चलाए। नाई

**मनाए गए दिवस/सप्ताह**

- विश्व जनसंख्या दिवस
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
- विश्व पर्यावरण दिवस
- विश्व स्वास्थ्य दिवस
- अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस
- विश्व एड्स दिवस
- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
- विश्व स्तनपान दिवस
- रक्तदान दिवस
- नेत्रदान पखवाड़ा
- मानसिक स्वास्थ्य दिवस
- स्वतंत्रता दिवस
- गणतंत्र दिवस
- गांधी जयंती
- आंबेडकर जयंती
- सद्भावना दिवस/सप्ताह
- कौमी एकता दिवस/सप्ताह
- हिंदी दिवस/पखवाड़ा

1996 में लखनऊ प्रादेशिक कार्यालय की लखनऊ, रायबरेली और लखीमपुर खीरी इकाइयों ने रायबरेली जिले के सलोन प्रखंड में महिला समृद्धि योजना पर आठ दिनों का प्रचार अभियान चलाया। अभियान के आखिरी दिन महिला समृद्धि योजना के अंतर्गत 22 हजार रुपये के 266 नए खाते खोले गए।

## अस्पृश्यता उन्मूलन

8.14 अस्पृश्यता मानवता के विरुद्ध अपराध है। विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा आयोजित अस्पृश्यता उन्मूलन संबंधी प्रचार कार्यक्रमों का यह स्थायी भाव था। छूआछूत की बुराइयों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए संत रविदास जयंती, डॉ. आंबेडकर जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, गांधी जयंती आदि जैसे उचित अवसरों का प्रभावपूर्ण तरीके से उपयोग किया गया। अक्तूबर 1996 में कर्नाटक की गुलबर्गा इकाई ने इस विषय पर सप्ताह भर का प्रचार अभियान चलाया। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और केरल में क्षेत्रीय इकाइयों ने सामूहिक चर्चाएं तथा बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। 'संत रविदास', 'क्राई फॉर जस्टिस', 'एंसिएंट कर्स', 'मज़हब', 'हम एक रहेंगे', आदि फिल्में प्रदर्शित की गईं।

## नशाखोरी और उसकी रोकथाम

8.15 शराब और नशे की बुराइयों को उजागर करने के लिए और नशाबंदी को प्रोत्साहन देने के लिए क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने 'अलकोहलिक ड्रिंक', 'बूंद-बूंद जहर', 'जाम और अंजाम' तथा 'बोटल्ड कैनीबल' जैसी विभिन्न फिल्में प्रदर्शित कीं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ विरोधी दिवस और नशाबंदी सप्ताह का विशेष रूप से उपयोग किया गया।

## पर्यावरण और वानिकी

8.16 लोगों में पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों ने कार्यक्रम आयोजित किए। इस उद्देश्य के लिए विश्व पर्यावरण दिवस, वन महोत्सव सप्ताह, विश्व आवास दिवस, वन्यजीव सप्ताह आदि अवसरों का उचित उपयोग किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जम्मू और कश्मीर की उधमपुर तथा कठुआ इकाइयों ने संगोष्ठियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। बिहार में हजारीबाग इकाई ने कैदियों के लिए एक संगोष्ठी आयोजित की जबकि बंगलौर इकाई ने एक कवि गोष्ठी आयोजित की। उड़ीसा की संबलपुर और फूलबनी इकाइयों ने वन महोत्सव सप्ताह मनाने के क्रम में विद्यार्थियों की एक पदयात्रा सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए। केरल प्रादेशिक कार्यालय ने औषधीय पौधे उगाने के लिए 'औषधोध्यानम्' नाम से एक अभियान चलाया। प्रदूषण निवारण दिवस के अवसर पर कलकत्ता इकाई ने दक्षिण चौबीस परगना जिले के एक विकासशील औद्योगिक क्षेत्र में 'पर्यावरणीय प्रदूषण' पर एक परिसंवाद का आयोजन किया।

## हिंदी को प्रोत्साहन

8.17 कार्यालय के कामों में हिंदी को प्रोत्साहन देने के लिए निदेशालय को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा स्थापित किया गया है। सभी क्षेत्रीय इकाइयों ने प्रशंसनीय तरीके से हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा मनाया।

## भ्रमण कार्यक्रम

8.18 निदेशालय ने अभिमत तैयार करने वाले नेताओं जिनमें किसान, युवा नेता, सामाजिक कार्यकर्त्ता आदि शामिल हैं, के लिए तीन भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किए। क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के देहरादून प्रादेशिक कार्यालय द्वारा आयोजित पहले भ्रमण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पर्वतीय जिलों में 19 अभिमत नेताओं को पंजाब और हरियाणा की संस्थाओं, परियोजनाओं तथा औद्योगिक इकाइयों में ले जाया गया। दूसरा भ्रमण कार्यक्रम चेन्नई प्रादेशिक कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया जिसमें 18 अभिमत नेताओं को गुजरात का भ्रमण कराया गया। रांची प्रादेशिक कार्यालय ने तीसरा भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें 20 अभिमत नेता पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के भ्रमण पर ले जाए गए।

### कर्नाटक

1. बंगलूर
2. बेलगाम
3. बेल्लारी
4. बीजापुर
5. चित्रदुर्ग
6. धारवाड़
7. गुलबर्गा
8. हासन
9. मंगलूर
10. मैसूर
11. शिमोगा

### केरल

1. अलेप्पी
2. कन्नानूर
3. कोट्टायम
4. कोझिकोड
5. क्विलोन
6. त्रिचूर
7. एर्नाकुलम
8. कालपेट्टा (वायनाड़)
9. मल्लापुरम
10. पालघाट
11. तिरुअनंतपुरम
12. कावारत्ती

### मध्य प्रदेश (पूर्व), रायपुर

1. अंबिकापुर
2. बालाघाट
3. बिलासपुर
4. दुर्ग
5. जबलपुर
6. जगदलपुर
7. कांकेर
8. रायपुर
9. रीवां
10. शहडोल
11. सीधी

### मध्य प्रदेश (पश्चिम), भोपाल

1. भोपाल
2. छतरपुर
3. छिंदवाड़ा
4. गुना
5. ग्वालियर
6. होशंगाबाद
7. इंदौर
8. झाबुआ
9. मंदसौर
10. सागर
11. उज्जैन

### महाराष्ट्र और गोवा

1. अहमदनगर
2. अमरावती
3. औरंगाबाद
4. मुंबई
5. चन्द्रपुर
6. जलगांव
7. कोल्हापुर
8. नागपुर
9. नांदेड़
10. नासिक
11. पुणे
12. रत्नागिरी
13. सतारा
14. शोलापुर
15. वर्धा
16. पणजी

### मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा

1. अगरतला
2. आइज़ोल
3. जोवाई
4. कैलाशहर
5. लुंगलेई
6. सैहा
7. शिलांग
8. तुरा
10. विलियमनगर

### नगालैंड और मणिपुर

1. चंदेल
2. चूड़ाचांदपुर
3. इंफाल
4. कोहिमा
5. मोकोकचुंग
6. मोन
7. तामेनलोंग
8. तुएनसांग
9. उखरूल

### उत्तर-पश्चिम

1. अंबाला
2. अमृतसर
3. चंडीगढ़
4. धर्मशाला
5. फिरोज़पुर
6. हमीरपुर
7. हिसार
8. जालंधर
9. रिकोंगपिओ
10. लुधियाना
11. मंडी
12. नाहन
13. नारनौल
14. नई दिल्ली (1)
15. नई दिल्ली (2)
16. पठानकोट
17. रोहतक
18. शिमला

## उड़ीसा

1. बालेश्वर
2. बारीपाड़ा
3. बेरहामपुर
4. भवानीपटना
5. भुवनेश्वर
6. कटक
7. ढेंकानाल
8. जयपोर
9. क्योंझर
10. फूलबनी
11. पुरी
12. संबलपुर

## राजस्थान

1. अजमेर
2. अलवर
3. बाड़मेर
4. बीकानेर
5. डूंगरपुर
6. जयपुर
7. जैसलमेर
8. जोधपुर
9. कोटा
10. सवाई माधोपुर
11. सीकर
12. श्रीगंगानगर
13. उदयपुर

## तमिलनाडु और पांडिचेरी

1. कोयम्बटूर
2. धर्मपुरी
3. चेन्नई
4. मदुरै
5. पांडिचेरी
6. रामनाथपुरम
7. सेलम
8. तंजावूर
9. तिरुचिरापल्ली
10. तिरुनेलवेल्ली
11. वेल्लूर

## उत्तर प्रदेश (मध्य-पूर्व), लखनऊ

1. इलाहाबाद
2. आज़मगढ़
3. बांदा
4. गोंडा
5. गोरखपुर
6. झांसी
7. कानपुर
8. लखीमपुर-खीरी
9. लखनऊ
10. मैनपुरी
11. रायबरेली
12. सुलतानपुर
13. वाराणसी

## उत्तर प्रदेश (उत्तर-पश्चिम), देहरादून

1. आगरा
2. अलीगढ़
3. बरेली
4. देहरादून
5. गोपेश्वर
6. मेरठ
7. मुरादाबाद
8. मुज़फ्फरनगर
9. नैनीताल
10. पौड़ी
11. पिथौरागढ़
12. रानीखेत
13. उत्तरकाशी

## पश्चिम बंगाल (उत्तर), सिलिगुड़ी

1. कूच बिहार
2. गंगतोक
3. जलपाइगुड़ी
4. जोरेथांग
5. कलिम्पोंग
6. मालदा
7. रायगढ़
8. सिलिगुड़ी

## पश्चिम बंगाल (दक्षिण), कलकत्ता

1. बांकुरा
2. बैरकपुर
3. बरहामपुर
4. बर्दवान
5. कलकत्ता
6. कार-निकोबार
7. चिनसुरा
8. मेदिनीपुर
9. पोर्ट ब्लेयर
10. रानाघाट
11. कलकत्ता (एफ-डब्ल्यू)

# 9

# विज्ञापन और दृश्य प्रचार

## विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

9.1.1 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय केंद्र सरकार की प्रमुख मल्टी-मीडिया इकाई है। इसका उद्देश्य लोगों को केंद्र सरकार की गतिविधियों, नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देना तथा उन्हें विकास कार्यों में भागीदार बनने के लिए प्रेरित करना है। निदेशालय अपने ग्राहक मंत्रालयों और विभागों के साथ-साथ कुछ स्वायत्त संस्थाओं और सार्वजनिक उपक्रमों को भी विभिन्न भाषाओं में जन संचार संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराता है। ये सेवाएं मुद्रित सामग्री, पत्र-पत्रिकाओं में विज्ञापनों, रेडियो और टेलीविजन के दृश्य-श्रव्य प्रचार कार्यक्रमों, बाह्य प्रचार तथा प्रदर्शनियों के रूप में होती हैं। निदेशालय द्वारा जिन विषयों पर विशेष जोर दिया जाता है उनमें ग्रामीण विकास कार्यक्रम, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, बालिकाओं की स्थिति में सुधार, टीकाकरण, महिला तथा बाल विवाह, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्‌भाव, रक्षा, नई आर्थिक नीति, पर्यावरण, साक्षरता, रोजगार, चुनाव, एड्स रोग, नशीले पदार्थों का सेवन और उसकी रोकथाम, सीमाशुल्क तथा केंद्रीय राजस्व, आयकर और ऊर्जा संरक्षण शामिल हैं।

9.1.2 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के मुख्यालय में कई इकाइयां काम कर रही हैं। इनमें से प्रमुख हैं : प्रचार अभियान, विज्ञापन, बाह्य प्रचार, मुद्रित प्रचार, प्रदर्शनी, इलेक्ट्रोनिक आंकड़ा विश्लेषण केंद्र, मास-मेलिंग, दृश्य-श्रव्य सेल, स्टूडियो और कॉपी इकाई। विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के देशभर में फैले कई कार्यालय हैं। बंगलौर और गुवाहाटी में निदेशालय के दो क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो अपने-अपने क्षेत्र की गतिविधियों में ताल-मेल बनाए रखते हैं।

नेताजी की 100वीं जयंती के अवसर पर लालकिले में डीएवीपी द्वारा आयोजित प्रदर्शनी

**डीएवीपी : क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां**

| संख्या | इकाई का नाम | इकाई | केंद्र शासित प्रदेश/ राज्य का नाम | क्षेत्राधिकार |
|---|---|---|---|---|
| 1. | अगरतला | सामान्य | त्रिपुरा | त्रिपुरा, मिज़ोरम |
| 2. | अहमदाबाद | सामान्य | गुजरात | गुजरात, राजस्थान, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली |
| 3. | बंगलौर | सामान्य | कर्नाटक | कर्नाटक |
| 4. | भुवनेश्वर | सामान्य | उड़ीसा | उड़ीसा और बिहार (दक्षिणी) |
| 5. | मुंबई | सामान्य | महाराष्ट्र | महाराष्ट्र और गोवा |
| 6. | कलकत्ता | सामान्य | पश्चिम बंगाल | पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार (पूर्वी) |
| 7. | चंडीगढ़ | सामान्य | चंडीगढ़ | चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा |
| 8. | गुवाहाटी | सामान्य | असम | निचला असम और मेघालय |
| 9. | नई दिल्ली-I | सामान्य | दिल्ली | पूरी दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यक्रम |
| 10. | नई दिल्ली-II | सामान्य | दिल्ली | पूरी दिल्ली और देशभर में विशेष कार्यक्रम |
| 11. | हैदराबाद | सामान्य | आंध्र प्रदेश | आंध्र प्रदेश |
| 12. | इंदौर | सामान्य | मध्य प्रदेश | मध्य प्रदेश |
| 13. | इंफाल | सामान्य | मणिपुर | मणिपुर |
| 14. | जम्मू | सामान्य | जम्मू और कश्मीर | जम्मू और कश्मीर |
| 15. | जोरहाट | सामान्य | असम | ऊपरी असम |
| 16. | कोहिमा | सामान्य | नगालैंड | नगालैंड |
| 17. | लखनऊ | सामान्य | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार |
| 18. | चेन्नई | सामान्य | तमिलनाडु | तमिलनाडु, पांडिचेरी |
| 19. | शिमला | सामान्य | हिमाचल प्रदेश | हिमाचल प्रदेश |
| 20. | तिरुअनंतपुरम | सामान्य | केरल | केरल |
| 21. | तुरा | सामान्य | मेघालय | गारो पहाड़ी और इससे लगे असम के जिले |
| 22. | जयपुर | परि. कल्याण | राजस्थान | राजस्थान, गुजरात |
| 23. | भोपाल | परि. कल्याण | मध्य प्रदेश | मध्य प्रदेश और राजस्थान |
| 24. | कलकत्ता | परि. कल्याण | पश्चिम बंगाल | पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और संपूर्ण पूर्वोत्तर क्षेत्र |
| 25. | वाराणसी | परि. कल्याण | उत्तर प्रदेश | पूर्वी उत्तर प्रदेश |
| 26. | लखनऊ | परि. कल्याण | उत्तर प्रदेश | उत्तर प्रदेश और बिहार |
| 27. | नई दिल्ली-III | परि. कल्याण | दिल्ली | दिल्ली और आसपास के क्षेत्र तथा विशेष कार्य |
| 28. | पटना | परि. कल्याण | बिहार | बिहार |
| 29. | अहमदाबाद | वैन | गुजरात | गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 30. | आइजोल | वैन | मिजोरम | मिजोरम |
| 31. | बीकानेर | वैन | राजस्थान | राजस्थान |
| 32. | कलकत्ता | वैन | पश्चिम बंगाल | पश्चिम बंगाल |
| 33. | ईटानगर | वैन | अरुणाचल प्रदेश | अरुणाचल प्रदेश |
| 34. | पोर्ट ब्लेयर | वैन | अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह | अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह |
| 35. | शिलांग | वैन | मेघालय | असम और मेघालय |

टिप्पणी :
सामान्य : सामान्य प्रचार
परि. कल्याण : परिवार कल्याण इकाई
वैन : सचल प्रदर्शनी वाहन

**1996-97 में विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय की उपलब्धियां**
**(अप्रैल से 31 दिसम्बर, 1996 तक)**

समाचार पत्रों को विज्ञापन
76,508 विज्ञापन

मुद्रित सामग्री
1,14,33,309 प्रतियां

बाह्य प्रचार
3,613 होर्डिंग

प्रदर्शनियां
900 दिवस

आकाशवाणी/दूरदर्शन प्रसारण
24,490 प्रसारण

श्रव्य एवं दृश्य स्पॉट
2,905 स्पॉट

1,35,63,172 मुद्रित सामग्री
डाक द्वारा भेजी गई

कलकत्ता और चेन्नई में निदेशालय के दो वितरण केंद्र हैं जो क्रमशः पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्र में प्रचार सामग्री के वितरण का काम करते हैं। निदेशालय की 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां हैं जिनमें सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण इकाइयां और 21 सामान्य क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं। इसके अलावा चेन्नई में एक क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यशाला और गुवाहाटी में प्रदर्शनी सामग्री निर्माण केंद्र भी काम कर रहे हैं, जो मुख्यालय स्थित प्रदर्शनी प्रभाग को प्रचार सामग्री के डिजाइन बनाने और निर्माण में मदद करते हैं।

## प्रचार सामग्री का मुद्रण

9.2.1 अप्रैल-दिसंबर 1996 के दौरान निदेशालय ने ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, आयकर, जन्म और मृत्यु का पंजीकरण, महिला और बाल विकास, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव, संघीय बजट आदि पर फोल्डर, पुस्तिकाएं, विवरणिका, पोस्टर, स्टीकर आदि प्रकाशित किये।

9.2.2 विशेष अवसरों पर दिये गए प्रधानमंत्री के भाषणों को हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में पुस्तिकाओं/फोल्डरों के रूप में प्रकाशित किया गया। इनमें 'भारत कभी भी मज़हबी राष्ट्र नहीं होगा', 'जनता के लिए न्यूनतम बुनियादी सेवाएं', 'आतंकवाद के विरुद्ध संयुक्त कार्रवाई', 'जम्मू और कश्मीर पर संसद में प्रधानमंत्री का वक्तव्य', 'पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए नई पहल', (मिजो, मणिपुरी, गारो और खासी भाषाओं में भी मुद्रित किया गया), 'लोगों को योजना प्रक्रिया से जोड़ने की जरूरत', 'पेयजल और स्वच्छता को उच्च प्राथमिकता', तथा 'व्यापार में अधिक पारदर्शिता' शामिल हैं। विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने 'गरीबी मिटाने और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए राष्ट्र का संकल्प' शीर्षक से प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस

**मुद्रित सामग्री के विषय**

**कृषि**
तकनीकी सूचना चार्ट
संरक्षण सप्ताह
आइऐ, हम पूरे समर्पण
और निश्चय के साथ भूमि और
जल संरक्षण का काम करें
**रक्षा**
रक्षा पर पोस्टर श्रृंखला
जानने की जरूरत
पूर्ण सुरक्षा
हमेशा चौकस रहें
सुरक्षा कवच है।
**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण**
हृदय धमनियों की बीमारियां,
मातृत्व आनंद हो, बोझ नहीं,
नियोजन किसका? गांव का—परिवार का
स्वैच्छिक रक्तदान

पल्स पोलियो
सुरक्षित पेय जल और प्राथमिक स्वास्थ्य
दिन का भोजन
**जन्म और मृत्यु का पंजीकरण**
जन्म और मृत्यु के पंजीकरण स्टीकरों की श्रृंखला
**ग्रामीण विकास**
गरीबी उन्मूलन और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए राष्ट्र का संकल्प
सभी गांवों के लिए हर मौसम के अनुकूल सड़कें
भूमि का सर्वोत्तम रखरखाव
**सूचना और संचार**
इंडीपेक्स - 1997
आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग की स्टाइल बुक
दूरदर्शन वार्षिकी
**वित्त**
संघीय बजट 1996-97
सामाजिक न्याय के साथ तीव्र आर्थिक विकास

के अवसर पर दिया गया भाषण भी प्रकाशित किया। इसके अलावा माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित विभिन्न विकास कार्यक्रमों पर हिंदी, अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में पांच पोस्टरों की एक श्रृंखला प्रकाशित की गई। इनके शीर्षक थे—'सुरक्षित पेय जल तथा प्राथमिक स्वास्थ्य', 'दोपहर का भोजन', 'बेघर गरीबों के लिए घर', 'सभी गांवों के लिए प्रत्येक मौसम में उपयुक्त सड़क' और 'अपनी भूमि का सर्वोत्तम रखरखाव'।

9.2.3 निदेशालय ने विश्व डाक-टिकट प्रदर्शनी के अवसर पर 'इंडीपेक्स-1997' खंड-1 नाम से एक विशेष बुलेटिन भी प्रकाशित किया। इसका ध्येय दिसंबर 1997 में प्रगति मैदान में होने वाले 'इंडीपेक्स-1997' के लिए विदेशी भागीदारी को आकर्षित करना था। इस बुलेटिन का सूचना खंड हिंदी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश—पांच भाषाओं में है। निदेशालय ने 'स्वतंत्रता के 50 वर्ष' पर एक कैलेंडर-1997 भी प्रकाशित किया। आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग के लिए स्टाइल पुस्तिका, 43वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह पर एक विवरणिका तथा दूरदर्शन के लिए वार्षिक पुस्तिका भी मुद्रित की गई।

9.2.4 अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान निदेशालय ने हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में 250 पुस्तिकाओं की 98 लाख प्रतियां छापीं।

## पत्र-पत्रिकाओं में विज्ञापन

9.3.1 निदेशालय ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों तथा कुछ स्वायत्त संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं में विज्ञापन दिए। इसके लिए निदेशालय की सूची में वर्ष के दौरान 5,000 से अधिक समाचारपत्रों/पत्रिकाओं के नाम दर्ज थे। नियुक्ति, निविदा तथा नीलामी से संबंधित वर्गीकृत विज्ञापनों के साथ-साथ निदेशालय ने विभिन्न आकारों के सजावटी विज्ञापन जारी किए। विशेष दिवसों/अवसरों के लिए विज्ञापन परिशिष्ट भी जारी किए गए।

9.3.2 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान विभिन्न मंत्रालयों/विभागों 200 स्वायत्त संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के छह उपक्रमों की ओर से देश के विभिन्न हिस्सों में फैले समाचारपत्रों और पत्रिकाओं को अंग्रेजी, हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में 8,870 (8,600 वर्गीकृत और 270 सजावटी) विज्ञापन जारी किए।

**1996-97 में विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के पैनल में शामिल समाचार-पत्रों की संख्या**

**(अप्रैल से 31 दिसंबर, 1996 तक)**

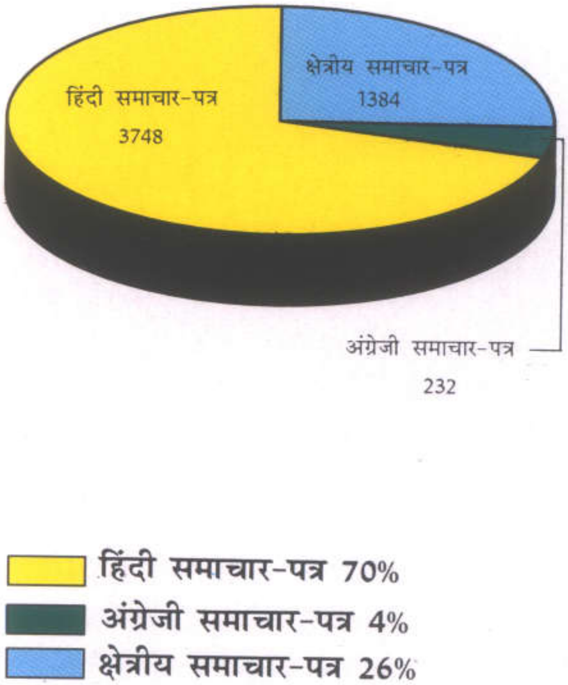


## प्रदर्शनियां

9.4.1 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने अपनी 35 क्षेत्रीय प्रदर्शनी इकाइयों की सहायता से, जिनमें सात सचल प्रदर्शनी वाहन, सात परिवार कल्याण प्रदर्शनी इकाइयां और 21 सामान्य प्रदर्शनी इकाइयां शामिल हैं, देशभर में सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और नीतियों का प्रचार किया।

9.4.2 अप्रैल 1996 में पांचवें विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर त्रिनिदाद और टोबेगो के पोर्ट ऑफ लुई में एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी की रूपरेखा इस प्रकार तैयार की गई थी कि वह हिंदी भाषा के इतिहास और विकास, इसकी स्थिति तथा हिंदी भाषी क्षेत्रों में इसके उपयोग और विकास की एक झांकी दे सके। इस प्रदर्शनी को त्रिनिदाद और टोबेगो के प्रधानमंत्री और विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों सहित बहुत से विशिष्ट व्यक्तियों ने देखा।

9.4.3 निदेशालय ने राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव पर उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, असम, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, गुजरात, तमिलनाडु और उड़ीसा सहित देश के विभिन्न भागों में 300 से ज्यादा दिनों तक 'एक राष्ट्र एक प्राण' शीर्षक से 58 प्रदर्शनियां आयोजित की। महात्मा गांधी की 125वीं जयंती मनाने के लिए केरल, असम, कर्नाटक और दिल्ली में 50 प्रदर्शनियां आयोजित की गईं जो 110 दिनों तक चलीं। 23-24 अक्तूबर 1996 को सिरी फोर्ट में आयोजित दो-दिवसीय यूरोपीय फिल्म समारोह के अवसर पर निदेशालय ने लोकप्रिय यूरोपीय फिल्मों पर पोस्टरों और साहित्य की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। 'भारत में सिनेमा के 100 वर्ष' के शताब्दी समारोह के अंग के रूप में विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने बंगलौर में एक प्रदर्शनी आयोजित की। प्रदर्शनी में लगभग 1,000 फोटोग्राफों की मदद से भारत में सिनेमा की शुरुआत से लेकर पूरी शताब्दी में आई प्रवृत्तियों सहित इसके विकास को दिखाया गया था। बाद में यह प्रदर्शनी मुंबई, जमशेदपुर और पटना ले जाई गई। संसद भवन एनेक्सी में 'संसद में कार्य निष्पादन' विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें इस विषय पर 300 से ज्यादा फोटोग्राफ, किताबें और लेख शामिल किए गए। ग्रामीण विकास पर बहुमाध्यम प्रचार अभियान के अंग के रूप में गुजरात, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और दिल्ली में छह प्रदर्शनियां लगाई गईं जो 40 से भी ज्यादा दिनों तक चलीं। देश के विभिन्न हिस्सों में 'स्वामी विवेकानंद' पर भी प्रदर्शनियां आयोजित की गईं।

9.4.4 अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के प्रदर्शनी प्रभाग ने देशभर में 170 प्रदर्शनियां लगाईं जो 800 दिनों तक चलीं।

## बाह्य प्रचार

9.5.1 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के बाह्य प्रचार विंग ने राष्ट्रीय फिल्म समारोह, नशाखोरी और उसकी रोकथाम, अस्पृश्यता, स्वास्थ्य और सफाई तथा 22वें 'सिमकान' आदि जैसे सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और विषयों का राष्ट्रव्यापी बाह्य प्रचार किया। असम, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, मेघालय, हरियाणा और राजस्थान सहित देश के विभिन्न भागों में राष्ट्रीय एकता पर लगभग 106 होर्डिंग लगाए गए। इसके अलावा कौमी एकता सप्ताह के दौरान दिल्ली में 50 कियोस्कों पर संदेश प्रदर्शित किए गए। देशभर में नशाखोरी और उसकी

रोकथाम पर 192 होर्डिंग्स की शृंखला प्रदर्शित की गई। निदेशालय ने नशाखोरी की रोकथाम पर 1,800 ब्लाक बनाए और 120 बस स्टापों पर संदेश प्रदर्शित किए। वैष्णों देवी और नई दिल्ली में आई.टी.ओ. और नोएडा के चौराहों पर विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं के बारे में कंप्यूटरीकृत एनीमेशन प्रदर्शित किए गए। यूरोपीय फिल्म समारोह के दौरान एक बोर्ड लगाया गया जिस पर सिरी फोर्ट में दिखाई जाने वाली फिल्मों का कार्यक्रम प्रदर्शित किया गया था। इस अवसर पर पूरी दिल्ली में बैनर और झंडे लगाए गए थे। नई दिल्ली स्थित संसद भवन एनेक्सी में हुए 22वें 'सिमकान' को बैनर लगाकर पर्याप्त प्रचार दिया गया।

9.5.2 अप्रैल-नवंबर 1996 की अवधि में देश भर में 310 से अधिक होर्डिंग, 230 कियोस्क, 1800 ब्लॉक पुल्स, 120 बस स्टापों और 140 बैनरों से ज्यादा का प्रदर्शन किया गया।

## दृश्य और श्रव्य प्रचार

9.6.1 दृश्य और श्रव्य सेल ने केंद्र सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाओं पर दृश्य और श्रव्य कार्यक्रम तैयार किए। इनमें शामिल हैं :

— एड्स और रक्तदान
— पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम
— ग्रामीण विकास
— विकलांगों का कल्याण
— राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव
— नवजात शिशु के लिए दुग्धपान और मां की देखभाल
— स्वास्थ्य और परिवार कल्याण
— मानव संसाधन विकास
— गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत
— प्लास्टिक की थैलियों का निबटान

### जारी किए गए कुछ विज्ञापनों के विषय

**शामिल किए गए महत्वपूर्ण दिवस/घटनाएं**

— इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर आतंक विरोधी दिवस
— डा. अंबेडकर का जन्म दिवस
— गांधी जयंती—महात्मा गांधी का जन्म दिवस
— अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस—मई दिवस
— अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस
— नशाबंदी और नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस
— स्वतंत्रता दिवस
— अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस
— राष्ट्रीय पोषण सप्ताह
— शिक्षक दिवस
— विश्व बाल दिवस
— विश्व पर्यावरण दिवस
— विश्व स्वास्थ्य दिवस
— विश्व जनसंख्या दिवस
— विश्व मितव्ययिता दिवस

**शामिल किए गए महत्वपूर्ण विषय/घटनाएं**

— एड्स
— स्तनपान
— रक्तदान
— प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण
— इंदिरा विकास पत्र
— आयकर/अनुमानित कर योजना
— एकीकृत बाल विकास
— विकास सेवा
— किसान विकास पत्र
— साक्षरता
— गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोत
— राष्ट्रीय फिल्म समारोह
— डेंगू बुखार की रोकथाम
— पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम
— परफेक्ट स्वास्थ्य मेला
— ग्रामीण विकास

शिमोगा जिले में डीएवीपी द्वारा गांधीजी के बारे में आयोजित प्रदर्शनी में दर्शक

- जल-संसाधनों का उचित प्रयोग
- राष्ट्रीय लघु बचत संगठन
- कुष्ठरोग
- उपभोक्ता मामले
- भूमि के उपयोग द्वारा उसके संपोषण में पंचायतों की भूमिका
- भोजन और पोषण
- नशाखोरी और उसकी रोकथाम
- महिला और बाल विकास
- साक्षरता

9.6.2 चेन्नई सेंट्रल, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, तिरुनेलवेल्ली, विरुधुनगर और तूतीकोरिन रेलवे स्टेशनों पर क्लोज सर्किट टेलीविजन प्रणाली के द्वारा ग्रामीण विकास, राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, एड्स, नशाबंदी और सामाजिक महत्व के अन्य मुद्दों पर संदेश प्रसारित किए गए। ग्राहक-मंत्रालयों/विभागों की तरफ से आकाशवाणी और दूरदर्शन पर विभिन्न कार्यक्रम प्रसारित किए गए। दूरदर्शन नेटवर्क और मेट्रो चैनल पर एड्स और रक्तदान पर दस वीडियो स्पॉट प्रसारित किए जा रहे हैं। निदेशालय ने कल्याण संबंधी योजनाओं पर 'आओ हाथ बढ़ाएं', गैर-परंपरागत ऊर्जा स्रोतों पर 'नई राह अपनाओ', महिला और बाल विकास पर 'नया सवेरा', परिवार कल्याण पर 'हसीन लम्हे', और 'यह भी खूब रही', ग्रामीण विकास पर 'गांव विकास की ओर' और 'चलो गांव की ओर' शीर्षक सात साप्ताहिक प्रायोजित रेडियो कार्यक्रम भी बनाए। ये कार्यक्रम प्रत्येक सप्ताह आकाशवाणी के 30 विविध भारती केंद्रों द्वारा प्रसारित किए गए।

9.6.3 अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान निदेशालय ने लगभग 2,450 श्रव्य और 45 दृश्य कार्यक्रम तैयार किए। आकाशवाणी और दूरदर्शन प्रसारणों की कुल संख्या क्रमशः 23,350 और 100 थी। ये कार्यक्रम हिंदी तथा क्षेत्रीय भाषाओं में तैयार किए गए और आकाशवाणी तथा दूरदर्शन द्वारा देश भर में इनका प्रसारण किया गया।

## डाक द्वारा प्रेषण

9.7.1 मास मेलिंग विंग में 545 वर्गों के अंतर्गत 15 लाख से ऊपर पते हैं। इन पतों पर जरूरत के मुताबिक प्रचार सामग्री भेजी जाती है।

9.7.2 अप्रैल-नवंबर 1996 की अवधि में निदेशालय ने देशभर में अपने प्रकाशनों की 1.22 करोड़ से अधिक प्रतियां भेजीं। 16,500 से भी ज्यादा नए पते जोड़े गए और 50,000 पुराने पतों को परिवर्द्धित किया गया।

# 10

# फोटो प्रचार

## फोटो प्रभाग

10.1.1 फोटो प्रभाग का मुख्य कार्य देश के विकास और सामाजिक परिवर्तनों को फोटोग्राफों के माध्यम से प्रदर्शित करना तथा संचार गतिविधियों को दृश्यों के जरिये समर्थन देना है। प्रभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय के विभिन्न माध्यम एककों तथा केन्द्र और राज्य सरकारों के अन्य मंत्रालयों/विभागों को फोटो मुहैया कराता है। इसमें राष्ट्रपति सचिवालय और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावास शामिल हैं, जिन्हें विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग द्वारा सामग्री भेजी जाती है। प्रभाग भुगतान लेकर गैर-प्रचार संगठनों और आम लोगों को भी श्वेत-श्याम तथा रंगीन फोटो और रंगीन स्लाइड/पारदर्शियों की आपूर्ति करता है। अप्रैल-नवंबर 1996 के दौरान प्रभाग ने 7.87 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया।

10.2.1 प्रभाग के मुख्यालय में विभिन्न प्रकार के फोटोग्राफिक कार्यों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएं और उपकरण हैं। मुख्य कार्यालय में एक फोटो डेटा बैंक भी स्थापित किया गया है। इस बैंक को भी क्षेत्रीय कार्यालयों से जोड़ने के नेटवर्क पर काम चल रहा है। फोटो डेटा बैंक में फोटोग्राफ रिकार्ड करने का काम भी चल रहा है। मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई और गुवाहाटी में प्रभाग के चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं।

## प्रमुख कवरेज

10.2.1 प्रभाग ने देश के विभिन्न भागों में राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की यात्राओं को व्यापक फोटो कवरेज दिया। उप-राष्ट्रपति की मंगोलिया, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान और ईरान यात्राओं तथा प्रधानमंत्री की रोम और हरारे यात्रा की

फोटो प्रभाग द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर तत्काल फोटो प्रेषित करने के लिए लगाए गए डिजिटल उपकरण

फोटो प्रभाग और यूनीसेफ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय फोटो प्रतियोगिता में श्रीमती अनीता दुआ द्वारा लिया गया प्रथम पुरस्कार प्राप्त चित्र

भी कवरेज की गई। प्रभाग ने नई दिल्ली में हुए यू.एन. इस्कैप की भी व्यापक फोटो कवरेज की। ये फोटोग्राफ पत्र सूचना कार्यालय के जरिये देशभर में जारी किए गए और विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग के जरिये विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों को जारी किए गए।

10.2.2 प्रभाग ने विदेशी राज्याध्यक्षों/शासनाध्यक्षों सहित विदेशी गणमान्य लोगों की भारत यात्रा की कवरेज की।

10.2.3 9-13 सितंबर, 1996 तक प्रभाग ने पहला पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया जिसमें राज्य सरकारों के सूचना और जनसंपर्क विभाग के 45 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस पाठ्यक्रम का उद्घाटन सूचना और प्रसारण सचिव ने किया। पाठ्यक्रम के अंत में इसमें भाग लेने वालों को प्रधानमंत्री के सूचना सलाहकार ने प्रमाणपत्र प्रदान किए।

10.2.4 फोटो प्रभाग ने 'शहर में बच्चा' विषय पर एक अखिल भारतीय फोटो प्रतियोगिता आयोजित की। इसका आयोजन, दुनिया के बच्चों की सेवा में 'यूनीसेफ' के 50वें वर्ष के उपलक्ष्य में 'यूनीसेफ' के साथ मिलकर किया गया। इस प्रतियोगिता में 353 प्रतियोगियों की 1,000 श्वेत-श्याम प्रविष्टियां तथा 873 प्रतियोगियों की 4,030 रंगीन प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। श्री अमरजीत, श्री एन. त्यागराजन और श्री ओ.पी. जोरा की जूरी ने इनमें से 26 फोटोग्राफरों—दोनों वर्गों के 13-13 फोटोग्राफरों को—पुरस्कार के लिए चुना। इसके अतिरिक्त, जूरी ने प्रदर्शनी के लिए 154 फोटोग्राफों का चयन भी किया। यह प्रदर्शनी 6-12 दिसंबर 1996 तक फ्रेस्को गैलरी, ललित कला अकादमी, कॉपरनिकस मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

# 11

# गीत और नाटक

## गीत और नाटक प्रभाग

11.1.1 गीत और नाटक प्रभाग की स्थापना 1954 में प्रमुख रूप से ग्रामीण इलाकों में विकास के लिए संचार माध्यमों के उपयोग के उद्देश्य से की गई थी। अभिनय कलाओं को संचार माध्यम के रूप में प्रयोग करने वाला यह देश का और संभवत: एशिया का सबसे बड़ा संगठन है। यह लोक तथा परंपरागत नाटक, लोक तथा परंपरागत गायन, कठपुतली, और तो और युगों पुरानी परंपरा वाली जादूगरों के कौशल जैसे कार्यक्रमों की व्यापक श्रृंखला का उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त सांप्रदायिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, सांस्कृतिक धरोहर, स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा आदि जैसे मुख्य राष्ट्रीय विषयों पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए प्रभाग लोक और पारंपरिक कलाओं तथा आधुनिक तकनीक और सैकड़ों कलाकारों वाले भव्य ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रमों का उपयोग भी करता है।

## संगठनात्मक ढांचा

11.2.1 दिल्ली में स्थित मुख्यालय के साथ-साथ प्रभाग के दस क्षेत्रीय कार्यालय, सात सीमावर्ती केंद्र, छह विभागीय नाटक मंडलियां, सशस्त्र बल मनोरंजन विंग की नौ मंडलियां, चार ध्वनि और प्रकाश इकाइयां और रांची में एक प्रायोगिक परियोजना है। इसके अलावा विभिन्न वर्गों की लगभग 700 पंजीकृत मंडलियां और लगभग 1,000 सूचीबद्ध कलाकार हैं। सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों का विस्तार करने के लिए

गीत और नाटक प्रभाग द्वारा कोज़ीकोड, केरल में आयोजित राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा

प्रभाग ने अपने बंगलौर केंद्र को प्रोन्नत कर क्षेत्रीय केंद्र बना दिया है जिसका अधिकार क्षेत्र कर्नाटक, केरल और लक्षद्वीप होगा। बिहार में, खासतौर पर इसके जनजातीय इलाकों में सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियां बढ़ाने के लिए रांची जनजातीय केंद्र को भी प्रोन्नत कर दिया गया है।

## प्रमुख गतिविधियां

11.3.1 प्रभाग ने ग्रामीण इलाकों में रोजगार परियोजनाओं, महिला समृद्धि योजना, एड्स की रोकथाम, पल्स पोलियो, नशाबंदी, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव, संशोधित जनवितरण प्रणाली और नई आर्थिक नीति पर प्रमुख प्रचार अभियान चलाए।

11.3.2 1996-97 के दौरान प्रभाग के गौरवपूर्ण कार्यक्रमों में राष्ट्रीय सांस्कृतिक समारोह, महात्मा गांधी पर 'युग पुरुष' नामक ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम, 1971 के युद्ध में भारतीय सेना की उपलब्धियों पर 'कीर्ति पर्व' नामक कार्यक्रम, विजयनगर साम्राज्य पर 'कृष्ण देवराय', कर्नाटक के इतिहास और संस्कृति पर 'कर्नाटक वैभव' और केरल इतिहास और संस्कृति पर 'स्वातंत्रयम तन्ने जीवितम' हैं।

11.3.3 पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू और कश्मीर, पंजाब तथा देश के अन्य सीमावर्ती इलाकों के संवेदनशील और भीतरी क्षेत्रों में विशेष प्रचार अभियान चलाया गया। जनजातीय, अनुसूचित जातियों और अल्पसंख्यक समुदायों की सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल करने के लिए विशेष प्रयास किए गए।

प्रभाग की गतिविधियां विभिन्न योजना और गैर-योजना कार्यक्रमों के अंतर्गत चलाई जा रही हैं।

## सीमा प्रचार मंडलियां

11.4.1 प्रभाग के पास 28 सीमा प्रचार मंडलियां हैं जो इंफाल, जम्मू, शिमला, नैनीताल, दरभंगा, जोधपुर और गुवाहाटी स्थित सात सीमावर्ती केंद्रों में स्थित हैं। इन मंडलियों ने दूरस्थ सीमावर्ती इलाकों में विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में लोगों को शिक्षित करने और सीमा पार से होने वाले विरोधी प्रचार का मुकाबला करने के लिए प्रचार किए। ये कार्यक्रम एस.एस.बी., सीमा सुरक्षा बल और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर आयोजित किए गए। 1996-97 के दौरान (दिसंबर 1996 तक) इन मंडलियों द्वारा 1,438 कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जिन इलाकों में गहन प्रचार अभियान चलाए गए उनमें से कुछ पापुमपारा (अरुणाचल प्रदेश), पूर्वी खासी

गीत और नाटक प्रभाग के कलाकारों द्वारा यक्षगान की प्रस्तुति

पहाड़ियां और गारो पहाड़ियां (मेघालय), त्वेनसांग, कैलासहर, कोहिमा (नगालैंड), नलबाड़ी, दारांग, सिबसागर, धुबरी, कछार (असम) हैं। इन मंडलियों ने जम्मू और कश्मीर के राजौरी, पुंछ, उधमपुर, कठुआ और जम्मू जिलों में सांप्रदायिक सद्‌भाव अभियान चलाए। नैनीताल सीमावर्ती केंद्र ने भी उत्तर प्रदेश के अल्मोड़ा, नैनीताल, बिंदुकला और बागेश्वर क्षेत्रों में यह अभियान चलाया। दरभंगा केंद्र ने गोपालगंज में साक्षरता अभियान में भाग लिया और सहरसा, मधेपुरा, लखीसराय आदि में भी प्रचार कार्य किया। जोधपुर केंद्र ने बच्चों के अधिकार विषय पर अभियान चलाया जिसमें बाल-विवाह जैसी ज्वलंत समस्या शामिल थी।

## विभागीय नाटक मंडलियां

11.5.1 वर्ष के दौरान पुणे, पटना, हैदराबाद, भुवनेश्वर, श्रीनगर और दिल्ली स्थित विभागीय नाटक मंडलियों ने परिवार कल्याण, एड्स, नशाखोरी, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्‌भाव, पर्यावरण समस्या आदि जैसे विभिन्न विषयों पर 276 नाटक प्रदर्शन किए। इन मंडलियों ने खास तौर पर स्थानीय मेलों और त्यौहारों में, जहां बड़ी संख्या में लोग इकट्ठे होते हैं, नाटक प्रदर्शित किए।

## सशस्त्र सेना मनोरंजन मंडलियां

11.6.1 प्रभाग की सशस्त्र सेना मनोरंजन विंग ने दिल्ली और चेन्नई स्थित अपनी नौ मंडलियों के माध्यम से अग्रिम इलाकों में तैनात जवानों का मनोरंजन किया। 1996-97 (दिसंबर 1996 तक) के दौरान इन मंडलियों ने रक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर 239 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त इन मंडलियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समारोहों में भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा राष्ट्रीय सांस्कृतिक समारोहों, पल्स पोलियो, एड्स की रोकथाम आदि पर प्रचार अभियानों में भी भाग लिया।

## जनजातीय प्रचार

11.7.1 सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों में जनजातीय सांस्कृतिक मंडलियों को शामिल करने के लिए स्थापित रांची जनजातीय केंद्र को प्रोन्नत कर दिया गया है ताकि वह अपनी गतिविधियां बढ़ा सके और अधिकाधिक जनजातीय लोगों को विकास की प्रक्रिया में शामिल कर सके। 1996-97 (दिसंबर 1996 तक) के दौरान इन मंडलियों द्वारा बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रदेश के जनजातीय इलाकों में जनजातीय लोगों से संबद्ध विभिन्न परियोजनाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए 412 कार्यक्रम आयोजित किए गए। भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में आयोजित आदिवासी उत्सव को एक विशेष सांस्कृतिक समारोह द्वारा कवर किया गया। गुवाहाटी क्षेत्रीय केंद्र में विकास संबंधी मुद्दों पर प्रचार करने के लिए मंडलियां तैनात कर पूर्वोत्तर राज्यों की जनजातीय आबादी तक पहुंचने के विशेष प्रयास किए।

## ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम

11.8.1 आम लोगों को, और विशेष रूप से युवाओं को देश की गौरवपूर्ण विरासत और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से परिचित कराने के लिए प्रभाग की ध्वनि और प्रकाश इकाई ने भव्य ध्वनि और प्रकाश कार्यक्रम आयोजित किए जिसे हजारों दर्शकों ने देखा। दिल्ली इकाई ने फैजाबाद में गांधीजी पर 'युगपुरुष' तथा महरौली में आयोजित फूल वालों की सैर, में 'मिर्ज़ा ग़ालिब' का प्रदर्शन किया। विजय दिवस के अवसर पर 'कीर्ति पर्व' नाम से एक नया कार्यक्रम तैयार किया गया जिसे कलकत्ता में प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में स्वतंत्रता के बाद से, विशेषकर 1971 के युद्ध के दौरान सशस्त्र बलों की उपलब्धियों को चित्रित किया गया था। बंगलौर इकाई ने दशहरा उत्सव के दौरान मैसूर में 'कर्नाटक वैभव' कार्यक्रम, विजयनगर की राजधानी रही हम्पी में विजयनगर साम्राज्य पर 'कृष्ण देवराय' और कोझिकोड में केरल के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत पर 'स्वातंत्र्यम तन्ने जीवितम' की प्रस्तुति की। इन इकाइयों ने दिसंबर 1996 तक 42 शो प्रस्तुत किए।

## व्यावसायिक और विशेष सेवाएं

11.9.1 प्रभाग सांस्कृतिक मंडलियों, खासकर लोक और परंपरागत कलाकारों को अपने निजी सांस्कृतिक संदर्भों के साथ लोगों से संवाद स्थापित करने के लिए तैनात करता है। निजी मंडलियों का पंजीकरण कर उन्हें ग्रामीण इलाकों के बाशिंदों के बीच विकास संबंधी विषयों का प्रचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। 700 से भी ज्यादा मंडलियों के लगभग 7,000 कलाकार और 1,000 से ऊपर सूचीबद्ध कलाकार सूचना, शिक्षा तथा संचार गतिविधियों में संलग्न हैं। दिसंबर, 1996 तक इन्होंने 22,400 से ज्यादा कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन मंडलियों ने एड्स जागरूकता, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्‌भाव, नई आर्थिक नीति, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार कार्यक्रम, महिला समृद्धि योजना जैसे प्रभाग द्वारा आयोजित सभी अभियानों में भाग लिया।

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

11.10.1 स्वास्थ्य रक्षा, छोटा परिवार, मां और शिशु, सफाई, टीकाकरण आदि के विभिन्न पहलुओं का प्रचार करने के लिए प्रभाग कलाकारों द्वारा प्रस्तुत कलाओं के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करता है ताकि उन सुदूरवर्ती और पिछड़े इलाकों में भी पहुंचा जा सके जहां इलेक्ट्रोनिक और मुद्रित समाचार माध्यमों की पहुंच नहीं है। वर्ष के दौरान प्रभाग के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर और मंडलियों के लिए राज्य स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, पल्स पोलियो टीकाकरण और स्वास्थ्य मेला कार्यक्रमों के बारे में उन्हें प्रशिक्षित करना था। कार्यशालाओं में इन विषयों पर कार्यक्रमों के पैकेज तैयार किए गए और प्राथमिक स्वास्थ्य जांच पर 2,000 कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। पल्स पोलियो टीकाकरण पर एक अभियान आयोजित किया गया जिसमें 3,000 कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, टिहरी गढ़वाल महोत्सव, इलाहाबाद का माघ मेला, पटना का ग्रामश्री मेला, उर्स मेला, भागलपुर का श्रावणी मेला, सोनपुर मेला जैसे प्रसिद्ध मेलों और समारोहों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दिसंबर 1996 तक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर 10,000 से ऊपर प्रस्तुतियां की जा चुकी थीं।

## गहन अभियान

11.11.1 मैसूर में दशहरा समारोहों, बंगलौर में कर्नाटक राज्योत्सव समारोहों और कोझिकोड में मालाबार महोत्सव तथा क्रिसमस के दौरान राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव मनाए गए। इस उत्सव का उद्देश्य भारत की विभिन्न संस्कृतियों को एक मंच पर प्रस्तुत कर राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना था। देश के अलग-अलग भागों के कलाकारों ने स्थानीय दर्शकों के समक्ष अपने-अपने प्रतिनिधि कलारूपों को प्रस्तुत किया। लगभग 200 कलाकारों को केरल और कर्नाटक के छोटे-छोटे नगरों में ले जाया गया जहां उन्होंने 100 कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

11.11.2 प्रभाग ने असम में हफ्ते भर का शांति और सद्भाव अभियान आयोजित किया जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र के लगभग 200 कलाकारों ने भाग लिया। जम्मू और कश्मीर के राजौरी, पुंछ, कठुआ, उधमपुर जिलों में सांप्रदायिक सद्भाव अभियान चलाए गए। जम्मू और कश्मीर राज्य में लगभग 400 प्रस्तुतियां की गईं। मध्य प्रदेश और राजस्थान में राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव पर अभियान चलाया गया जिसमें 1,000 कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

11.11.3 प्रभाग ने महिला और बाल विकास विभाग के साथ मिलकर गुजरात और राजस्थान के पहचान किए गए जिलों में ग्रामीण महिलाओं के बीच महिला समृद्धि योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 200 कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

11.11.4 हरियाणा में राज्य सरकार के साथ मिलकर मद्यनिषेध पर विशेष अभियान शुरू किया गया। मद्यनिषेध और नशाबंदी पर इसी तरह के अभियान मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और पूर्वोत्तर राज्यों में भी आयोजित किए गए।

11.11.5 प्रभाग ने सरकार द्वारा लागू की जा रही नई आर्थिक नीति पर सुदीर्घ प्रचार अभियान चलाया। इसके तहत लगभग 5,000 कार्यक्रम आयोजित किए गए। संशोधित सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर ऐसे ही अभियान मुख्यतः जनजातीय इलाकों में चलाए गए।

## मेले, उत्सव और जन्मदिवस

11.12.1 प्रभाग सभी प्रमुख मेलों और राष्ट्रीय तथा स्थानीय उत्सवों के दौरान कार्यक्रम प्रस्तुत करता रहा है। उड़ीसा के रथयात्रा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और पश्चिम बंगाल के दशहरा समारोह, केरल में ओणम का त्यौहार, पंजाब में बैशाखी, तमिलनाडु में पोंगल, असम में बिहू, मणिपुर में रास और याक्युंग, महाराष्ट्र में गणेशोत्सव, पश्चिम बंगाल के होली और दुर्गापूजा समारोह, भारत का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला, सोनपुर मेला, माघ मेला, अल्मोड़ा के मासी मेला आदि में इसने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। महावीर जयंती, बुद्ध पूर्णिमा, गुरु नानक जयंती आदि अवसरों पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। राष्ट्रीय नेताओं और समाज सुधारकों के जन्मदिवस मनाए गए और इन अवसरों पर उपयुक्त कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। गांधी जयंती, बाल दिवस, सद्भावना दिवस, शिक्षक दिवस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, विनोबा भावे,. डॉ. बी. आर. आम्बेडकर, रवीन्द्रनाथ ठाकुर और स्वामी विवेकानंद तथा अन्यों के जन्मदिवस मनाए गए।

# 12

# गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण

## गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग

12.1.1 गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभांग सूचना और प्रसारण मंत्रालय, इसके माध्यम एककों और उनके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए सूचना सेवा एजेंसी के रूप में काम करता है। माध्यम एककों के लिए यह एक सूचना बैंक और साथ ही साथ सूचना फीडर सेवा के रूप में भी काम करता है ताकि उनके कार्यक्रमों और प्रचार अभियानों में मदद मिल सके। यह जनसंचार माध्यम की प्रवृत्तियों का अध्ययन भी करता है और जनसंचार के क्षेत्र में संदर्भ और प्रलेखन सेवा भी प्रदान करता है। प्रभाग मंत्रालय, इसके माध्यम एककों और जनसंचार के क्षेत्र में कार्यरत अन्य संस्थाओं के उपयोग के लिए उन्हें पृष्ठभूमि सामग्री, संदर्भ और गवेषणा सामग्री तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराता है। मानव संसाधनों के नियोजन और विकास के प्रति मंत्रालय की विशेष दिलचस्पी के अनुरूप प्रभाग भारतीय जनसंचार संस्थान के साथ मिलकर भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण पर भी ध्यान देता है।

12.1.2 प्रभाग दो वार्षिक संदर्भ ग्रंथ संकलित करता है। 'भारत-वार्षिक संदर्भ ग्रंथ' भारत के बारे में एक प्रामाणिक संदर्भ कार्य है। जबकि 'मास मीडिया इन इंडिया' में देश के जनसंचार माध्यमों के बारे में सामग्री प्रकाशित की जाती है।

## संदर्भ पुस्तकालय

12.2.1 प्रभाग का अपना सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें विभिन्न विषयों पर बड़ी संख्या में दस्तावेज, चुनिंदा पत्रिकाओं के जिल्दबंद अंक और विभिन्न मंत्रालयों, समितियों और आयोगों की रिपोर्ट उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में पत्रकारिता,

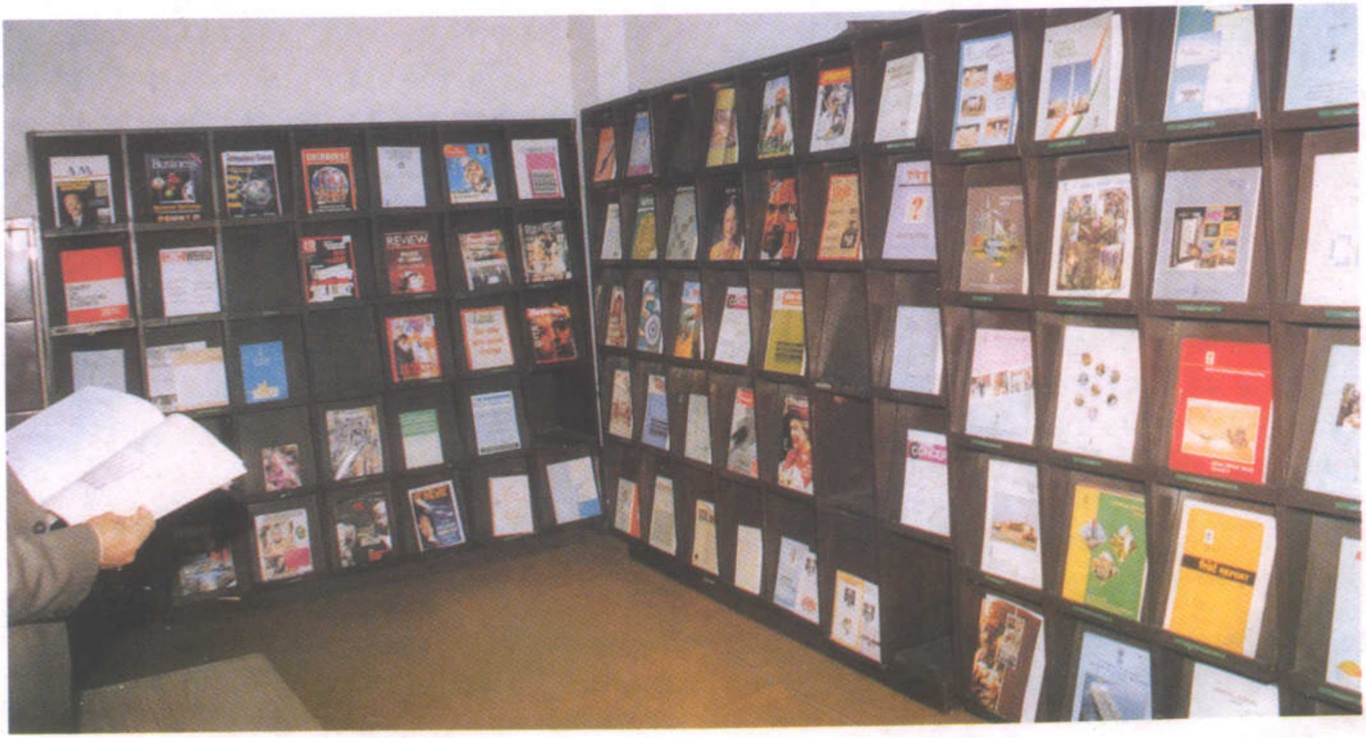

अनुसंधान, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग के सुसज्जित पुस्तकालय का एक दृश्य

भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मीडिया कम्युनिकेशन' पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले सेना के अधिकारी

जनसंपर्क, विज्ञापन और दृश्य-श्रव्य माध्यम जैसे विषयों पर विशिष्ट पुस्तकों के साथ-साथ सभी प्रमुख विश्वकोष श्रृंखला, वार्षिक संदर्भ ग्रंथ और समसामयिक लेख उपलब्ध हैं। भारतीय और विदेशी जनसंचार माध्यमों के मान्यता प्राप्त संवाददाता तथा सरकारी अधिकारी इस पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।

## जनसंचार के बारे में राष्ट्रीय प्रलेखन

12.3.1 सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के आधार पर 1976 में प्रभाग के अंतर्गत जनसंचार के बारे में राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र बनाया गया। इसका उद्देश्य जनसंचार के क्षेत्र में होने वाली घटनाओं और प्रवृत्तियों के बारे में सूचनाओं का संकलन, विश्लेषण और प्रचार-प्रसार करना है। प्रलेखन केंद्र जनसंचार पर उपलब्ध सभी समाचारों, लेखों और अन्य उपलब्ध सूचना सामग्री का प्रलेखन करता है तथा संदर्भ सूचियां बनाता है।

12.3.2 इस केंद्र द्वारा संकलित सामग्री लगभग एक दर्जन नियमित सेवाओं के जरिये प्रसारित की जाती है। इनमें 'सामयिक जानकारी सेवा', 'ग्रंथ सूची सेवा', 'जनसंचार माध्यमों में कौन क्या है' और 'जनसंचार कर्मियों को प्राप्त सम्मान' सेवाएं शामिल हैं। अप्रैल-दिसंबर 1996 के दौरान प्रलेखन केंद्र ने 31 पत्र प्रकाशित किए।

12.3.3 वर्ष के दौरान प्रभाग ने 25 संदर्भ संबंधी कार्य पूरे किए जिनमें से 19 संदर्भ पत्रों के विषय व्यापक थे। इनमें से कुछ हिंदी में जारी किए गए। इनमें से उल्लेखनीय हैं—प्रसार भारती अधिनियम, 1990 और उच्चतम न्यायालय का फैसला, ओलंपिक में भारत, साक्षरता और वयस्क शिक्षा, नेताजी के आदर्श और उनकी आज के समय में प्रासंगिकता, पेट्रोलियम उत्पादों में मूल्य वृद्धि तथा लोकपाल। संदर्भ पुस्तक वर्ग में प्रभाग द्वारा संकलित और संपादित संदर्भ वार्षिकी 'भारत-1995' को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र मिला। संदर्भ वार्षिकी का 41वां अंक 'भारत-1996' संकलित और संपादित किया जा चुका है और अब इसकी छपाई चल रही है।

12.3.4 भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए प्रभाग ने कई गतिविधियां शुरू की हैं। भारतीय सूचना सेवा के ग्रुप-ए के 10 प्रोबेशनर अधिकारियों ने 18 दिसंबर, 1996 को भारतीय जनसंचार संस्थान में अपना 11 महीने का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया। भारतीय सूचना सेवा ग्रुप-ए के प्रोबेशनर अधिकारियों का एक नया दल 11 महीने की पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए आ चुका है। प्रभाग ने सेवारत ग्रुप-ए और बी

अधिकारियों के लिए कुछ अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

## भारतीय जनसंचार संस्थान

12.4.1 भारतीय जनसंचार संस्थान की स्थापना 1965 में जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र के रूप में की गई थी। यह एक स्वायत्त संस्था है जिसे मूल रूप से भारत सरकार से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के जरिये से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। 22 जनवरी, 1966 को भारतीय समिति पंजीकरण अधिनियम (12), 1860 के अंतर्गत इस संस्थान का पंजीकरण कराया गया। यह संस्थान शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, विचार-गोष्ठियां आयोजित करता है और भारत तथा अन्य विकासशील देशों के लिए सूचना अनुकूल आधारभूत ढांचा तैयार करने में योग देता है।

12.4.2 1995-96 में संस्थान द्वारा दो प्रशिक्षण कार्यक्रम और चार डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इनका विवरण इस प्रकार है :

- भारतीय सूचना सेवा के ग्रुप-ए अधिकारियों के लिए अनुकूलन पाठ्यक्रम,
- आकाशवाणी और दूरदर्शन के कर्मचारियों के लिए प्रसारण पत्रकारिता पाठ्यक्रम,
- पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी),
- पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिन्दी),
- विज्ञापन और जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम और
- गुट-निरपेक्ष दलों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता में 28वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम दिसंबर 1996 में शुरू हुआ।

12.4.3 संस्थान भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के लिए कई पुनश्चर्या पाठ्यक्रम तथा सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाले समाचारकर्मियों के लिए विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। अपनी स्थापना के बाद से यह संस्थान अलग-अलग अवधि वाले 311 अल्पकालिक पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित कर चुका है। इनसे देश-विदेश के लगभग 6,962 प्रतिभागी लाभान्वित हुए हैं।

## दीक्षांत समारोह

12.5.1 23 अप्रैल, 1996 को आयोजित शैक्षिक सत्र 1995-96 के वार्षिक दीक्षांत समारोह में विभिन्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के 147 प्रतिभागियों को डिप्लोमा प्रदान किए गए और प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कार दिए गए।

## शैक्षिक सत्र 1996-97

12.6.1 पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी) और पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम (हिन्दी) में से प्रत्येक में 44-44 छात्रों को प्रवेश दिया गया। विज्ञापन और जनसंपर्क के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में 50 छात्र लिए गए। गुट-निरपेक्ष देशों के लिए समाचार एजेंसी पत्रकारिता का 27वां पाठ्यक्रम जुलाई, 1996 में प्रारंभ हुआ। भारतीय जनसंचार संस्थान, ढेंकनाल (उड़ीसा) में चौथे स्नातकोत्तर पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम (अंग्रेजी) में 36 छात्रों को दाखिला दिया गया। इसके अलावा संस्थान ने 1996-97 के दौरान 19 अल्पावधि पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं और विचार-गोष्ठियों का भी आयोजन किया।

## अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन

12.7.1 संस्थान ने 1996-97 के दौरान निम्नांकित अनुसंधान और मूल्यांकन कार्य किए :

- ग्रामीण विकास के लिए बहुमाध्यम प्रचार अभियान का मूल्यांकन। इसमें 11 राज्यों के 21 जिलों को शामिल किया गया।
- आकाशवाणी का मूल्यांकन।
- योजना की पठनीयता—आकाशवाणी मूल्यांकन अध्ययन।
- जल और सफाई के लिए बुनियादी सर्वेक्षण—इसमें 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 65 जिले शामिल किए गए। लगभग 60 जिलों में क्षेत्रीय कार्य पूरा कर लिया गया है। बाकी जिलों में कार्य प्रगति पर है।

## प्रकाशन

12.8.1 संस्थान ने त्रैमासिक पत्रिकाओं 'कम्यूनिकेटर' (अंग्रेजी) और 'संचार माध्यम' (हिन्दी) का प्रकाशन किया। स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्रों और समाचार एजेंसी पत्रकारिता डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों ने अपने शैक्षिक कार्यकलापों के अंग के रूप में प्रशिक्षण पत्रिकाओं का प्रकाशन किया।

## भारतीय जनसंचार संस्थान की शाखाएं

12.9.1 भारतीय जनसंचार संस्थान ने क्षेत्रीय आधार पर ढेंकनाल (उड़ीसा), कोट्टायम (केरल) झाबुआ (मध्यप्रदेश) और (नागालैंड) में शाखाएं खोलने का फैसला किया है। संस्थान की पहली शाखा 14 अगस्त, 1993 को ढेंकनाल में स्थापित की गई। तब से इस संस्थान ने पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (अंग्रेजी) के तीन पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। इस श्रृंखला में चौथा सत्र अगस्त 1996 में आरंभ हुआ। अन्य शाखाओं की आधारशिला भी रखी जा चुकी है।

# योजना निष्पादन

## आठवीं पंचवर्षीय योजना परिव्यय

13.1.1 योजना आयोग ने वर्ष 1996-97 के लिए 533 करोड़ रुपये के वार्षिक योजना परिव्यय को मंजूरी दी है। आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) और वार्षिक योजना (1996-97) का क्षेत्रवार ब्यौरा इस प्रकार है :

13.1.2 सूचना और प्रसारण मंत्रालय और इसकी मीडिया इकाइयों के योजना और गैर-योजना बजट का विवरण अनुलग्नक-II में दिया गया है।

13.1.3 1996-97 के दौरान योजनाओं को लागू करने के सिलसिले में जनसंचार माध्यम एककों की उपलब्धियां नीचे दी गई हैं:

## दूरदर्शन

13.2.1 वर्ष 1996-97 के दौरान दूरदर्शन ने टी.वी. कवरेज के विस्तार के लिए 42 ट्रांसमीटर चालू किए। इनमें डी.डी.-1 की टेलीविजन कवरेज के लिए 8 कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर और 33 अत्यंत कम शक्ति वाले ट्रांसमीटर तथा मेट्रो चैनल डी. डी.-2 की टेलीविजन कवरेज के लिए एक कम शक्ति वाला ट्रांसमीटर शामिल है। ये ट्रांसमीटर अधिकतर पहाड़ी और दूर-दराज के क्षेत्रों में लगाए गए हैं। वर्ष 1995-96 और 96-97 (31.1.97 तक) में दूरदर्शन नेटवर्क और कवरेज की स्थिति ऊपर तथा पिछले पृष्ठ पर सारिणी में दिखाई गई है।

(करोड़ रुपयों में)

| क्षेत्र | आठवीं पंचवर्षीय योजना परिव्यय (1992-97) वास्तविक | संशोधित | परिव्यय 1996-97 ब. अनु. | आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए वास्तविक/अनुमानित |
|---|---|---|---|---|
| 1. प्रसारण माध्यम | | | | |
| दूरदर्शन | 2300.00 | 2300.00 | 340.38 | 1266.30 |
| आकाशवाणी | 1134.95 | 1134.95 | 140.00 | 655.36 |
| फिल्म माध्यम | 123.65 | 149.79 | 41.26 | 122.96 |
| सूचना माध्यम | 75.40 | 87.68 | 11.36 | 49.11 |
| कुल | 3634.00 | 3672.42 | 533.00 | 2093.73 |

13.2.2 1996-97 की बाकी अवधि के दौरान जोधपुर (अंतरिम), फाजिल्का (अंतरिम), बंगलौर (डी.डी.-2) और हैदराबाद (डी.डी.-2) में उच्च शक्ति के ट्रांसमीटरों की स्थापना और अनेक कम शक्ति

| | | 1995-96 के अंत तक | 31.1.97 की स्थिति |
|---|---|---|---|
| 1. | प्राइमरी चैनल डी.डी.-1 के रिले के लिए ट्रांसमीटर केंद्र | | |
| (अ) | उच्च शक्ति ट्रांसमीटर | 77 | 77 |
| (आ) | निम्न शक्ति ट्रांसमीटर | 526 | 536 |
| (इ) | अत्यंत निम्न शक्ति ट्रांसमीटर | 120 | 153 |
| (ई) | ट्रांसपोजर्स | 20 | 20 |
| | कुल | 743 | 786 |

| | | 1995-96 के अंत तक | 31.1.97 की स्थिति |
|---|---|---|---|
| 2. | मैट्रो चैनल डी.डी.-2 के रिले के लिए ट्रांसमीटर | | |
| (अ) | उच्चशक्ति ट्रांसमीटर | 6 | 6 |
| (आ) | निम्न शक्ति ट्रांसमीटर | 33 | 34 |
| (इ) | अत्यंत निम्न शक्ति ट्रांसमीटर | 3 | 3 |
| | कुल | 42 | 43 |
| 3. | मैट्रो चैनल डी. डी. 3 के रिले के लिए ट्रांसमीटर | | |
| (अ) | उच्च शक्ति ट्रांसमीटर | 4 | 4 |
| 4. | अन्य ट्रांसमीटर (निम्न शक्ति ट्रांसमीटर) (संसद की कार्यवाही के प्रसारण के लिए दिल्ली में 2 और श्रीनगर में एक) | 3 | 3 |
| 5. | कवरेज | | |
| (अ) | जनसंख्या | 85.8 प्रतिशत | 86 प्रतिशत |
| (आ) | क्षेत्र | 68.8 प्रतिशत | 69.1 प्रतिशत |
| 6. | कार्यक्रम निर्माण केंद्र | 40 | 41 |
| 7. | चालू हालत में चैनलों की संख्या | 19 | 19 |

के तथा अत्यंत कम शक्ति के ट्रांसमीटरों और 4 भूकेंद्रों की स्थापना का काम पूरा हो जाने की संभावना है। 68 परियोजनाएं (मऊ और जलपाईगुड़ी में दो स्टूडियो, जैसलमेर बाड़मेर (अंतरिम), मोकोकचुंग और कुर्नूल में 4 उच्च शक्ति ट्रांसमीटर, 52 निम्न शक्ति ट्रांसमीटर और 10 अत्यंत कम शक्ति ट्रांसमीटर) चालू किए जाने की स्थिति में हैं।

13.2.3 वर्ष 1997-98 में दूरदर्शन की गतिविधियों में, इलाहाबाद विजयवाड़ा, पुणे, नागपुर, जगदलपुर, राजकोट, वाराणसी, रांची, भवानीपटना, त्रिचूर, ग्वालियर, इंदौर में स्टूडियो परियोजनाएं और संबलपुर तथा शांतिनिकेतन में 2 स्थाई स्टूडियो परियोजनाएं पूरी किया जाना शामिल हैं। इसके अलावा मुंबई में टेलीविजन केंद्र का विस्तार किया गया।

13.2.4 जो अन्य परियोजनाएं पूरी होने की स्थिति में हैं उनमें जोधपुर, फाजिल्का, गुलबर्गा (1 किलोवाट ट्रांसमीटर के स्थान पर), संबलपुर (1 किलोवाट के स्थान पर) और चूड़ाचांदपुर (1 किलोवाट) में उच्च शक्ति के ट्रांसमीटर (10 किलोवाट) की स्थापना के काम को पूरा करना शामिल है। भुज में 300 मीटर ऊंचे टावर का निर्माण और केन्द्र की स्थायी व्यवस्था कर लिए जाने की संभावना है। इसके अलावा बालेश्वर में उच्च शक्ति ट्रांसमीटर और 10 किलोवाट परियोजना, कालिकट में स्थायी उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (10 किलोवाट), राजामुंदरी में उच्च शक्ति ट्रांसमीटर (10 किलोवाट), 59 निम्न शक्ति ट्रांसमीटर, 64 अत्यंत निम्न शक्ति ट्रांसमीटर और पटना तथा लखनऊ में दो स्थायी भूकेंद्रों की स्थापना का काम भी पूरा हो जाने की संभावना है।

## आकाशवाणी

13.3.1 1996-97 (10.12.96 तक) के दौरान पौड़ी केंद्र (गढ़वाल—उत्तरप्रदेश) और उस्मानाबाद (महाराष्ट्र) केंद्रों को आकाशवाणी नेटवर्क में शामिल कर लिया गया जिससे देश में आकाशवाणी के केंद्रों की संख्या बढ़ कर 187 हो गई। इस समय आकाशवाणी के 297 ट्रांसमीटर हैं जिनमें 149 मीडियम वेव, 52 शार्ट वेव और 96 एफ.एम. ट्रांसमीटर शामिल हैं। आकाशवाणी के कार्यक्रम देश के 90.1 प्रतिशत भागों में 97.3 प्रतिशत जनसंख्या द्वारा सुने जा सकते हैं।

13.3.2 वर्ष के दौरान गंगतोक में 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर की शक्ति बढ़ा कर 20 किलोवाट कर दी गई। गंगतोक में प्राइमरी मीडियम वेव कवरेज के साथ शार्ट वेव कवरेज भी प्रदान करने के लिए दस किलोवाट का एक नया शार्टवेव ट्रांसमीटर स्थापित किया गया। परभनी, महाराष्ट्र में 10 किलोवाट के वर्तमान मीडियम वेव ट्रांसमीटर की शक्ति बढ़ा कर 20 किलोवाट कर दी गई। तिरुअनंतपुरम में स्टूडियो सुविधाओं का आधुनिकीकरण करके इसमें आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

13.3.3 कुल्लू, माउंट आबू, बीजापुर, किन्नौर, कारगिल, उत्तरकाशी और पिथौरागढ़ में आकाशवाणी के केंद्र तकनीकी रूप से तैयार हैं। इसी तरह कर्सियांग में 1 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, कलकत्ता में दूसरा एफ.एम. स्टीरियो चैनल, तवांग में 10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, चंडीगढ़ में 3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर, इलाहाबाद में 2×10 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, रांची में 2×3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.), अहमदाबाद का 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (वी.बी.), मुंबई का दूसरा एफ.एम. स्टीरियो चैनल, जबलपुर का 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.), पणजी में टाईप-3 स्टूडियो और ढाई-ढाई सौ किलोवाट की दो शार्टवेव ट्रांसमीटर इकाइयां, परभनी में टाईप-1 स्टूडियो, जगदलपुर 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, बंगलौर 2×3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (स्टीरियो), नागरकोइल में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर, तिरुअनंतपुरम में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (वी.बी.) और चेन्नई का दूसरा एफ.एम. चैनल भी तकनीकी रूप से तैयार है।

13.3.4 मार्च 1997 तक निम्नलिखित परियोजनाओं के भी तकनीकी रूप से तैयार हो जाने की आशा है: (अ) अलीगढ़, चूड़ाचांदपुर, आसनसोल, कोदईकनाल, चमोली, कोकराझार, जीरो और तेजपुर में रेडियो केंद्र (आ) रांची में 50 किलोवाट शार्टवेव ट्रांसमीटर, जयपोर में 50 किलोवाट शार्टवेव ट्रांसमीटर, जम्मू में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.), दिल्ली में दूसरा एफ.एम. स्टीरियो चैनल), गुवाहाटी में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.), गुवाहाटी में ही 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, संबलपुर में 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, विशाखापत्तनम में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.) दिल्ली में 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (एन.सी.) और 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर (वी.बी.) जालंधर में 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, गोरखपुर में 100 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, रांची में 50 किलोवाट शार्टवेव ट्रांसमीटर, कलकत्ता में 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, हैदराबाद में 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, एलेप्पी में 200 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, गुलबर्गा में 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, कोयम्बटूर में 20 किलोवाट मीडियम वेव ट्रांसमीटर, पांडिचेरी में 20 किलोवाट शार्ट वेव ट्रांसमीटर जैसी अन्य परियोजनाएं तथा (इ) गुवाहाटी और कलकत्ता में स्टूडियो के रीफर्बिशिंग का काम भी मार्च 1997 तक पूरा हो जाने की आशा है। मुंबई, चेन्नई और कलकत्ता की क्षेत्रीय कार्यशालाएं भी इस वर्ष के अंत तक तकनीकी रूप से तैयार हो जाएंगी।

13.3.5 1997-98 में धुबरी, भदरवाह और हिसार में रेडियो केंद्रों की स्थापना का काम पूरा हो जाएगा। कोयम्बटूर में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.), जोधपुर में 2×3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (वी.बी.), जमशेदपुर में 2×3 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.) और सिलीगुड़ी में 2×5 किलोवाट एफ.एम. ट्रांसमीटर (सी.बी.एस.) परियोजनाओं के भी पूरी हो जाने की संभावना है। इसके अलावा दिल्ली और मुंबई में स्टूडियो के रिफर्बिशिंग (चरण-2) का काम भी पूरा हो जाएगा। भुवनेश्वर में क्षेत्रीय कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान के भी 1997-98 में तैयार हो जाने की संभावना है।

## फिल्म माध्यम

13.4.1 वार्षिक योजना 1996-97 में फिल्म प्रभाग का योजना परिव्यय 4.13 करोड़ रुपये का है (1.98 करोड़ रुपये पूंजी और 2.15 करोड़ रुपये राजस्व)। प्रभाग की खासतौर से ग्रामीण दर्शकों के लिए 16 एम.एम. की विशेष लघु फीचर फिल्म, सिनेमाटोग्राफिक उपकरणों को बदलने और मुंबई में तीसरे चरण के भवन निर्माण की योजना है। 1996-97 (दिसंबर 96 तक) में फिल्म प्रभाग ने पर्यावरण, संस्कृति और ग्रामीण क्षेत्रों में आ रहे बदलावों पर चार लघु फीचर फिल्में पूरी कीं। राष्ट्रीय एकता, दहेज, अस्पृश्यता, बंधुआ मजदूरी, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उत्थान, निरक्षरता और अंध विश्वास दूर करने आदि विषयों पर 30 से अधिक लघु फीचर फिल्में निर्माणाधीन हैं। सिनेमाटोग्राफी उपकरणों को बदलने की योजना के वास्ते 1.17 करोड़ रुपये आबंटित किए गए हैं। फिल्म प्रभाग ने लघु और एनिमेशन वृत्तचित्रों के लिए मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन किया। यह द्विवार्षिक महोत्सव है। अब तक 1990, 1992, 1994 और 1996 में प्रभाग ने चार महोत्सव आयोजित किए हैं। वर्ष 1996-97 के दौरान चौथे मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह '96 के लिए प्राप्त प्रिंटों और वी.एच.एस. कैसेटों को लौटाने का काम पूरा किया गया। प्रतियोगिता/सूचना/स्पेक्ट्रम इंडिया/ वीडियो विस्टा वर्ग में शामिल फिल्मों के लिए सहभागिता प्रमाणपत्र भी जारी किए गए।

13.4.2 वर्ष के दौरान आठ चालू परियोजनाओं के लिए भारत के राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार को 1.5 करोड़ रुपये का बजट आबंटित किया गया। इन योजनाओं में विशेष वाल्ट्स के निर्माण, अभिलेखागार से संबंधित फिल्मों और दुर्लभ फिल्म सामग्री प्राप्त करने, किताबें, ऑडियो टेप्स आदि के अधिग्रहण, अभिलेखागार के आंकड़ों के कंप्यूटरीकरण, भारतीय फिल्मोग्राफी और अन्य अनुसंधान तथा मौखिक इतिहास परियोजनाओं के प्रकाशन, राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार भवन परिसर के दूसरे चरण का निर्माण तथा पुणे में स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण की योजनाएं शामिल हैं।

13.4.3 राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र के लिए वार्षिक योजना परिव्यय 1.50 करोड़ रुपये हैं। राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र ने पाँच टेलीविजन धारावाहिक पूरे किए हैं, जबकि पाँच फिल्मों, तीन लघु फिल्मों और एक टेलीविजन सीरियल को अन्य भारतीय भाषाओं में डब किया गया है। इसके अलावा दो फीचर फिल्मों के अधिकार खरीदे गए और अन्य दो फीचर फिल्मों तथा अन्य दो लघु फिल्मों के निर्माण का काम

प्रगति पर है। केंद्र ने अन्य देशों में आयोजित आठ फिल्म समारोहों में भाग लिया।

13.4.4 वर्ष 1996-97 के लिए फिल्म समारोह निदेशालय के वास्ते योजना परिव्यय 3.33 करोड़ रुपये रखा गया है। फिल्म समारोह निदेशालय ने विदेशों में आयोजित 50 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लिया। इसके अलावा नई दिल्ली में राष्ट्रीय फिल्म समारोह और राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किए गए। निदेशालय ने भारतीय पैनोरमा के प्रदर्शन की भी व्यवस्था की। विदेशों में तीन भारतीय फिल्म सप्ताह आयोजित किए गए। भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह 10 से 20 जनवरी, 1997 तक तिरुअनंतपुरम में आयोजित किया गया।

13.4.5 1996-97 में राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के लिए वार्षिक योजना परिव्यय 10 करोड़ रुपये का रखा गया है। यह राशि निगम के आंतरिक और बाह्य बजट संसाधनों से उगाही जाएगी। वर्ष 1996-97 में निगम अपने और सहनिर्माण वर्ग के तहत चार फिल्मों के निर्माण और 18 फिल्में बनवाने के लिए ऋण सहायता देगा। निगम ने वर्ष के दौरान छह सिनेमाघरों के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता देने का प्रस्ताव किया है। निगम द्वारा वर्ष 1996-97 में सिनेमाघरों, गैर-सिनेमाघरों और टेलीविजन क्षेत्रों में वितरण के लिए अनेक कालजयी फिल्मों सहित 60 फिल्मों के आयात की संभावना है, जिसमें करीब 1.20 करोड़ रुपये पूंजी का परिव्यय होगा।

13.4.6 आठवीं योजना के दौरान केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की विभिन्न परियोजनाओं के लिए कुल योजना आवंटन 1 करोड़ रुपये का है। इनमें से वर्ष 1996-97 के लिए 0.35 करोड़ रुपये आबंटित किए गए हैं। मुंबई में बोर्ड के कंप्यूटरीकरण की एक योजना लागू की गई है। यह काम राष्ट्रीय सूचनाविज्ञान केन्द्र को सौंपा गया था।

13.4.7 कलकत्ता में सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान की स्थापना की योजना को नवंबर 1992 में मंजूरी मिल गई। इस पर करीब 29.50 करोड़ रुपये की लागत आएगी। योजना के अनुसार संस्थान का निर्माण कार्य प्रगति पर है और कुछ उपकरणों को छोड़ कर सभी तरह की ढांचागत सुविधाएं 31 मार्च 1997 तक उपलब्ध करा दी जाएंगी। संस्थान के लिए वर्ष 1996-97 के वास्ते वार्षिक योजना परिव्यय 13.76 करोड़ रुपये है।

13.4.8 वर्ष 1996-97 के दौरान फिल्म और टेलीविजन संस्थान पुणे में चालू परियोजनाओं को पूरा करने करने पर जोर दिया गया। मार्च 1997 तक ध्वनि स्टूडियो के पूरा हो जाने की संभावना है। इसके विभिन्न विभागों के लिए उपकरण और मशीनें प्राप्त करने का काम भी प्रगति पर है।

13.4.9 देश में फिल्म समितियों के सर्वोच्च निकाय- भारतीय फिल्म समिति महासंघ को सिनेमा के क्षेत्र में दर्शकों की समझ विकसित करने और उनमें फिल्मों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मंत्रालय अनुदान देता है। इन फिल्म समितियों का उद्देश्य फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देना है। वर्ष 1996-97 में फिल्म समितियों को अनुदान के तौर पर तीन लाख रुपये उपलब्ध कराए गए।

## सूचना प्रभाग

13.5.1 वर्ष 1996-97 के दौरान पत्र सूचना कार्यालय ने अपने दो अन्य शाखा कार्यालयों में कंप्यूटर केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव किया है। वर्ष 1997-98 के लिए प्रस्ताव किया गया है कि वर्तमान कंप्यूटरों की 80286 और 80386 प्रणालियों को बदल दिया जाए तथा रिस्क वेब सर्वर और सन वर्क स्टेशन्स की स्थापना की जाए। जनजातीय उपयोजना के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्रों में विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कार्यालय ने वर्ष 1997-98 के दौरान अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में शाखा कार्यालय खोलने का प्रस्ताव किया है। गुवाहाटी, हैदराबाद और पटना में लघु मीडिया केंद्रों की स्थापना की जा रही है। पत्र सूचना कार्यालय ने 1997-98 में कार्यालय में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए पांच वाहन प्राप्त करने और इतने ही ड्राइवरों के पद सृजन का प्रस्ताव किया है। आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नई दिल्ली में एक भूखंड हासिल किया गया ताकि इस पर राष्ट्रीय प्रेस सेंटर की स्थापना की जा सके। 1997-98 में भौतिक और वित्तीय दृष्टि से उल्लेखनीय प्रगति की जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्रेस पार्टियों का समन्वय और आयोजन कार्यक्रम के तहत कार्यालय ने जनजातीय/ग्रामीण क्षेत्रों और सामाजिक कल्याण गतिविधियों वाले क्षेत्रों में प्रेस पार्टियों को ले जाने का प्रस्ताव किया है। इसके लिए पंद्रह लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। 1997-98 में भी यह योजना जारी रहेगी।

13.5.2 गीत और नाटक प्रभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत सूचना, शिक्षा और संचार से सबंधित गतिविधियां चलाई जाती है। प्रभाग के लिए वर्ष 1996-97 के वास्ते योजना परिव्यय 1.30 करोड़ रुपये रखा गया है। प्रभाग ने योजना आबंटन के अधिकतम हिस्से का उपयोग किया और सफलतापूर्वक विभिन्न योजनाएं लागू की। वर्ष के दौरान दो केंद्रों- बेंगलौर और रांची का स्तर पूर्ण क्षेत्रीय केंद्र का कर दिया गया। दो योजनाओं — 'संवेदनशील क्षेत्र और आधारभूत प्रचार योजना', तथा 'सीमाक्षेत्रों के लिए विशेष प्रचार योजना' के तहत प्रभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों—जम्मू- कश्मीर, पंजाब और देश के अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष प्रचार अभियान चलाया। योजना के तहत वर्ष के दौरान (दिसंबर 96 तक) 2,200 कार्यक्रम आयोजित किए गए। बिहार, मध्य प्रदेश और उड़ीसा के जनजातीय क्षेत्रों में जनजातीय दलों ने 412 कार्यक्रम आयोजित किए। प्रभाग की ध्वनि और प्रकाश इकाई दिल्ली और बंगलौर में काम कर रही है। 1996-97 के दौरान (दिसंबर 1996 तक) प्रत्येक इकाई ने 21 कार्यक्रम पेश किए।

13.5.3 वर्ष 1996-97 के लिए क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के वास्ते

एक करोड़ रुपये का आबंटन किया गया। चालू वर्ष के दौरान निदेशालय ने छह फीचर फिल्मों के 36 प्रिंट और तीन फीचर फिल्मों के 60 कैसेट खरीदे। दो अन्य फीचर फिल्मों के 6 प्रिंटों के लिए आदेश दिए गए। इन चीजों की खरीद में लगभग 17 लाख रुपये का खर्च आया। तीस चलते-फिरते वीडियो प्रोजेक्टरों की खरीद के लिए भी आदेश दिए गए। इन पर लगभग 60 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। चालू वर्ष में 30 और प्रोजेक्टर खरीदने का प्रस्ताव भी है। आधुनिकीकरण प्रक्रिया के तहत निदेशालय ने 32 क्षेत्रीय इकाइयों के पुराने और वजनी जेनरेटरों को बदलकर उन्हें हल्के बिड़ला यामाहा जेनरेटर दिए जिन पर करीब 5.4 लाख रुपये खर्च हुए। पांच इकाइयों के पुराने वाहनों को बदलने की प्रक्रिया में 13.5 लाख रुपये में पांच नई जीपें खरीदी गईं। वर्ष के दौरान जनमत बनाने वाले नेताओं के लिए तीन यात्राएं आयोजित की गईं। पहली यात्रा देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय ने अक्तूबर में, दूसरी चेन्नई क्षेत्र में नवंबर में और तीसरी रांची क्षेत्र ने आयोजित की। वर्ष 1996-97 (अप्रैल से सितंबर तक) के दौरान क्षेत्रीय प्रचार इकाइयों ने अब तक प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार 38,280 फिल्म प्रदर्शन कार्यक्रम, 41,477 मौखिक संचार और 5,925 विशेष कार्यक्रम (जैसे भाषण लेख/पेंटिंग प्रतियोगिताएं, रैली, ग्रामीण खेल स्पर्धाएं स्वस्थ शिशु आदि) तथा 25,630 फोटो प्रदर्शनियां आयोजित कीं।

13.5.4 विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के लिए वर्ष 1996-97 के वास्ते 30 लाख रुपये आबंटित किए गए। दो योजनाओं — ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विकास प्रचार कार्यक्रम और विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय को मजबूत बनाने तथा इसमें सुधार लाने का काम प्रगति पर है और इसके इसी वित्तीय वर्ष के दौरान पूरा हो जाने की संभावना है।

13.5.5 फोटो प्रभाग की तीन कार्य योजनाएं आठवीं पंचवर्षीय योजना (1992-97) और वार्षिक योजना 1996-97 में शामिल की गईं थीं। पंचवर्षीय योजना के लिए 4 करोड़ रुपये और वार्षिक योजना के लिए 0.63 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। फोटो प्रभाग के आधुनिकीकरण की योजना पर काम चल रहा है और इसके लिए प्रभाग ने आवश्यक उपकरण प्राप्त कर लिए गए हैं। फोटो प्रभाग मुख्यालय और मुंबई, कलकत्ता, चेन्नई तथा गुवाहाटी स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों में कंप्यूटर उपकरण के लग जाने के साथ फोटो डाटा बैंक के कंप्यूटरीकरण की योजना शुरू हो गई है और फोटोग्राफ को फीड करने से संबंधित काम प्रगति पर है। समाचार फोटो नेटवर्क योजना के पहले चरण के लिए उपकरण हासिल कर लिए गए हैं और इन्हें लगा दिया गया है। इस समय इस योजना पर काम चल रहा है और प्रधानमंत्री की हाल की हरारे तथा रोम यात्रा की कवरेज के फोटो डिजिटल कैमरा के जरिए भेजे गए। इन कैमरों से भेजे गए फोटोग्राफ तत्काल फोटो प्रभाग के मुख्यालय में प्राप्त हुए और फोटो प्रचार के लिए अविलंब इसे प्रेस में बांट दिया गया।

13.5.6 प्रकाशन विभाग पुस्तकों और पत्रिकाओं के जरिए सूचनाओं का प्रचार करता है। विभिन्न विकास गतिविधियों और कमजोर वर्गों, खासतौर पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उत्थान के लिए सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विभाग की पत्रिकाओं में समय-समय पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं। एक अन्य योजना के तहत सचल पुस्तक बाजार को गुवाहाटी भेजा जा रहा है। ऐसा इस सिलसिले में प्रधानमंत्री की हाल की पहल को देखते हुए किया जा रहा है। प्रकाशन विभाग ने दो और छोटे सचल पुस्तक बाजार प्राप्त करने का प्रस्ताव किया है। इन्हें भी नौवीं पंचवर्षीय योजना में पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। 'योजना' का उड़िया संस्करण 1993-94 में शुरू हुआ और यह नियमित प्रकाशित हो रहा है। इस पत्रिका की औसत प्रसार संख्या प्रतिमाह करीब 600 से 700 प्रतियां हैं। प्रभाग के आधुनिकीकरण की योजना पर काम चल रहा है।

13.5.7 भारतीय जनसंचार संस्थान के लिए वर्ष 1996-97 का परिव्यय 1.87 करोड़ रुपये रखा गया है। संस्थान द्वारा आयोजित नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा 22 लघु पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं भी आयोजित की गईं जिनमें करीब 229 सहभागियों ने हिस्सा लिया। संस्थान ने अनुसंधान और मूल्यांकन के चार अध्ययनों पर काम शुरू किया जिनमें से एक अध्ययन पूरा हो चुका है और बाकी के तीन अध्ययनों पर काम प्रगति पर है। संस्थान ने पेंटियम और वी.एच.एस.-एस. संपादन उपकरण लगाकर अपने श्रव्य-दृश्य विभाग का स्तर ऊंचा उठाया। शिक्षा और प्रशिक्षण सुविधाओं में बढ़ोत्तरी के लिए 35 एम.एम. के कुछ आधुनिक फोटो कैमरे भी खरीदे गए हैं। संस्थान अंग्रेजी में त्रैमासिक पत्रिका 'कम्युनिकेटर' और हिंदी में 'संचार माध्यम' का प्रकाशन करता है। स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्र और न्यूज एजेंसी जर्नलिज्म में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के सहभागी अपने शैक्षिक कार्यक्रम के अनुसार प्रायोगिक पत्र भी निकालते हैं।

13.5.8 वेतन और लेखा संगठन को मजबूत बनाने के लिए आठवीं पंचवर्षीय योजना में 20 लाख रुपये उपलब्ध कराए गए इनमें से 14.48 लाख रुपये मार्च 1996 तक खर्च किए गए और चालू वित्त वर्ष (दिसंबर 1996 तक) के दौरान 1.93 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। शेष 3.59 लाख रुपए की राशि वेतन और लेखा कार्यालय (मुख्य सचिवालय) के कंप्यूटरीकरण और इससे संबंधित गतिविधियों के लिए खर्च की जाएगी।

13.5.9 सूचना भवन के चौथे चरण के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। अनुमान है कि इस पर 11,42,617 रुपये की लागत आएगी। इसका उद्देश्य एक ही परिसर में विभिन्न मीडिया इकाइयों के कार्यालयों को लाना है।

# 14

# अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

## भारत और यूनेस्को

14.1.1 भारत यूनेस्को का (संस्थापक) सदस्य है। यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र संगठन की एक विशेष एजेंसी है। यूनेस्को का मुख्य लक्ष्य शिक्षा, विज्ञान, टैक्नोलॉजी, सामाजिक विज्ञान, संस्कृति, और जन संचार के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है। विकासशील देशों की संचार क्षमताओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1981 में यूनेस्को के आम सम्मेलन की 21वीं बैठक में संचार विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम की स्थापना को मंजूरी दी गई। इसकी स्थापना के समय से ही भारत इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और यह अन्तर्सरकारीय परिषद् तथा संचार के विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम ब्यूरो का भी सदस्य है। भारत अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम कोष में लगातार दान देता है और वर्षों से इसकी गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संचार विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के संस्थापक सदस्य होने के नाते यह मंत्रालय यूनेस्को के आम सम्मेलन की बैठक और ब्यूरो/अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के सत्र में प्रतिनिधित्व भी करता है।

14.1.2 संचार विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम की अंतर्सरकारीय परिषद् की 17वीं बैठक और 35वीं ब्यूरो बैठक, पेरिस में, मार्च 1997 में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में 'परिवर्तनशील समाज—मीडिया के लिए चुनौती' विषय पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

## भारत समाचार पूल डेस्क और गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी-पूल

14.2.1 गुटनिरपेक्ष समाचार एजेंसी-पूल का गठन 1976 में किया गया। इसका उद्देश्य सूचना के प्रवाह में असंतुलन में सुधार करना और गुट निरपेक्ष देशों जैसे एशिया, अफ्रीका, यूरोप और लेटिन अमरीकी महाद्वीप के देशों की राष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के बीच समाचार और सूचना के आदान-प्रदान की व्यवस्था करना है। इसके कार्यों का प्रबंध तीन वर्षों के लिए निर्वाचित समन्वय समिति करती है। भारत इस पूल का (1976-79) पहला अध्यक्ष था और इस समय इसका सदस्य है। पूल को चलाने में जो खर्च आता है उसे सदस्य देश अदा करते हैं। समाचारों का संग्रह, संपादन और वितरण सदस्य देश अपने खर्चे पर करते हैं।

14.2.2 प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया भारत सरकार की तरफ से इंडिया न्यूज पूल डेस्क का कामकाज देखता है। पूल नेटवर्क के दैनिक समाचार फाइल में भारत काफी समाचार देता है। वर्ष के दौरान पूल में प्रतिदिन 20 से 25 हजार शब्द समाचार दिए गए। पूल डेस्क से भारतीय ग्राहकों द्वारा प्रतिदिन दो से ढाई हजार शब्द के समाचार लिए गए। इंडिया न्यूज पूल डेस्क ने प्रतिदिन लगभग 9 हजार शब्द के समाचार पूल पार्टनर को उपलब्ध कराए।

14.2.3 वर्ष 1996 में गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल समन्वय समिति की वार्षिक बैठक और गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल का सातवाँ आम सम्मेलन नहीं हो सका। लेकिन मई 1996 में सूचना विकास के लिए अंतर्सरकारीय परिषद् की बैठक में सीरीया अरब समाचार एजेंसी ने दमिश्क में गुट निरपेक्ष समाचार एजेंसी पूल के समन्वय समिति की बैठक और आम सम्मेलन दोनों ही की मेजबानी का प्रस्ताव किया।

14.2.4 भारतीय जन संचार संस्थान विभिन्न गुट निरपेक्ष देशों की समाचार एजेंसियों के पत्रकारों को प्रशिक्षण देने का काम जारी रखे हुए है।

### भारत में चीनी टेलीविजन प्रतिनिधिमंडल

14.3 भारत और चीन गणतंत्र के लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत अक्तूबर-नवम्बर 1996 के दौरान छः सदस्यीय चीनी दूरदर्शन प्रतिनिधिमंडल ने, जिसके प्रमुख चीन के आकाशवाणी, फिल्म और टेलीविजन उप मंत्री थे, भारत का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने यहां के दूरदर्शन के प्रतिनिधियों से विभिन्न प्रकार के परस्पर सहयोग के

विषयों पर विचार-विमर्श किया। प्रतिनिधिमंडल के इस दौरे के दौरान दूरदर्शन और चीन सेंट्रल टेलीविजन (सी.सी.टी.वी.) के परस्पर सहयोग के एक ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए।

### सूचना क्षेत्र में भारत-रूस सहयोग

14.4 सूचना क्षेत्र में आपसी सहयोग के लिए भारत सरकार की ओर से प्रधान सूचना अधिकारी और रूस की ओर से रूसी सूचना एजेन्सी 'रिया नोवस्ती' के अध्यक्ष व्लादिमीर एन.मार्कोव ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए। प्रधान सूचना अधिकारी ने 16 अक्तूबर, 1996 से 21 अक्तूबर, 1996 तक रूस का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान प्रधान सूचना अधिकारी ने विभिन्न गण्यमान्य प्रतिनिधियों से सूचना एवं संचार माध्यमों के आदान-प्रदान के लिए परस्पर सहयोग की बातचीत की। परिणामस्वरूप भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्री ने रूस के उप-प्रधानमंत्री श्री इत्र वारेन्को को आमन्त्रित भी किया।

### सूचना क्षेत्र में गुटनिरपेक्ष देशों के बीच परस्पर सहयोग

14.5.1 गुटनिरपेक्ष देशों के सूचना मंत्रियों की अंतर सरकारी परिषद की बैठक के लिए अबूजा (नाइजीरिया) में 27-30 मई 1996 को सम्मेलन सम्पन्न हुआ। दो सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इस सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन 'कोमिनाक-V' सम्मेलन से पहले हुआ जो कि 1-6 सितंबर में अबूजा (नाइजीरिया) में सम्पन्न हुआ था। इस बैठक में भी दो सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया।

14.5.2 इस बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि विकासशील देशों को सूचना के क्षेत्र में पिछड़े देशों के बीच खाई को पाटने के लिए बहुत कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। सूचना और संचार के क्षेत्र में विद्यमान असंतुलन और असमानता विकासशील देशों की छवि सुधारने में रुकावट पैदा करते हैं।

# 15

# प्रशासन

15.1.1 सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पास सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के संदर्भ में फिल्म सहित मुद्रित तथा इलैक्ट्रॉनिक मीडिया से संबंधित कार्यों को लागू करने के लिए पर्याप्त अधिकार हैं।

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय के कार्य**

- विदेशों में बसे भारतीयों सहित आम जनता के लिए आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के जरिए समाचार सेवाएं प्रदान करना।
- प्रसारण और टेलीविजन का विकास।
- फिल्मों का आयात और निर्यात।
- फिल्मोत्सवों का आयोजन और इस उद्देश्य के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान।
- भारत सरकार की तरफ से विज्ञापन और दृश्य प्रचार।
- भारत सरकार की नीतियों को प्रस्तुत करने के लिए प्रेस सम्पर्क की व्यवस्था करना तथा इसके बारे में जनता के विचारों को जानना।
- समाचार पत्रों के मामले में प्रेस तथा पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 का क्रियान्वयन।
- राष्ट्रीय महत्व के मामलों पर प्रकाशनों के जरिए देश के भीतर और बाहर सरकार के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- मंत्रालय की मीडिया इकाइयों की सहायता के लिए गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण देना।
- मंत्रालय की संस्थाओं के लिए उल्लेखनीय योगदान करने वाले प्रख्यात कलाकारों, संगीतज्ञों, नर्तकों, नाटककारों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- प्रसारण तथा समाचार सेवाओं के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय संबंध बनाना।

13 संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालय, 5 स्वायत्त संस्थाएं और एक सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय की गतिविधियों में सहायता और समर्थन देती है।

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय का गठन

| संलग्न तथा अधीनस्थ संस्थाएं | स्वायत्त/वैधानिक संस्थाएं तथा सार्वजनिक उपक्रम |
|---|---|
| 1. आकाशवाणी | 1. भारतीय फिल्म तथा टेलीविज़न संस्थान |
| 2. दूरदर्शन | 2. भारतीय जनसंचार संस्थान |
| 3. फिल्म प्रभाग | 3. भारतीय बाल फिल्म सोसायटी |
| 4. क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय | 4. राष्ट्रीय बाल और युवा चलचित्र केंद्र |
| 5. विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय | 5. भारतीय प्रेस परिषद् |
| 6. पत्र सूचना कार्यालय | 6. सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविज़न संस्थान |
| 7. प्रकाशन विभाग | 7. केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड |
| 8. गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग | 8. फिल्म समारोह निदेशालय |
| 9. भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय | 9. राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम) |
| 10. फोटो प्रभाग | |
| 11. गीत और नाटक प्रभाग | |
| 12. भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार | |
| 13. मुख्य लेखा नियंत्रक | |

### मुख्य सचिवालय

15.2.1 सचिव इस मंत्रालय के मुख्य सचिवालय का प्रमुख होता है। सचिव एक अतिरिक्त सचिव, वित्त सलाहकार—सह अतिरिक्त सचिव, तीन संयुक्त सचिवों और एक मुख्य लेखा नियंत्रक के सहयोग से काम करता है। मंत्रालय के विभिन्न विभागों में निदेशक/उप सचिव स्तर के 11 अधिकारी, अवर सचिव स्तर के 15 अधिकारी, 43 अन्य राजपत्रित अधिकारी और 285 अराजपत्रित कर्मचारी हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट परिशिष्ट -II पर है।

### अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए प्रावधान

15.3.1 सरकार की घोषित नीति के अनुसार यह मंत्रालय अपनी अधीनस्थ सेवाओं और पदों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को उचित प्रतिनिधित्व देने के बारे में सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों का पूरी तरह पालन करने का प्रयत्न कर रहा है। मंत्रालय निरंतर प्रयास करता रहा है कि उनकी विभिन्न सेवाओं और पदों में आरक्षण के निर्धारित प्रतिशत और इन वर्गों के वास्तविक प्रतिनिधित्व के बीच कम-से-कम अंतर रहे। निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप मंत्रालय के (संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों सहित) कुल कर्मचारियों में अनुसूचित जातियों तथा जनजातियों के कर्मचारियों का प्रतिशत 1 जनवरी, 1996 को निम्न प्रकार से था :

| | 'क' वर्ग | 'ख' वर्ग | 'ग' वर्ग | 'घ' वर्ग |
|---|---|---|---|---|
| अनुसूचित जाति | 12.31 | 12.81 | 17.83 | 31.57 |
| अनुसूचित जनजाति | 3.94 | 3.97 | 8.91 | 11.40 |

15.3.2 कार्मिक तथा प्रशिक्षण विभाग के निर्देशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के बकाया रिक्त पदों को भरने के लिए इस वर्ष भी विशेष अभियान चलाया गया ताकि मंत्रालय की विभिन्न सेवाओं में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के कर्मचारियों के निर्धारित प्रतिशत और वास्तविक प्रतिनिधित्व के बीच अंतर कम-से-कम किया जा सके।

15.3.3 आरक्षण आदेशों पर अमल से संबंधित कार्यों में समन्वय तथा निगरानी के लिए उप-सचिव स्तर के एक संपर्क अधिकारी के निरीक्षण में मंत्रालय में एक सेल बनाया गया है। मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में इस कार्य के लिए निरंतर प्रशासनिक प्रावधान किए जाते रहे हैं।

15.3.4 अनुसूचित जातियों और जनजातियों के सेवारत अधिकारियों को भारत में और विदेशों में विभिन्न कार्यक्रमों के तहत प्रशिक्षण पर भेजने पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। यह मंत्रालय सेवाओं में आरक्षण के बारे में परिबोध/अभिमुखीकरण पाठ्यक्रमों की उपयोगिता के प्रति सजग है और सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान द्वारा ऐसे पाठ्यक्रम चलाए जाने पर निश्चित रूप से कर्मचारियों को ऐसे प्रशिक्षणों के लिए नामांकित करता है।

15.3.5 मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण वाले अधीनस्थ कार्यालयों, स्वायत्त संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों की सेवाओं/पदों पर अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण नीति का पूरी तरह पालन किया जाता है। ऐसे कार्यालय हैं — भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, भारतीय जनसंचार संस्थान, राष्ट्रीय बाल तथा युवा चलचित्र केन्द्र, भारतीय प्रेस परिषद्, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लिमिटेड।

## राजभाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल

15.4.1 यह मंत्रालय केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप हिंदी के इस्तेमाल पर जोर देता रहा है। राजभाषा नीति को लागू करने के लिए मंत्रालय के मुख्य सचिवालय और संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। हर तीन महीनों में इसकी बैठक होती है। यह समिति राजभाषा नीति पर अमल की स्थिति पर निगरानी रखती है।

15.4.2 सरकारी कामकाज में हिंदी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय के मुख्य सचिवालय में 14 से 28 सितंबर, 1996 के दौरान 'हिंदी पखवाड़ा' आयोजित किया गया। इस अवधि में, हिंदी में निबंध लेखन, आशुलेखन और टंकण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं में 55 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया जिनमें से 25 को उत्कृष्ट कार्य के लिए नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिए गए। मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालयों में भी सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा और हिंदी की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें नकद पुरस्कार दिए गए।

15.4.3 1996-97 के दौरान मंत्रालय के छह कार्यालयों का अधिकारियों ने निरीक्षण किया और सरकारी कामकाज में हिंदी के इस्तेमाल की समीक्षा की गई। हिंदी में पत्र-व्यवहार बढ़ाने के लिए 28 कर्मचारियों को प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित किया गया। इस वर्ष हिंदी टंकण/आशुलेखन के लिए 26 टंककों/आशुलिपिकों को नामांकित किया गया। राजभाषा नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अंतर्गत इस मंत्रालय के 15 कार्यालय अधिसूचित किए गए।

15.4.4 संसदीय राजभाषा समिति की उपसमिति ने इस वर्ष (21 जनवरी, 1997 तक) इस मंत्रालय के सचिवालय सहित आठ कार्यालयों का निरीक्षण किया ताकि हिंदी के इस्तेमाल से संबंधित उपलब्धियों/कमियों का मौके पर जायजा लिया जा सके।

## आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश

15.5.1 आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश कार्यकुशलता बढ़ाने का निरंतर प्रयास कर रहा है, इस वर्ष (31 दिसंबर, 1996 तक) किए गए प्रमुख कार्यों का विवरण इस प्रकार है :

(1) रिकॉर्डों के प्रबंध के लिए विशेष अभियान चलाया गया। 4,639 फाइलें रिकॉर्ड की गई; 7,424 फाइलों की समीक्षा की गई और 4,842 फाइलें नष्ट कर दी गईं। इस अवधि में मुख्य सचिवालय के विभिन्न अनुभागों द्वारा विभागीय रिकॉर्ड कक्ष रखने के लिए 2028 फाइलें भेजी गईं। 1875 फाइलें नष्ट की गई और विभाग द्वारा रिकॉर्ड की गई 3046 फाइलों को भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार में भिजवाया गया। इसके अलावा, राष्ट्रीय अभिलेखागार का एक दल इस समय ऐसे रिकॉर्डों की जांच-परख कर रहा है जिन्हें स्थायी परिरक्षण के लिए राष्ट्रीय अभिलेखागार में भेजा जा सकता है।

(2) आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश में कार्य आंकलन अध्ययन पूरे किए, जिनसे हर वर्ष पांच लाख रुपये तक सार्वजनिक धन की बचत हो सकेगी।

(3) कार्यालय प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों को लागू किया जाना सुनिश्चित करने के लिए मुआयने किए गए।

## विभागीय लेखा संगठन

15.6.1 सिविल लेखा के विभागीकरण की योजना के लागू होने के बाद 1 अक्तूबर, 1976 से सूचना और प्रसारण मंत्रालय के मुख्य लेखा नियंत्रक का कार्यालय अस्तित्व में आया। इस योजना में अन्य बातों के अलावा यह भी व्यवस्था है कि मंत्रालय का सचिव मुख्य लेखा प्राधिकारी होगा तथा अतिरिक्त सचिव (वित्तीय सलाहकार) वित्तीय सलाह और लेखा से संबंधित कार्य देखेगा। मुख्य लेखा नियंत्रक मंत्रालय के लेखा संगठन का प्रशासनिक प्रमुख है और निम्न क्षेत्रों में प्रमुख भूमिका निभाता हैं :

(क) मंत्रालय के मासिक लेखा बनाना, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा नियंत्रित अनुदान मांगों के वार्षिक विनियोग लेखा तैयार करना, केन्द्रीय वित्तीय लेन-देन का विवरण और संघ सरकार के वित्तीय खाते (सिविल) की सामग्री महालेखा परीक्षक को पेश करना।

(ख) स्वायत्त संस्थाओं, समाचार एजेंसियों और निगमों आदि को ऋण और अनुदान देना।

(ग) वेतन तथा लेखा कार्यालय और विभिन्न मीडिया इकाइयों के प्रमुखों को तकनीकी सलाह देना, महालेखा निरीक्षक कार्यालय से संपर्क बनाए रखना तथा लेखागत मामलों में पूर्ण नियंत्रण बनाए रखना।

(घ) देशभर के 542 आहरण तथा संवितरण अधिकारियों द्वारा किए गए वित्तीय लेन-देन पर निगरानी रखना और पेंशन, भविष्य निधि तथा अन्य दावों का तुरंत निपटान करना।

(ड़) मंत्रालय का बजट तैयार करना।

(च) आंतरिक कार्य अध्ययन एकांश की गतिविधियों में समन्वय कायम करना।

(छ) मुख्य लेखा नियंत्रक विभिन्न मीडिया इकाइयों को विभिन्न योजनाओं/परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी तथा खर्च के बारे में विशेषज्ञ सेवाएं भी देता है ताकि योजनाओं की समीक्षा हो सके और लेखा परीक्षण रिपोर्टों तथा भारत के महालेखा परीक्षक और नियंत्रक, लोकलेखा समिति, प्राक्कलन समिति, सार्वजनिक उपक्रम समिति की रिपोर्टों में मांगी गई जानकारी पर आगे कार्रवाई की जा सके या इन मामलों का निपटान किया जा सकें।

15.6.2 मुख्य लेखा नियंत्रक एक लेखा नियंत्रक, दो लेखा उप-नियंत्रकों और 19 वेतन तथा लेखा अधिकारियों के सहयोग से उक्त दायित्व निभाता है। दिल्ली में सात, कलकत्ता, मुंबई और चेन्नई में सात-सात तथा लखनऊ, गुवाहाटी और नागपुर में एक-एक वेतन तथा लेखा अधिकारी हैं।

15.6.3 इस संगठन का एक प्रमुख कार्य मंत्रालय और इसके संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों के करीब 5,000 राजपत्रित अधिकारियों के निजी दावों और वेतनों के भुगतान की व्यवस्था है। यह कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र की मदद से बने कम्प्यूटरीकृत प्रणाली के जरिए किया जा रहा है। यह कार्य नई दिल्ली में लेखा उप-नियंत्रक (इर्ला) की देख-रेख में किया जा रहा है।

15.6.4 वर्ष के दौरान (नवंबर, 1995 से अक्तूबर, 1996 तक) सभी वेतन तथा लेखा कार्यालयों ने 2,49,350 बिलों पर कार्रवाई की। इनमें वेतन तथा लेखा अधिकारी (इर्ला) द्वारा निपटाए गए राजपत्रित अधिकारियों के 62,513 दावे भी थे। नवंबर 1995 से दिसंबर 1996 तक सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के पेंशन/पारिवारिक पेंशन के 1,339 मामले और भविष्यनिधि के पूर्ण भुगतान के 713 मामले निपटाए गए।

15.6.5 मुख्य लेखा नियंत्रक के अधीन एक आंतरिक लेखा-परीक्षण इकाई भी है। इस इकाई का मुख्य कार्य मंत्रालय की मीडिया इकाइयों के कार्यकारी कार्यालयों के लेखों तथा कार्य-प्रक्रियाओं से सही और पूर्ण होने की जांच करना है। 1994-95 में मीडिया इकाइयों के आंतरिक लेखा परीक्षण से 1,888.8[illegible] लाख रुपये की सरकार को देय राशि का भुगदान नहीं होने [illegible] मामले सामने आए। यह रकम सिनेमा हॉलों के किराये, सरकारी तथा गैर-सरकारी एजेंसियों के विज्ञापनों के शुल्क और रेलवे दावों की थीं। ऐसे मामले भी विभाग के प्रमुख की नजर में लाए गए जिनमें विभिन्न परियोजनाओं के लिए 1,537.55 रुपये नए उपकरणों की खरीद और इन परियोजनाओं के अन्य कार्यों के लिए खर्च कर दिए गए, जबकि परियोजनाएं अब भी शुरू नहीं हुई हैं। इस कार्रवाई का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विभिन्न खरीदों से पहले उचित योजना बनाई जाए। मार्च 1996

तक नई दिल्ली के दूरदर्शन महानिदेशालय, गीत और नाटक प्रभाग के दिल्ली के क्षेत्रीय केन्द्र और जयपुर के दूरदर्शन केन्द्र में गबन, भुगतान संबंधी सरकारी कागजात में जालसाजी, निजी कार्यक्रम निर्माताओं के साथ किए गए करारों पर हस्ताक्षर करने में भारी लापरवाही, नकद रकम को रखने के संदेहास्पद तरीके और पांच साल से ज्यादा समय तक 'ऑन एकाउंट' अग्रिम राशियों का समायोजन नहीं करने के मामले सामने लाए गए। लेह में आकाशवाणी और दूरदर्शन के अनुश्रवण केन्द्र के सभी कर्मचारियों को दिए गए रिमोट लोकेलिटी एलाउंस के ज्यादा भुगतान की वापसी कराए जाने की सिफारिश की गई।

## सतर्कता

### संगठन

15.7.1 मंत्रालय का सतर्कता तंत्र सचिव के पूर्ण निरीक्षण में काम करता है। सचिव की सहायता के लिए संयुक्त सचिव स्तर का मुख्य सतर्कता अधिकारी, एक अवर सचिव, एक अनुभाग अधिकारी और सहायकों का अमला है।

संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में सतर्कता एकांशों के प्रमुख सतर्कता अधिकारी होते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों और पंजीकृत समितियों में उनके सतर्कता अधिकारी यह कार्य देखते हैं। 'संबद्ध तथा अधीनस्थ कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों और पंजीकृत समितियों की सतर्कता संबंधी गतिविधियों का समन्वय मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी करता है।

### 15.7.2 निवारक सतर्कता

प्रक्रियाओं को सरल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम-से-कम रहे। संदेहास्पद निष्ठा वाले व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखी गई। संवेदनशील पदों पर कार्यरत अधिकारियों को समय-समय पर बदला जाता रहा। नियमों और प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों ने समय-समय पर निरीक्षण किए। इस वर्ष 144 नियमित और 67 बिना बताए अचानक निरीक्षण किए गए और 26 व्यक्तियों के कामकाज पर निगरानी रखने का फैसला किया गया।

### 15.7.3 दंडात्मक सतर्कता

अप्रैल 1996 से दिसंबर 1996 तक मंत्रालय और इसकी मीडिया इकाइयों में विभिन्न स्रोतों से 231 नई शिकायतें दर्ज की गई। इनका परीक्षण कर 86 मामलों में प्रारंभिक जांच की गई। इनमें 16 मामलों की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई) द्वारा की गई। इस वर्ष 44 मामलों में प्रारंभिक जांच की रिपोर्टें मिलीं। 44 मामलों में कड़े दंड के लिए नियमित विभागीय कार्रवाई शुरू की गई और आठ मामलों में मामूली दंड की कार्रवाई शुरू की गई। सात मामलों में कड़ा दंड और 12 मामलों में मामूली दंड दिया गया। इस वर्ष 9 अधिकारियों को निलंबित किया गया। 9 मामलों में कार्रवाई समाप्त कर दी गई। एफ.आर. 56 (जे) के अंतर्गत एक व्यक्ति को अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त कर दिया गया और 29 मामलों में प्रशासनिक चेतावनी आदि दी गई। इसके अलावा, अपील के दो मामले निपटाए गए। एक मामले में अपील नामंजूर कर दी गई और दूसरे में नए सिरे से जांच के आदेश दिए गए। इस वर्ष एक पुनर्विचार के आवेदन पर भी फैसला किया गया। 14 मामलों में नियमित विभागीय कार्रवाई का फैसला किया गया। इस फैसले के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के

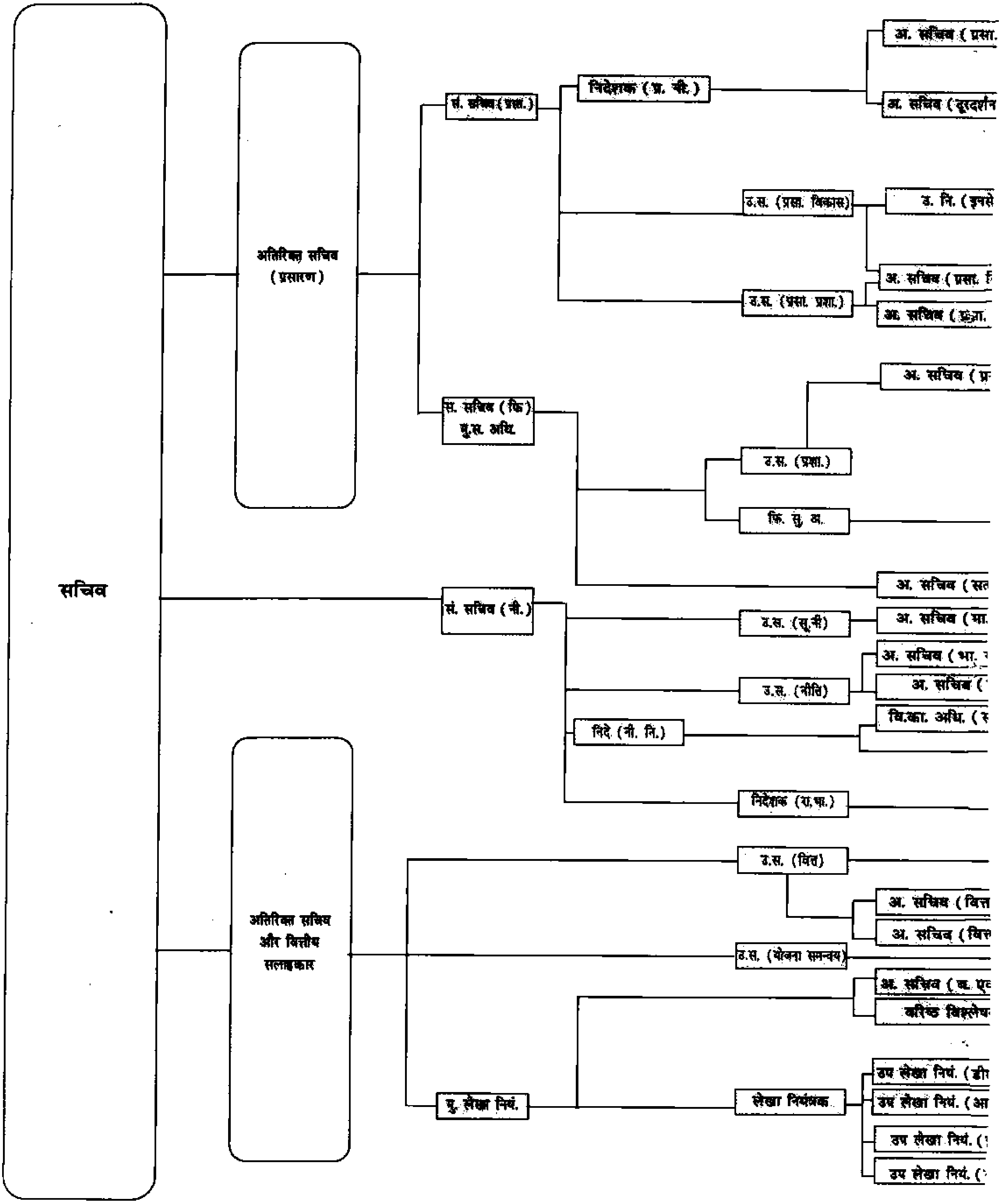

# …य सचिवालय का सांगठनिक चार्ट

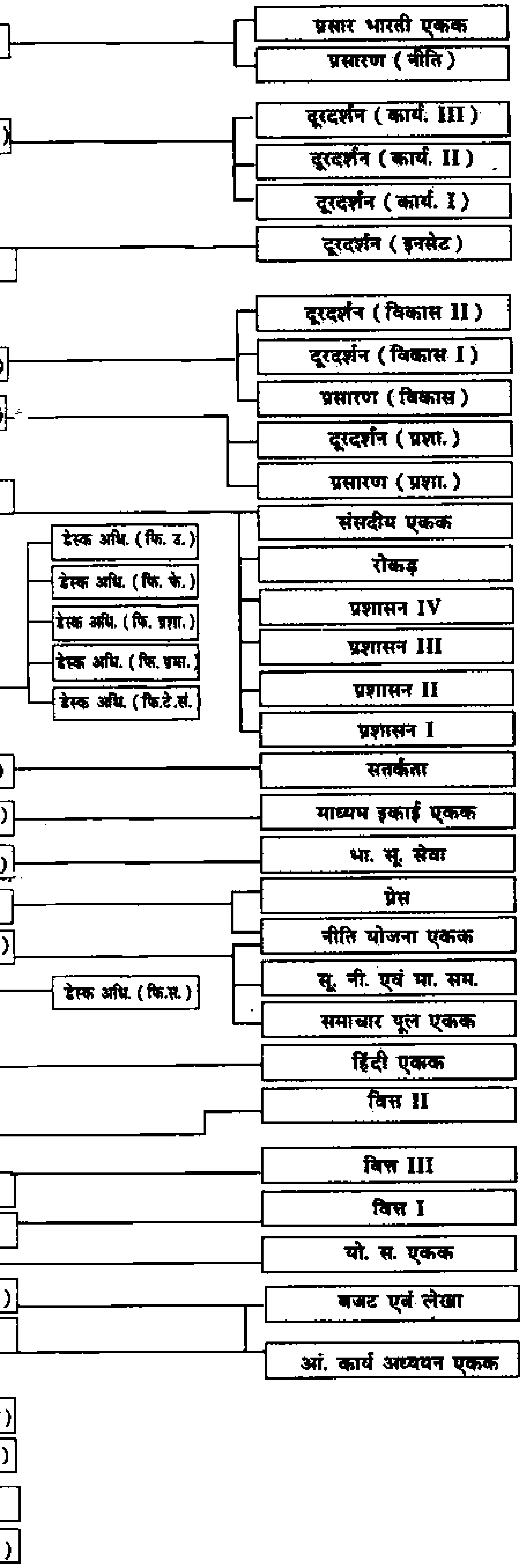


## मंत्रालय में पदनाम

| | |
|---|---|
| ए एस एंड एफ ए | अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार |
| ए एस (बी) | अतिरिक्त सचिव (प्रसारण) |
| जे एस (पी एंड डी पी जी) | संयुक्त सचिव (नीति) |
| जे एस (फि) मु. सतर्क अधि. | संयुक्त सचिव (फिल्म) तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी |
| जे. एस (बी) | संयुक्त सचिव (प्रसारण) |
| सी सी ए | मुख्य लेखा नियंत्रक |
| डाये. (पी.पी.) | निदेशक (नीति नियोजन) |
| डाये. (बी पी) | निदेशक (प्रसारण नीति) |
| डाये. (ओ एल) | निदेशक (राजभाषा) |
| डी एस (फाइ.) | उप सचिव (वित्त) |
| डी एस (पी सी) | उप सचिव (योजना समन्वय) |
| डी एस (पी) | उप सचिव (नीति) |
| डी एस (आई पी) | उप सचिव (सूचना नीति) |
| डी एस (ए) | उप सचिव (प्रशासन) |
| डी एस (बी डी) | उप सचिव (प्रसारण विकास) |
| डी एस (बी ए) | उप सचिव (प्रसारण प्रशासन) |
| एफ एफ ओ | फिल्म सुविधाएं अधिकारी |
| सी ए | लेखा नियंत्रक |
| यू एस (ए) | अवर सचिव (प्रशासन) |
| यू एस (बी एंड ए) | अवर सचिव (बजट एवं लेखा) |
| यू एस (फाइ. I) | अवर सचिव (वित्त-I) |
| यू एस (फाइ. III) | अवर सचिव (वित्त-III) |
| यू एस (आई आई एस) | अवर सचिव (भारतीय सूचना सेवा) |
| यू एस (एम सी) | अवर सचिव (माध्यम समन्वय) |
| यू एस (आई) | अवर सचिव (सूचना) |
| यू एस (वी) | अवर सचिव (सतर्कता) |
| यू एस (बी ए) | अवर सचिव (प्रसारण प्रशासन) |
| यू एस (बी डी) | अवर सचिव (प्रसारण विकास) |
| यू एस (टीवी-पी) | अवर सचिव (दूरदर्शन कार्यक्रम) |
| यू एस (बी पी) | अवर सचिव (प्रसारण नीति) |
| ओ एस डी (आई पी) | विशेष कार्याधिकारी (सूचना नीति) |
| डी सी ए (हैडक्वा.) | उप लेखा नियंत्रक (मुख्यालय) |
| डी सी ए (इर्ला) | उप लेखा नियंत्रक (इर्ला) |
| डी सी ए (आई सी) | उप लेखा नियंत्रक (आई सी) |
| डी सी ए (डी ए वी पी) | उप लेखा नियंत्रक (डी ए वी पी) |
| एस ए | वरिष्ठ विश्लेषक |
| डी डी (इनसेट) | उप निदेशक (इनसेट) |
| डी ओ (एफ सी) | डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रमाणन) |
| डी ओ (एफ टी आई) | डेस्क अधिकारी (फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान) |
| डी ओ (एफ एस) | डेस्क अधिकारी (फिल्म समितियां) |
| डी ओ (एफ टी आई) | डेस्क अधिकारी (फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान) |
| डी ओ (एफ ए) | डेस्क अधिकारी (फिल्म प्रशासन) |
| डी ओ (एफ एफ) | डेस्क अधिकारी (फिल्म फेस्टिवल) |
| डी ओ (एफ आई) | डेस्क अधिकारी (फिल्म उद्योग) |
| एडमिन. I | प्रशासन I |
| एडमिन. II | प्रशासन II |
| एडमिन. III | प्रशासन III |
| एडमिन. IV | प्रशासन IV |
| कैश | रोकड़ |
| पार्लिया | पार्लियामेण्ट एकक |
| विज. | सतर्कता |
| बी (ए) | प्रसारण (प्रशासन) |
| टीवी (ए) | दूरदर्शन (प्रशासन) |
| बी (डी) | प्रसारण (विकास) |
| टी वी (डी-I) | दूरदर्शन (विकास-I) |
| टी वी (डी-II) | दूरदर्शन (विकास-II) |
| टीवी (इनसेट) | दूरदर्शन (इनसेट) |
| टी वी (पी-I) | दूरदर्शन (कार्यक्रम-I) |
| टी वी (पी-II) | दूरदर्शन (कार्यक्रम-II) |
| टी वी (पी-III) | दूरदर्शन (कार्यक्रम-III) |
| बी (पी) | प्रसारण (नीति) |
| पी बी सी | प्रसार भारती एकक |
| आई आई एस | भारतीय सूचना सेवा |
| एम यू सी | मीडिया यूनिट एकक |
| प्रेस | प्रेस |
| पी पी सी | नीति योजना एकक |
| आई पी एंड एम सी | सूचना नीति और माध्यम समन्वय |
| एन पी सी | समाचार पूल एकक |
| फाइ. I | वित्त I |
| फाइ. II | वित्त II |
| फाइ. III | वित्त III |
| पी सी सेल | योजना समन्वय एकक |
| हिंदी सेल | हिंदी एकक |
| आई डब्ल्यू एस यू | आंतरिक कार्य अध्ययन एकक |

**परिशिष्ट – II**

**सूचना और प्रसारण मंत्रालय**

**योजना तथा गैर-योजनागत बजट विवरण**

**मांग संख्या 56 सूचना, फिल्म और प्रचार**

| क्र.सं. | माध्यम इकाई का नाम/ गतिविधि | बजट अनुमान 1996-97 | | |
|---|---|---|---|---|
| | | योजना | गैर-योजना | योग |
| | **राजस्व खंड** <br> **मुख्य शीर्ष "2251"** <br> **—मुख्य सचिवालय — सामाजिक सेवाएं** | | | |
| 1. | मुख्य सचिवालय | — | 499.00 | 499.00 |
| 2. | समेकित वेतन और लेखा कार्यालय | 6.00 | 242.00 | 248.00 |
| | **योग :** | 6.00 | 741.00 | 747.00 |
| | **मुख्य शीर्ष "2205"** <br> **— कला और संस्कृति** <br> **सिनेमाटोग्राफिक फिल्मों का सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए प्रमाणीकरण** | | | |
| 3. | केन्द्रीय फिल्म प्रमाणीकरण बोर्ड | 35.00 | 84.75 | 119.75 |
| 4. | फिल्म प्रमाणीकरण अपील न्यायाधिकरण | — | 3.25 | 3.25 |
| | **योग :** | 35.00 | 88.00 | 123.00 |
| | **मुख्य शीर्ष "2220"** <br> **— सूचना और प्रचार** | | | |
| 5. | फिल्म प्रभाग | 215.00 | 1723.20 | 1938.20 |
| 6. | फिल्म समारोह निदेशालय | 269.00 | 214.43 | 483.43 |
| 7. | भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार | 103.00 | 44.12 | 147.12 |
| 8. | भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता | 100.00 | — | 100.00 |
| 9. | राष्ट्रीय बाल एवं युवा चलचित्र केंद्र को सहायता अनुदान | 150.00 | 10.00 | 160.00 |
| 10. | भारतीय फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान, पुणे को सहायता अनुदान | 554.00 | 320.00 | 874.00 |
| 11. | फिल्म समितियों को सहायता अनुदान | 3.00 | — | 3.00 |
| 12. | गवेषणा, संदर्भ और प्रशिक्षण प्रभाग | — | 55.55 | 55.55 |
| 13. | भारतीय जनसंचार संस्थान को सहायता अनुदान | 187.00 | 140.22 | 327.22 |
| 14. | विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय | 30.00 | 2811.65 | 2841.65 |
| 15. | पत्र सूचना कार्यालय | 80.00 | 1020.73 | 1100.73 |
| 16. | भारतीय प्रेस परिषद | — | 58.72 | 58.72 |
| 17. | पी.टी. आई. को ऋण के ब्याज पर सबसिडी | — | 0.48 | 0.48 |
| 18. | व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान | — | 38.22 | 38.22 |
| 19. | क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय | 40.00 | 1248.64 | 1288.64 |

(लाख रुपये में)

| संशोधित अनुमान 1996-97 | | | बजट अनुमान 1997-98 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| योजना | गैर-योजना | योग | योजना | गैर-योजना | योग |
| — | 524.16 | 524.16 | — | 544.29 | 544.29 |
| 6.00 | 259.84 | 265.84 | 25.00 | 283.71 | 308.71 |
| 6.00 | 784.00 | 790.00 | 25.00 | 828.00 | 853.00 |
| 27.00 | 85.75 | 112.75 | 50.00 | 92.75 | 142.75 |
| — | 4.25 | 4.25 | — | 4.25 | 4.25 |
| 27.00 | 90.00 | 117.00 | 50.00 | 97.00 | 147.00 |
| 245.46 | 1690.13 | 1935.59 | 237.00 | 1876.81 | 2113.81 |
| 247.25 | 226.33 | 473.58 | 305.00 | 242.97 | 547.97 |
| 100.65 | 41.97 | 142.62 | 110.00 | 47.68 | 157.68 |
| 75.00 | — | 75.00 | — | — | — |
| 150.00 | 10.00 | 160.00 | 265.00 | 10.00 | 275.00 |
| 522.00 | 352.00 | 874.00 | 700.00 | 369.60 | 1069.60 |
| 3.00 | — | 3.00 | 4.00 | — | 4.00 |
| — | 53.75 | 53.75 | — | 58.95 | 58.95 |
| 187.00 | 148.63 | 335.63 | 315.00 | 154.96 | 469.96 |
| 30.00 | 3710.25 | 3740.25 | 160.00 | 3641.25 | 3801.25 |
| 72.71 | 1083.12 | 1155.83 | 55.00 | 1087.70 | 1142.70 |
| — | 99.22 | 99.22 | — | 106.57 | 106.57 |
| — | 12.73 | 12.73 | — | 12.25 | 12.25 |
| — | 29.44 | 29.44 | — | 38.22 | 38.22 |
| 40.30 | 1282.07 | 1322.37 | 140.00 | 1351.41 | 1491.41 |

| क्र. सं. | माध्यम इकाई का नाम/ गतिविधि | बजट अनुमान 1996-97 | | |
|---|---|---|---|---|
| | | योजना | गैर-योजना | योग |
| 20. | गीत और नाटक प्रभाग | 116.00 | 854.75 | 970.75 |
| 21. | प्रकाशन विभाग | 20.00 | 664.35 | 684.35 |
| 22. | रोजगार समाचार | — | 1122.14 | 1122.14 |
| 23. | भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक | — | 98.86 | 98.86 |
| 24. | फोटो प्रभाग | 10.00 | 144.94 | 154.94 |
| 25. | संचार के विकास के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए अंशदान | — | 10.00 | 10.00 |
| 26. | सत्यजीत राय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, कलकत्ता | 1051.00 | — | 1051.00 |
| | कुल : मुख्य शीर्ष **"2220"** | 2928.00 | 10581.00 | 13509.00 |
| | मुख्य शीर्ष **"3601"** | | | |
| 27. | ज्योति चित्रबन | 108.00 | — | 108.00 |
| | कुल : राजस्व खंड | 3077.00 | 11410.00 | 14487.00 |

| संशोधित अनुमान 1996-97 | | | बजट अनुमान 1997-98 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| योजना | गैर-योजना | योग | योजना | गैर-योजना | योग |
| 136.00 | 826.26 | 962.26 | 155.00 | 895.41 | 1050.41 |
| 17.13 | 715.36 | 732.49 | 40.00 | 725.89 | 765.89 |
| — | 1005.18 | 1005.18 | — | 1006.38 | 1006.38 |
| — | 99.34 | 99.34 | — | 103.75 | 103.75 |
| 11.50 | 145.22 | 156.72 | 5.00 | 154.20 | 159.20 |
| — | 10.00 | 10.00 | — | 10.00 | 10.00 |
| 1051.00 | — | 1051.00 | 921.00 | — | 921.00 |
| 2889.00 | 11541.00 | 14430.00 | 3412.00 | 11894.00 | 15306.00 |
| 280.00 | — | 280.00 | — | — | — |
| 3202.00 | 12415.00 | 15617.00 | 3487.00 | 12819.00 | 16306.00 |

| क्र.सं. | माध्यम इकाई का नाम/ गतिविधि | बजट अनुमान 1996-97 | | |
|---|---|---|---|---|
| | | योजना | गैर-योजना | योग |
| | **पूंजी खंड** | | | |
| | **मुख्य शीर्ष "4220"** | | | |
| | **—सूचना और प्रचार के लिए पूंजी परिव्यय** | | | |
| **अ)** | **मशीनें और उपकरण** | | | |
| 1. | फिल्म प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद | 117.00 | — | 117.00 |
| 2. | भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, पुणे | — | — | — |
| 3. | पत्र सूचना कार्यालय के लिए उपकरणों की खरीद | 15.00 | — | 15.00 |
| 4. | क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के लिए उपकरणों की खरीद | 60.00 | — | 60.00 |
| 5. | गीत और नाटक प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद | 14.00 | — | 14.00 |
| 6. | फोटो प्रभाग के लिए उपकरणों की खरीद | 53.00 | — | 53.00 |
| **आ)** | **भवन** | | | |
| 7. | फिल्म प्रभाग की बहुमंजिला इमारत का मुख्य निर्माण कार्य | 81.00 | — | 81.00 |
| 8. | भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के कार्यालय भवन का मुख्य निर्माण कार्य | 51.00 | — | 51.00 |
| 9. | फिल्म समारोह परिसर में नए निर्माण तथा पुराने में परिवर्तन संबंधी प्रमुख निर्माण कार्य | 64.00 | — | 64.00 |
| 10. | कलकत्ता में फिल्म तथा टेलीविजन संस्थान की स्थापना — भूमि अधिग्रहण तथा भवन निर्माण | 225.00 | — | 225.00 |
| 11. | सूचना भवन परिसर — प्रमुख निर्माण कार्य | 61.00 | — | 61.00 |
| 12. | क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय के अंतर्गत कार्यालय तथा आवासीय भवनों का प्रमुख निर्माण कार्य | — | — | — |
| 13. | पत्र सूचना के लिए राष्ट्रीय प्रेस केन्द्र और लघु माध्यम केन्द्र की स्थापना | 395.00 | — | 395.00 |
| **इ)** | **अन्य निवेश** | | | |
| 14. | दक्षिण अफ्रीका की सरकार के साथ मिलकर "मेकिंग ऑफ दि महात्मा" फिल्म का संयुक्त निर्माण | 29.00 | — | 29.00 |
| 15. | ब्रॉडकास्टिंग इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड | 10.00 | — | 10.00 |
| | **कुल : मुख्य शीर्ष "4220"** | 1175.00 | — | 1175.00 |
| | **मुख्य शीर्ष "6220"** | | | |
| | **—सूचना और प्रचार के लिए ऋण** | | | |
| 16. | ब्रॉडकास्टिंग कंसल्टेंट्स (इंडिया) लिमिटेड | 10.00 | — | 10.00 |
| | **कुल : मुख्य शीर्ष "6220"** | 10.00 | — | 10.00 |
| | **कुल : पूंजी खंड** | 1185.00 | — | 1185.00 |
| | **कुल : मांग संख्या 56** | 4262.00 | 11410.00 | 15672.00 |

(लाख रुपये में)

| संशोधित अनुमान 1996-97 | | | बजट अनुमान 1997-98 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| योजना | गैर-योजना | योग | योजना | गैर-योजना | योग |
| 177.00 | — | 177.00 | 192.00 | — | 192.00 |
| — | — | — | — | — | — |
| 15.00 | — | 15.00 | 165.00 | — | 165.00 |
| 60.00 | — | 60.00 | 160.00 | — | 160.00 |
| 14.00 | — | 14.00 | 20.00 | — | 20.00 |
| 70.00 | — | 70.00 | 70.00 | — | 70.00 |
| 60.00 | — | 60.00 | 96.00 | — | 96.00 |
| 24.00 | — | 24.00 | 110.00 | — | 110.00 |
| 64.00 | — | 64.00 | 40.00 | — | 40.00 |
| 320.00 | — | 320.00 | 350.00 | — | 350.00 |
| 150.00 | — | 150.00 | 350.00 | — | 350.00 |
| 7.00 | — | 7.00 | — | — | — |
| 50.00 | — | 50.00 | 240.00 | — | 240.00 |
| 29.00 | — | 29.00 | — | — | — |
| 10.00 | — | 10.00 | — | — | — |
| 1050.00 | — | 1050.00 | 1793.00 | — | 1793.00 |
| 10.00 | — | 10.00 | — | — | — |
| 10.00 | — | 10.00 | — | — | — |
| 1060.00 | — | 1060.00 | 1793.00 | — | 1793.00 |
| 4262.00 | 12415.00 | 16677.00 | 5280.00 | 12819.00 | 18099.00 |

**मांग संख्या-57 — प्रसारण सेवाएं**
**राजस्व**

| क्र.सं. (1) | माध्यम इकाइयों का नाम/ गतिविधि (2) | बजट अनुमान 1996-97 योजना (3) | गैर-योजना (4) | योग (5) |
|---|---|---|---|---|
| **राजस्व खंड** | | | | |
| **(अ) मुख्य शीर्ष "2221"** | | | | |
| **आकाशवाणी** | | | | |
| 1. | निर्देशन तथा प्रशासन | 315.00 | 1043.00 | 1358.00 |
| 2. | परिचालन तथा रखरखाव | 1235.00 | 4797.00 | 6032.00 |
| 3. | विज्ञापन प्रसारण सेवा | 2.00 | 2247.00 | 2249.00 |
| 4. | कार्यक्रम सेवाएं | 4241.00 | 15209.00 | 19450.00 |
| 5. | समाचार सेवा प्रभाग | 20.00 | 1735.00 | 1755.00 |
| 6. | श्रोता अनुसंधान | 50.00 | 91.00 | 141.00 |
| 7. | विदेश सेवा प्रभाग | 2.00 | 340.00 | 342.00 |
| 8. | योजना और विकास | 209.00 | 627.00 | 836.00 |
| 9. | अनुसंधान तथा प्रशिक्षण | 126.00 | 314.00 | 440.00 |
| 10. | उचंत | 0.00 | 6304.00 | 6304.00 |
| 11. | एन.एफ.एल. में हस्तांतरण | 0.00 | 5780.00 | 5780.00 |
| 12. | अन्य व्यय | 0.00 | 360.00 | 360.00 |
| | **कुल आकाशवाणी (राजस्व)** | 6200.00 | 38847.00 | 45047.00 |
| **दूरदर्शन** | | | | |
| 1. | निर्देशन तथा प्रशासन | 26.00 | 1316.00 | 1342.00 |
| 2. | परिचालन तथा रखरखाव | 2960.00 | 7281.00 | 10241.00 |
| 3. | विज्ञापन सेवाएं | 0.00 | 8283.00 | 8283.00 |
| 4. | कार्यक्रम सेवाएं | 8507.00 | 18498.00 | 27005.00 |
| 5. | श्रोता अनुसंधान | 7.00 | 91.00 | 98.00 |
| 6. | उचंत | 0.00 | 7800.00 | 7800.00 |
| 7. | एन.एफ.एल. में हस्तांतरण | 0.00 | 45430.00 | 45430.00 |
| 8. | अन्य व्यय | 0.00 | 434.00 | 434.00 |
| | **योग दूरदर्शन (राजस्व)** | 11500.00 | 89133.00 | 100633.00 |
| | **कुल मुख्य शीर्ष "2221"** | 17700.00 | 127980.00 | 145680.00 |
| | **कुल राजस्व खंड** | 17700.00 | 127980.00 | 145680.00 |
| | **पारित** | 15934.00 | 126028.00 | 141962.00 |
| | **भारित** | 1766.00 | 1952.00 | 3718.00 |

(लाख रुपये में)

| संशोधित अनुमान 1996-97 | | | बजट अनुमान 1997-98 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| योजना (6) | गैर-योजना (7) | योग (8) | योजना (9) | गैर-योजना (10) | योग (11). |
| 321.00 | 1212.00 | 1533.00 | 438.00 | 1235.00 | 1673.00 |
| 1269.00 | 4957.00 | 6226.00 | 475.00 | 5066.00 | 5541.00 |
| 2.00 | 2606.00 | 2608.00 | 12.00 | 3011.00 | 3023.00 |
| 4248.00 | 16698.00 | 20946.00 | 1298.00 | 17520.00 | 18818.00 |
| 19.00 | 1800.00 | 1819.00 | 9.00 | 1805.00 | 1814.00 |
| 63.00 | 99.00 | 162.00 | 10.00 | 103.00 | 113.00 |
| 1.00 | 352.00 | 353.00 | 5.00 | 367.00 | 372.00 |
| 146.00 | 698.00 | 844.00 | 235.00 | 698.00 | 933.00 |
| 131.00 | 338.00 | 469.00 | 68.00 | 338.00 | 406.00 |
| 0.00 | 6312.00 | 6312.00 | 0.00 | 6535.00 | 6535.00 |
| 0.00 | 7044.00 | 7044.00 | 0.00 | 8805.00 | 8805.00 |
| 0.00 | 368.00 | 368.00 | 0.00 | 379.00 | 379.00 |
| 6200.00 | 42484.00 | 48684.00 | 2550.00 | 45862.00 | 48412.00 |
| 16.00 | 1211.00 | 1227.00 | 1.00 | 1252.00 | 1253.00 |
| 2903.00 | 8586.00 | 11489.00 | 810.00 | 8755.00 | 9565.00 |
| 0.00 | 7538.00 | 7538.00 | 0.00 | 9417.00 | 9417.00 |
| 8577.00 | 19103.00 | 27680.00 | 10048.00 | 20567.00 | 30615.00 |
| 4.00 | 100.00 | 104.00 | 1.00 | 112.00 | 113.00 |
| 0.00 | 8300.00 | 8300.00 | 0.00 | 8500.00 | 8500.00 |
| 0.00 | 41500.00 | 41500.00 | 0.00 | 51875.00 | 51875.00 |
| 0.00 | 619.00 | 619.00 | 0.00 | 451.00 | 451.00 |
| 11500.00 | 86957.00 | 98457.00 | 10860.00 | 100929.00 | 111789.00 |
| 17700.00 | 129441.00 | 147141.00 | 13410.00 | 146791.00 | 160201.00 |
| 17700.00 | 129441.00 | 147141.00 | 13410.00 | 146791.00 | 160201.00 |
| 16581.00 | 127131.69 | 143712.69 | 13409.00 | 146377.00 | 159786.00 |
| 1119.00 | 2309.31 | 3428.31 | 1.00 | 414.00 | 415.00 |

| क्र.सं. | माध्यम इकाइयों का नाम/ गतिविधि | बजट अनुमान 1996-97 | | |
|---|---|---|---|---|
| | | योजना | गैर-योजना | योग |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| **पूंजी खंड मुख्य शीर्ष "4221"** | | | | |
| **आकाशवाणी** | | | | |
| 1. | मशीनें और उपकरण | 105.00 | 0.00 | 105.00 |
| 2. | स्टूडियो | 2057.00 | 0.00 | 2057.00 |
| 3. | ट्रांसमीटर | 3501.00 | 0.00 | 3501.00 |
| 4. | उचंत | 2137.00 | 475.00 | 2612.00 |
| 5. | अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं) | 0.00 | 0.00 | 0.00 |
| | **कुल : आकाशवाणी** | 7800.00 | 475.00 | 8275.00 |
| | **पारित** | 7770.00 | 475.00 | 8245.00 |
| | **भारित** | 30.00 | 0.00 | 30.00 |
| **दूरदर्शन** | | | | |
| 1. | मशीनें और उपकरण | 75.00 | 0.00 | 75.00 |
| 2. | स्टूडियो | 8806.00 | 0.00 | 8806.00 |
| 3. | ट्रांसमीटर | 8234.00 | 0.00 | 8234.00 |
| 4. | उचंत | 0.00 | 560.00 | 560.00 |
| 5. | अन्य व्यय (स्थापना तथा विविध निर्माण योजनाएं) | 5423.00 | 0.00 | 5423.00 |
| | **कुल : दूरदर्शन** | 22538.00 | 560.00 | 23098.00 |
| | **पारित** | 22500.00 | 560.00 | 23060.00 |
| | **भारित** | 38.00 | 0.00 | 38.00 |
| | **कुल : मुख्य शीर्ष "4221"** | 30338.00 | 1035.00 | 31373.00 |
| | **कुल पूंजी खंड** | 30338.00 | 1035.00 | 31373.00 |

| संशोधित अनुमान 1996-97 | | | बजट अनुमान 1997-98 | | |
|---|---|---|---|---|---|
| योजना (6) | गैर-योजना (7) | योग (8) | योजना (9) | गैर-योजना (10) | योग (11) |
| 26.40 | 0.00 | 26.40 | 50.00 | 0.00 | 50.00 |
| 1863.00 | 0.00 | 1863.00 | 3448.00 | 0.00 | 3448.00 |
| 3459.00 | 0.00 | 3459..00 | 4701.00 | 0.00 | 4701.00 |
| 455.00 | 0.00 | 455.00 | 0.00 | 475.00 | 475.00 |
| 2451.60 | 0.00 | 2451.60 | 3571.00 | 0.00 | 3571.00 |
| 7800.00 | 455.00 | 8255.00 | 11770.00 | 475.00 | 12245.00 |
| 7635.00 | 455.00 | 8090.00 | 11720.00 | 475.00 | 12195.00 |
| 165.00 | 0.00 | 165.00 | 50.00 | 0.00 | 50.00 |
| 55.00 | 0.00 | 55.00 | 80.00 | 0.00 | 80.00 |
| 9059.00 | 0.00 | 9059.00 | 9823.00 | 0.00 | 9823.00 |
| 10692.00 | 0.00 | 10692.00 | 16644.00 | 0.00 | 16644.00 |
| 0.00 | 500.00 | 500.00 | 0.00 | 560.00 | 560.00 |
| 4232.00 | 0.00 | 4232.00 | 4153.00 | 0.00 | 4153.00 |
| 24038.00 | 500.00 | 24538.00 | 30700.00 | 560.00 | 31260.00 |
| 23888.00 | 500.00 | 8138.00 | 30665.00 | 560.00 | 31225.00 |
| 150.00 | 0.00 | 16400.00 | 35.00 | 0.00 | 35.00 |
| 31838.00 | 955.00 | 32793.00 | 42470.00 | 1035.00 | 43505.00 |
| 31838.00 | 955.00 | 32793.00 | 42470.00 | 1035.00 | 43505.00 |